THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 357 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र कृ.5 2079 रविवार, 12 मार्च 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

पोस्ट-बजट वेबिनार को पीएम ने किया संबोधित

'बजट का वेबिनार करोडों लोगों के हुनर और उनके कौशल को समर्पित'

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 11 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान' (पीएम विकास) पर पोस्ट-बजट वेबिनार को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बजट का यह वेबिनार भारत के करोडों लोगों के हुनर और उनके कौशल को समर्पित है। हम कौशल जैसे क्षेत्रों में जितना अव्वल होंगे हमें उतनी सफलता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि इसे लेकर कई सुझाव भी आए हैं। सभी स्टैक हॉल्डर्स ने इस बजट को कैसे सार्थक बनाया जाए इस पर चर्चा की। जो चर्चा संसद में होती है जो चर्चा सांसद करते हैं वैसे ही गहन विचार जनता की ओर से हमें मिला है। यह इवेंट 12 पोस्ट-बजट वेबिनार की सीरीज का एक हिस्सा है। वेबिनार की इस सीरीज में केंद्र सरकार बजट 2023-24 में की गई अनाउंसमेंट पर विचारों और सुझावों को इकट्ठा कर रही है, ताकि उन सभी घोषणाओं पर सही दिशा में काम किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि शहरों में विभिन्न कारीगर हैं जो अपने कौशल से औजार का उपयोग कर अपना जीवन यापन करते हैं, पीएम विश्वकर्मा का फोकस ऐसे एक बिखरे हुए समुदाय की तरफ है। महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज कल्पना को देखें तो गांव के जीवन में खेती किसानी के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। 'पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान' का उद्देश्य कारीगरों-शिल्पकारों को डोमेस्टिक और ग्लोबल वैल्यू चेन से जोड़ना है। ऐसा करके सरकार उनके प्रोडक्ट्स-सर्विसेस की क्वालिटी, स्केल और रीच में सुधार करना चाहती है।

लैंड फॉर जॉब्स केस में तेजस्वी को सीबीआई का समन

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। नौकरी के बदले जमीन केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बाद सीबीआई भी एक्टिव हो गई है। जांच एजेंसी ने शनिवार को बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को पूछताछ के लिए समन भेजा और आज ऑफिस आने के लिए कहा। इससे पहले 4 फरवरी को भेजा गया था।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तेजस्वी पत्नी की तबीयत खराब होने की वजह से सीबीआई के सामने पेश नहीं होंगे। उन्होंने वक्त मांगा है। ईडी की रेड के बाद उनकी पत्नी को शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती किया गया था। वे गर्भवती हैं। 12 घंटे की पूछताछ के बाद ब्लड प्रेशर की वजह से वे बेहोश हो गई थीं। >14

ईडी - सीबीआई छापेमारीः अखिलेश यादव बोले, कांग्रेस के रास्ते पर चल रही भाजपा, जमीन पर आ जाएगी

अहमदाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्ष के नेताओं पर हो रही सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार इस समय पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की नीति पर काम कर रही है। अगर आज कांग्रेस जमीन पर पहुंच गई है तो कल भाजपा भी जमीन पर पहुंच जाएगी। अखिलेश यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के घर पर हुई सीबीआई की छापेमारी पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं को कांग्रेस के समय भी इस तरह के हालात का सामना करना पड़ता था और अब भाजपा भी यही काम कर रही है। भाजपा का हश्र कांग्रेस जैसा ही होगा।

'एक और महामारी का इंतजार मत करें'

न्यायधीशों के सामने ऐसा क्यों बोले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़?

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने देश की न्यायिक प्रणाली को आधुनिक तरीके अपनाने के लिए मजबूर किया. सीजेआई ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान देश की न्यायिक प्रणाली के सामने कई तरह की चुनौतियां पेश आईं थीं. उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग ने अदालतों के दिन-प्रतिदिन के सुचारू कामकाज को बाधित किया. उन्होंने कहा कि कोविड-19 के लिए सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण वकीलों और वादियों को अदालतों में पेशी की अनुमति नहीं थी. उन्होंने कहा कि महामारी ने न्यायिक प्रणाली को आधुनिक तरीके अपनाने के लिए मजबूर किया. मगर इनको लगातार विकसित करना चाहिए. इसके लिए जरूरी फैसले लेने के लिए एक और महामारी का इंतजार नहीं करना चाहिए. शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों और अध्यक्षों की अठारहवीं बैठक की मेजबानी भारत कर रहा है. एससीओ के सदस्य देशों के प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुए, जबकि पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया. उन्होंने इसमें ऑनलाइन शामिल होने के लिए एक लिंक मांगा. इसके सदस्यों को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत ने सुप्रीम कोर्ट के साथ न्यायपालिका की एकीकृत प्रणाली का पालन किया है. सुप्रीम कोर्ट के बाद हर राज्य में हाई कोर्ट और फिर जिला और विभिन्न स्थानीय अदालतें हैं. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एक रोडमैप तैयार किया और विभिन्न पहलों के साथ आगे आया है. उनमें ई-अदालतों की ओर कदम बढ़ाना और तकनीकी एकीकरण की दिशा में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना शामिल था. जिसके जरिये भारतीय अदालतों में पहली बार वर्चुअल सुनवाई शुरू की गई थी. सीजेआई ने कहा टेक्नोलॉजी को अपनाने और ई-कोर्ट तैयार करने, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन सुनवाई करने, तत्काल सुनवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाने, लाइव स्ट्रीमिंग और ई-फाइलिंग में सुप्रीम कोर्ट ने तेजी से कदम उठाए. इन कदमों ने सुनिश्चित किया कि अदालत के कामकाज में रुकावट जल्द खत्म हो. सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक मामलों की लाइव स्ट्रीमिंग भी शुरू कर दी है. सुनवाई के लाइव ट्रांसक्रिप्शन और कई भाषाओं में फैसलों के अनुवाद के लिए एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है. इससे न्यायिक कार्यवाही में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी.

'समय पर सबका हिसाब होगा'

कदम की गिरफ्तारी पर बोले राउत-तानाशाही को भी पार कर रही सरकार

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव गुट को एक और बड़ा झटका देते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को सदानंद कदम को गिरफ्तार कर लिया. इसपर अब संजय राउत का बयान सामने आया है. उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि रैली को सफल बनाने के लिए कदम ने काफी मेहनत की थी, लेकिन ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने सवाल किया कि किरीट सोमैय्या के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई. संजय राउत ने कहा कि जिन लोगों ने चिट्ठी लिखी उन्हीं के खिलाफ कार्रवाई हुई है. सरकार तानाशाही को भी पार कर रही है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सत्ता आती है और जाती है, लेकिन सबका हिसाब होगा. सदानंद कदम उद्धव गुट के नेता रामदास कदम के छोटे भाई हैं. आरोप है कि महाराष्ट्र के रत्नागिरि के दापोली इलाके में स्थित साईं रिसॉर्ट को अवैध तरीके से बनाया गया है. घोटाले का आरोप बीजेपी नेता किरीट ने ही लगाया था. इसमें कथित रूप से सदानंद कदम और पूर्व परिवहन मंत्री अनिल परब दोनों पार्टनर हैं.

कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष आर ध्रुवनारायण का निधन, राहुल गांधी ने जताया दुख

बेंगलुरु, 11 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष आर ध्रुवनारायण का शनिवार को निधन हो गया। 61 वर्ष की उम्र में उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई जिसके बाद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह जैसे ही उनकी तबीयत बिगड़ी उन्हें उनके ड्राइवर ने सुबह करीब 6:40 मैसूर के डीआरएमएस अस्पताल ले गया। हालांकि, वह अस्पताल जाने से पहले ही इस दुनिया को अलविदा कह चुके थे। डॉक्टरों ने कांग्रेस नेता की मौत की पुष्टि की। कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष के निधन की सूचना मिलने के बाद कांग्रेस के नेताओं और उनके करीबियों द्वारा शोक व्यक्त किया गया। कांग्रेस के तमाम नेताओं ने अपनी पार्टी के नेता के जाने पर दुख जताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्विटर के जरिए आर ध्रुवनारायण के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, पूर्व सांसद श्री आर ध्रुवनारायण के आकस्मिक निधन से दुखी हूं, एक मेहनती और विनम्र जमीनी नेता, जो सामाजिक न्याय के लिए हमेशा खड़े रहते थे उनका जाना कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ी हानि है। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

जींद (हरियाणा), 11 मार्च (एजेंसियां)। जींद के गांव भाना ब्राह्मण निवासी मनीष नामक एक युवक ने फांसी का फंदा लगा आत्महत्या कर ली। मनीष एक माह पहले ही गांव के ही एक युवक के माध्यम से पंजाब से 2 लाख रुपये देकर दुल्हन को लेकर आया था। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर 3 लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूपी-बिहार समेत दिल्ली में बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर भारत के अधिकतर स्थानों पर भीषण गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मौसम की मार लोगों पर तेजी से पड़ने लगी है। बीते दिनों कुछ स्थानों पर जहां बारिश देखने को मिली। वहीं कई स्थानों पर भीषण और चिलचिलाती गर्मी लोगों को तकलीफ देने लगी है। मौसम विभाग की माने तो पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। साथ ही पूर्वी भारत के राज्यों में बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में 12 मार्च की रात से पश्चिमी विक्षोभ का असर हिमालयी क्षेत्र में देखने को मिल सकता है।

दिल्ली का मौसम

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मौसम की अगर बात करें तो यहां न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और अधिकतम तापमान 32 डिग्री तक देखने को मिल सकता है। वहीं दिल्ली में आंशिक तौर पर बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि आगामी दिनों में मौसम में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है। दिल्ली में 14 से 16 मार्च के बीच दिल्ली में मौसम बदलने की संभावना है व बारिश होने के आसार है।

उत्तर प्रदेश का मौसम

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का आज न्यूनतम तापमान 18 डिग्री व अधिकतम तापमान 33 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं लखनऊ में आज आसमान साफ रहने के आसार हैं। 13 मार्च से लखनऊ में आंशिक तौर पर बादल छाए रहने की आवश्यकता है और गाजियाबाद में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 32 डिग्री रहने की संभावना है।

इन राज्यों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिम बंगाल, तटीय ओडिशा, मणिपुर, त्रिपुरा में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं संभावना जताई जा रही है कि झारखंड, दक्षिण बिहार और अंडमान के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकती है।

सीआईए गोहाना को मिली सफलता

8 किलो 900 ग्राम गांजा, 290 ग्राम चरस व अवैध पिस्तौल सहित तस्कर गिरफ्तार

सोनीपत, 11 मार्च (एजेंसियां)। सोनीपत में सीआईए स्टाफ गोहाना पुलिस ने पानीपत रोड स्थित गोहाना बाईपास से एक मादक पदार्थ तस्कर का गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पानीपत के गांव आदियाना फिलहाल पानीपत के राजनगर का रहने वाला है आरोपी रोबिन उर्फ अंशु है। उसे 8 किलो 900 ग्राम गांजा, 290 ग्राम चरस व अवैध पिस्तौल सहित पकड़ा गया है। आरोपी के खिलाफ सिटी थाना गोहाना में मुकदमा दर्ज किया गया है। सीआईए गोहाना प्रभारी धीरज कुमार ने बताया कि एएसआई अजय कुमार अपनी टीम के साथ गोहाना-खानपुर रोड पर गश्त कर रहे थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि एक युवक पानीपत की तरफ से मादक पदार्थ लेकर आएगा। उसके पास अवैध हथियार होने का भी अंदेशा जताया गया था। जिस पर पुलिस ने नाकाबंदी कर दी। इसी बीच एक युवक पानीपत की तरफ से आता दिखाई दिया। वह कमर पर बैग लटकाए थे। पुलिस को देखकर वह वापस मुड़कर जाने लगा। जिस पर शक के आधार पर उसे काबू किया गया।

इधर पुणे की कोर्ट ने सुनाया फैसला

उधर बीजेपी नेता ने ट्वीट कर दी ऑर्डर की कॉपी

बांबे एचसी ने डिस्ट्रिक्ट जज से जांच करने को कहा

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी नेता किरीट सोमैया गहरी मुश्किल में फंसते दिख रहे हैं। एक कोर्ट के आदेश की कॉपी ट्वीट करने के मामले में बांबे हाईकोर्ट ने डिस्ट्रिक्ट जज को जांच करने के लिए कहा है। हाईकोर्ट का कहना है कि जज इस बात को देखें कि फैसला सुनाने के महज दो घंटे के भीतर किरीट सोमैया को ऑर्डर की कॉपी कहां से मिल गई। जबकि फैसले की सर्टिफाइड कॉपी आरोपी को ही चार दिनों बाद मिल पाई थी। मामला राकांपा नेता हसन मशरिफ के बेटों से जुड़ा है। हाईकोर्ट मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को करेगा। बांबे हाईकोर्ट के जस्टिस रेवती मोहिते और शर्मिला देशमुख की बेंच ने प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज को मामले की पूरी जांच करने को कहा है। उनका कहना है कि बिजली की रफ्तार से किरीट सोमैया ने कोर्ट के फैसले की कॉपी कहां से मिली ये चिंता का विषय है। हाईकोर्ट ने प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज से इस बात की जांच करने को कहा है कि कैसे हसन मुशरिफ के मामले में दर्ज एफआईआर की कॉपी भी सोमैया को मजिस्ट्रेट से पहले मिल गई। हाईकोर्ट का कहना है कि मामले के जांच अधिकारी को तलब करके उनसे सवाल जवाब किए जाए कि ऐसा कैसे हुआ? बेंच ने मुशरिफ को 23 फरवरी को कोल्हापुर में दर्ज मामले में राहत देते हुए पुलिस को आदेश दिया कि उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।

कोर्ट के आदेश के महज दो घंटे बाद सोमैया ने ऑर्डर कर दिया ट्वीट

बांबे हाईकोर्ट में ये याचिका राकांपा नेता हसन मुशरिफ की तरफ से दाखिल की गई थी। उनके वकीलों ने इस बात पर हैरत जताई कि कोर्ट का आदेश जारी होने के महज दो घंटे के भीतर बीजेपी नेता को बिजली की रफ्तार से फैसले की कॉपी मिल गई। मामले मुशरिफ के तीन बेटों से जुड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज की शिकायत पर पुणे की कोर्ट ने 1 अप्रैल 2022 को शाम पांच और साढ़े पांच बजे के बीच फैसला सुनाया था। किरीट सौमेया ने आदेश की कॉपी शाम साढ़े सात बजे ट्वीट कर दी। आरोपियों को फैसले की कॉपी पांच अप्रैल को मिल सकी। उनका कहना था कि ये बात हैरत में डालने वाली है कि कोर्ट के आदेश का कॉपी किरीट सोमैया ने कहां से जुटाई। सोमैया ने मुशरिफ मामले में कोल्हापुर में दर्ज एफआईआर की कॉपी भी 25 फरवरी 2023 को ट्वीट कर जी थी। जबकि मजिस्ट्रेट के पास ये कॉपी 1 मार्च को पहुंची थी।

मुशरिफ पर 2012 में लोगों से पैसा उगाहने का आरोप

कोल्हापुर में जो केस दर्ज किया गया था उसमें शिकायतकर्ता विवेक कुलकर्णी नाम का शख्स है। आरोप है कि मुशरिफ ने 2012 में इश्तिहार देकर कई लोगों से 10 हजार रुपये शेयर कैपिटल के तौर पर जुटाए थे। इन लोगों को हर महीने पांच किलो चीनी के साथ दूसरे कई फायदे मिलने थे। कुलकर्णी का आरोप है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया था उनको कोई भी शेयर सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया था।

कोयम्बटूर 6.62 किलोग्राम सोना जब्त, 3.8 करोड़ रुपये है कीमत

कोयंबटूर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शारजाह से कोयम्बटूर जाने वाली एक फ्लाइट में राजस्व खुफिया निदेशालय ने करोड़ों की तस्करी का भांडाफोड़ किया है। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट में यात्रा कर रहे 11 यात्रियों को कोयम्बटूर हवाई अड्डे पर रोक दिया गया था और उनमें से एक यात्री के पास से शुक्रवार को 6.62 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विदेशी मूल के सोने की कुल मात्रा 6.62 किलोग्राम जब्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 3.8 करोड़ रुपये है। सोना जब्त करने के बाद कोयंबटूर राजस्व खुफिया निदेशालय ने आरोपी को तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। गिरफ्तार शख्स की पहचान अर्जुनन (43) के रूप में हुई है और वह कल्लाकुरिची जिले का रहने वाला है। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि अभी इस मामले में आगे की जांच जारी है।

ईडी ने हसन मुश्रीफ के कागल स्थित आवास पर छापा मारा

मुंबई, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक एवं पूर्व मंत्री हसन मुश्रीफ के महाराष्ट्र में कोल्हापुर के कागल स्थित आवास पर शनिवार को छापा मारा। श्री मुश्रीफ के आवास पर दो महीने में ईडी का यह तीसरा छापा है। पांच कारों में आए ईडी के अधिकारी आज सुबह सात बजे श्री मुश्रीफ के घर में दाखिल हुए। सूत्रों ने बताया कि पूर्व श्रम मंत्री एवं विधायक हसन मुश्रीफ दो महीने में तीसरी बार ईडी के रडार पर आये हैं। अब एक बार फिर ईडी श्री मुश्रीफ के कोल्हापुर स्थित घर पर छापे मार रहा है। एजेंसी जनरल स्टाफ संताजी घोरपड़े फैक्टरी के 40 करोड़ के कथित गबन के मामले में श्री मुश्रीफ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कोल्हापुर डिस्ट्रिक्ट बैंक के कुछ खातों की भी जांच की जा रही है। इस बीच श्री मुश्रीफ के समर्थक जमा हो गये। उनके समर्थन में तमाम कार्यकर्ता सदन के बाहर जमा हो गए हैं। समर्थकों ने कहा कि जनता के लिए काम करने वाले व्यक्ति को बेवजह परेशान किया जा रहा है। श्री मुश्रीफ के परिवार ने कहा कि जब ईडी के अधिकारियों ने घर पर छापा मारना शुरू किया तो वह घर में नहीं थे। भारतीय जनता पार्टी नेता किरीट सोमैया द्वारा लगाये गये आरोपों के बाद श्री मुश्रीफ पिछले दो महीनों से ईडी के रडार पर हैं। इससे पहले 11 जनवरी को ईडी ने छापा मारा था, फिर 21 दिन बाद कोल्हापुर डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल बैंक के मुख्यालय पर छापा मारा, जहां वह चेयरमैन थे। इसके बाद कागल तालुक के सेनापाशी कपशी और गढ़हिंगलाज तालुक की हरली शाखा पर छापे मारे गये।

हिंदी बोलने पर ऑटो ड्राइवर ने लड़कियों को गाड़ी से उतारा

बेंगलुरु, 11 मार्च (एजेंसियां)। साउथ में हिंदी बोलने वालों से भेदभाव की खबरें आती रहती हैं। अभी हाल में ही एक खबर वायरल हो रही थी जिसमें कुछ लोग ट्रेन में घुसकर हिंदी बोलने वाले लोगों के साथ मारपीट कर रहे थे।

क्या साउथ के लोग सच में हिंदी बोलने वाले लोगों से नफरत करते हैं? या फिर ये कोई पॉलिटिकल पार्टी का वोट बटोरने का तरीका है। जो वहां के लोगों को हिंदी और तमिल, कन्नड़ बोलने के नाम पर नफरत पैदा कर रहा है। इसके पीछे जो भी वजह हो लेकिन ऐसे घटनाएं देश की एकता और अखंडता के लिए ठीक नहीं है।

फिलहाल सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक ऑटो चालक को एक यात्री लड़की के साथ स्थानीय भाषा पर गाली-गलौज करते हुए देखा जा सकता है। वह कन्नड़ भाषा में बात करने के लिए लड़की (बाहरी लोगों से लगता है) से लड़ता है,

केंद्र ने पंजाबी भाषा के 6 यूट्यूब चैनल ब्लॉक किए, खालिस्तान समर्थक कंटेंट की वजह से हुई कार्रवाई

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पंजाबी भाषा के 6 यूट्यूब चैनल को ब्लॉक कर दिया है क्योंकि इससे बॉर्डर वाले राज्य में परेशानी बढ़ रही थी। यह यूट्यूब चैनल दूसरे देशों के ऑपरेट किए जा रहे थे और देश विरोधी कंटेंट प्रचारित करते थे। अधिकारियों ने एजेंसी को बताया कि ये यूट्यूब चैनल खालिस्तान समर्थक कंटेंट को प्रसारित करते थे। अधिकारियों ने दावा कि पिछले 10 दिनों में 6 से 8 विदेश से ऑपरेटेड यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक किया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि पंजाबी भाषा के ये यूट्यूब चैनल बॉर्डर वाले राज्य में माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे। सरकार ने खालिस्तान समर्थक समूहों पर कार्रवाई की कड़ी में यह कदम उठाया है। क्योंकि कुछ दिन पहले ही खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने अजनाला पुलिस स्टेशन पर तलवारों और बंदूलों से हमला किया और अपने एक साथी को छुड़ाकर ले गए। अमृतपाल सिंह मृत एक्टर व एक्टिविस्ट दीप सिद्धू द्वारा स्थापित वारिस पंजाब दे का लीडर बनाया गया है। दीप सिद्धू की पिछले साल उस वक्त मौत हो गई जब वह आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाले के होमटाउन में एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था।

अमृतपाल के दो और साथियों पर कार्रवाई, पंजाब के आग्रह पर जम्मू पुलिस ने रद्द किए आर्म्स लाइसेंस

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के सहयोगियों पर अब कार्रवाई शुरू हो गई है। पंजाब पुलिस के बाद जम्मू प्रशासन की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अमृतपाल के दो साथियों के हथियारों के लाइसेंस कैंसिल कर दिए गए हैं। इनमें वरिंदर सिंह और तलविंदर सिंह का नाम शामिल है। दोनों ही रिटायर मुलाजिम बताए जा रहे हैं। इससे पहले पुलिस ने अमृतपाल के एक करीबी को अमृतसर में हिरासत में लिया था उसका पहले ही एलओसी जारी किया गया था।

याद रहे कि अजनाला कांड के बाद से सभी राजनीतिक पार्टियां आवाज उठा रही हैं कि अमृतपाल सिंह और उसके साथियों पर कार्रवाई की जाए। इससे पहले फरीदकोट निवासी एक युवक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। जबकि नौ अन्य के हथियारों के लाइसेंस कैंसिल करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इनमें से दो लाइसेंस जम्मू-कश्मीर के बने हुए थे।

महिला आयोग की चेयरपर्सन मनीषा गुलाटी को पद से हटाया

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन मनीषा गुलाटी को दी गई विस्तार अवधि को वापस लेने के लिए पंजाब सरकार ने नोटिस जारी कर दिया है। इससे पहले भी मनीषा गुलाटी को पद से हटाया गया था। पंजाब सरकार के आदेश को गुलाटी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। मनीषा गुलाटी ने हाईकोर्ट को बताया था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मार्च 2018 में उन्हें पंजाब महिला आयोग की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया था और बाद में उन्हें 18 मार्च 2024 तक एक्सटेंशन दे दी गई थी। 20 फरवरी, 2022 को वह भी भाजपा में शामिल हो गई थीं। हालांकि वह अपने पद पर बनी हुई थीं। विभाग की ओर से मनीषा गुलाटी को जारी आदेश में कहा गया है कि पंजाब राज्य महिला आयोग अधिनियम 2001 में मौजूदा अध्यक्ष या आयोग के सदस्यों के सेवा विस्तार के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। चेयरपर्सन व सदस्यों का कार्यकाल तीन साल के लिए ही होता है। नियम के तहत जब भी चेयरपर्सन और सदस्यों के पदों को भरना होता है तो इसके लिए अखबारों में विज्ञापन देना होता है। इतने महत्वपूर्ण पद पर कोई भी व्यक्ति उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना नियुक्त नहीं किया जा सकता है। याची ने कहा कि उसे तय प्रक्रिया के तहत नियुक्त किया गया था और इसी के तहत उसे यह एक्सटेंशन दी गई थी। याची ने बताया कि पंजाब सरकार ने पिछले महीने 31 जनवरी को यह कहते हुए उनकी एक्सटेंशन के आदेश रद्द कर दिया कि उन्हें एक्ट का उल्लंघन कर एक्सटेंशन दी गई थी।

छेड़खानी की शिकार जापानी युवती ने भारत छोड़ा

डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष बोलीं- देखकर खून खौल रहा है..

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में होली के दिन जापान की एक युवती से छेड़खानी और मारपीट के मामले में तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस ने बताया कि युवा जापानी पर्यटक मध्य दिल्ली के पहाड़गंज में रह रही थी. तीनों आरोपी, जिनमें से एक किशोर है, वो भी उसी इलाके के हैं. लड़की ने घटना की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई और भारत से बांग्लादेश के लिए रवाना हो गई. पुलिस ने एक बयान में कहा, लड़की ने ट्वीट किया है कि वह बांग्लादेश पहुंच गई है और मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है. दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस घटना पर ट्वीट कर गुस्सा जाहिर किया. उन्होंने कहा, जितनी बार ये वीडियो देख रही हूं, उतनी बार खून खौल रहा है. चाहे कुछ हो जाए, इनमें से किसी को नहीं छोड़ूंगी, हम सुनिश्चित करेंगे इनमें से एक-एक लफ़ंगा सलाख़ों के पीछे पहुंचेगा. होली खेलते हुए युवकों की एक टोली ने जापानी युवती के साथ बदसलूकी की. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया यूजर्स इस पर गुस्सा जाहिर करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. इस मामले में पीड़िता की तरफ से कोई शिकायत नहीं की गई है,

बेंगलुरु में एयरएशिया के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

उड़ान भरने के बाद सामने आई तकनीकी खराबी

बेंगलुरु, 11 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु से लखनऊ जा रहे एआईएक्स कनेक्ट विमान को उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरना पड़ा। एयर एशिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, विमान आई5-2472 ने शनिवार सुबह करीब 6.45 बजे उड़ान भरी थी और इसे लखनऊ में सुबह नौ बजे उतरना था। हालांकि, उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद इसे जमीन पर उतारा गया। एआईएक्स कनेक्ट के प्रवक्ता ने बताया, एआईएक्स कनेक्ट पुष्टि करता है कि बेंगलुरु से लखनऊ जा रही उड़ान संख्या आई5-2472 को एक मामूली तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा। जिसकी वजह से विमान को वापस बेंगलुरु लौटना पड़ा।" प्रवक्ता ने बताया, प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है और पहले से निर्धारित उड़ान परिचालनों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

सुविचार

हर किसी को खुश करने की कोशिश बंद करो... और अपने अधिकारों, सिद्धांतों और आत्मसम्मान की कदर करो...

बीआरएस ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी के खिलाफ प्रदर्शन किया

एमएलसी के. कविता के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बीआरएस एमएलसी के कविता के प्रति कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन किया। बीआरएस नेताओं ने संजय की टिप्पणी की निंदा की और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। हैदराबाद और नई दिल्ली दोनों जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए। सिटी बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। पंजागुट्टा जंक्शन पर बीआरएस विधायक दानम नागेंद्र ने जीएचएमसी की बीआरएस महिला पार्षदों व अन्य नेताओं साथ विरोध प्रदर्शन किया। नागेंदर ने कहा कि संजय की टिप्पणी अस्वीकार्य है। वे शहर के सभी पुलिस स्टेशनों में शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने संजय को अपना बर्ताव सुधारने की चेतावनी भी दी। विरोध प्रदर्शन के अलावा कुछ जगहों पर संजय का पुतला भी जलाया गया। बीआरएस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में तेलंगाना भवन पर भी विरोध प्रदर्शन किया और संजय के पुतले जलाए। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने राज्य के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय बंडी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस प्रभारी मो. सलाउद्दीन लोधी ने मीरचौक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराने के लिए पुलिस अधिकारी को शिकायती पत्र दिया है।

बंडी को नोटिस जारी करेगा तेलंगाना महिला आयोग

डीजीपी को कार्रवाई करने का निर्देश

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला आयोग ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय की बीआरएस एमएलसी के कविता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों का संज्ञान लिया और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक को भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। संजय द्वारा कविता पर की गई टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक थी। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि ये टिप्पणियां राज्य में महिलाओं के स्वाभिमान को प्रभावित करती हैं। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को नोटिस दिया जाएगा। उन्होंने डीजीपी अंजनी कुमार को भी लिखा, जांच करने और भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए कहा है।

बंडी संजय ने एमएलसी कविता पर चौंकाने वाली टिप्पणी की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली शराब घोटाले के सिलसिले में ईडी के सामने के. कविता की पेशी के मद्देनजर बड़ी संख्या में बीआरएस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे हैं। इस बीच, हैदराबाद में महिला मोर्चा ने आज भाजपा राज्य कार्यालय पर 'महिला गोसा-भाजपा भरोसा' नाम से एक विरोध प्रदर्शन किया। आयोजन के दौरान, बंडी संजय ने कविता की आलोचना की और कहा कि उन्हें विधानसभाओं में महिला विधेयक पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे थे और केसीआर सरकार ने सड़क किनारे हत्याओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। संजय ने मांग की कि कविता को पहले अपने पिता के घर के सामने धरना देना चाहिए और केसीआर से पूछा कि वह महिलाओं के साथ हो रहे अन्याय का जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। बंडी संजय की इन टिप्पणियों से तेलंगाना में राजनीति गरमा गई है।

बीआरएस नेता कविता के खिलाफ बयान पर बवाल

दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूंका बांडी संजय का पुतला

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। बांडी संजय द्वारा बीआरएस एमएलसी के. कविता के खिलाफ दिए बयान के बाद विवाद शुरू हो गया है। आज दिल्ली में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूककर संजय का विरोध जताया।

कुछ बयानों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा

बता दें, शराब नीति मामले में के कविता आज दिल्ली में ईडी के सामने पेश हो रही हैं। उधर बांडी संजय के कार्यालय ने उनके बयानों को लेकर सफाई दी है। एक बयान में कहा गया, करीब 3 दिन पहले दिए गए कुछ बयानों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है। यह तेलुगु भाषा में इस्तेमाल होने वाला एक आम मुहावरा है, जिसका मतलब है कि अगर कोई अपराध करता है, तो क्या आप उसकी सराहना करेंगे या उसे सजा देंगे।

महाप्रबंधक ने बेगमपेट और सिकंदराबाद स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शनिवार को सिकंदराबाद मंडल के बेगमपेट और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। श्री जैन ने बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण शुरू किया। उन्होंने यात्रियों की सुविधाओं की समीक्षा की और अधिकारियों के साथ आगे की विकास योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तृत निरीक्षण किया और यात्रियों से उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। महाप्रबंधक ने बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर लगे वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने टिकट बुकिंग कार्यालय का निरीक्षण किया और बुकिंग काउंटर पर स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने स्टेशन के रॉक गार्डन का भी दौरा किया। बाद में, महाप्रबंधक सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ (यानी प्लेटफॉर्म नंबर 1 और नंबर 10 की तरफ) उन्नयन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने की सलाह दी ताकि लक्षित तारीख तक परियोजना को पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया।

आरपीओ हैदराबाद में 'महिला सशक्तिकरण' पर हुआ कार्यक्रम

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सप्ताह भर चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) हैदराबाद ने शनिवार को मानसा वाराणसी, मिस वर्ल्ड एशिया -2021 द्वारा 'महिला अधिकारिता' पर एक वार्ता और विभाग की महिलाओं के लिए एक विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। आरपीओ हैदराबाद और टीसीएस (पासपोर्ट सेवा परियोजना) के सभी वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और कर्मियों ने मानसा वाराणसी द्वारा 'महिला अधिकारिता' पर चर्चा और अपोलो अस्पताल के सहयोग से आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया। मिस वर्ल्ड एशिया-2021, मनसा वाराणसी को आरपीओ, हैदराबाद, दसारी बलैया द्वारा भी सम्मानित किया गया।

वर चाहिए

अग्रवाल सुंदर कन्या 23 वर्षीय हैदराबाद निवासी परिवार पिता व्यापारी हेतु अच्छे परिवार से विवाह के लिए सुयोग्य वर चाहिए।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

गुजराती कन्या 28 वर्षीय हैदराबाद निवासी पिता व्यापारी को तलाश हैं अच्छे व्यापारी/अन्य परिवार से सुयोग्य वर चाहिए ! (जातिबंधन नहीं)
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

राजस्थानी कन्या 24 वर्षीय बैंगलोर निवासी परिवार को तलाश हैं शिक्षित परिवार से वर की सम्पर्क करें। महेश्वरी एवं जैन परिवार स्वीकार हैं।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

पंजाबी खत्री परिवार , व्यापारी पिता , की सुन्दर, सुशील, घरेलू, 1992 की जन्मी लड़की के लिए मध्यमवर्गिय परिवार के वर की तलाश है।
संपर्क : (080-69072069)

दमरे ने टिकट जांच में 200 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया

किसी भी वित्तीय वर्ष में टिकट चेकिंग में यह सर्वाधिक राजस्व

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे इस वित्तीय वर्ष में यात्री और माल दोनों व्यवसाय में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इस दिशा में, दमरे ने 200.17 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज करके टिकट जांच क्षेत्र में एक और मील का पत्थर हासिल किया है। यह राजस्व अनियमित यात्रा और बिना बुक किए सामान आदि के खिलाफ दर्ज 28.27 लाख मामलों से अर्जित किया गया है। टिकट चेकिंग क्षेत्र में अर्जित पिछला सर्वश्रेष्ठ राजस्व 2019-20 में 154.29 करोड़ रुपये है। रेलवे में टिकट जांच बिना टिकट यात्रा और अनियमित यात्रा को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और नियमित चूककर्ताओं पर एक निवारक प्रभाव के रूप में कार्य करती है, इस प्रकार रेलवे की बुकिंग विंडो बिक्री को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करती है। वैध यात्रा प्राधिकरण की आवश्यकता के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए टिकट जांच महत्वपूर्ण है।

यह वास्तविक टिकटों के साथ यात्रा करने में आसानी और सुविधा के बारे में जनता का मार्गदर्शन करने और शिक्षित करने में भी मदद करता है। यूटीएस मोबाइल ऐप, बुकिंग काउंटरों के पास एटीवीएम मशीनों, काउंटरों के पास क्यूआर कोड प्रदर्शित करने आदि के माध्यम से टिकट खरीदने के सुविधाजनक तरीकों का प्रसार करके यात्री यातायात में सुधार के लिए हाल के दिनों में कई उपाय किए गए हैं। इन सभी उपायों के साथ-साथ टिकट जांच के अथक प्रयास किए गए है। कर्मचारियों ने टिकटों की बिक्री में सुधार करने में मदद की है जिससे यात्री राजस्व में वृद्धि हुई है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक दक्षिण मध्य रेलवे ने टिकट चेकिंग में सर्वाधिक राजस्व के अलावा 4825.%2 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक यात्री राजस्व अर्जित किया है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने किसी भी वित्तीय वर्ष में पहली बार टिकट जांच में 200 करोड़ रुपये के राजस्व को पार करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों सहित पूरे वाणिज्यिक विंग को बधाई दी है। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि टिकट जांच एक ठोस तंत्र है जो अनियमित यात्रा को कम करने में मदद करता है और रेलवे की सकारात्मक छवि को सुधारने के अलावा वास्तविक रेल यात्रियों में विश्वास पैदा करने में भी मदद करता है।

वीर नारियों के लिए मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गोल्डन पाम सैनिक भवन (जीपीएसबी), सिकंदराबाद में भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और सशस्त्र सेना कर्मियों के आश्रितों के लिए एक मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मार्च 2023 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उपक्षेत्र के तत्वावधान में आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से किया गया था। सिकंदराबाद में एडब्लूपीओ क्षेत्रीय कार्यालय के साथ एक लॉजिस्टिक कंपनी द्वारा प्रायोजित 40 रिक्तियों के आधार पर उद्यम का आयोजन किया गया था। दोनों राज्यों के 145 भूतपूर्व सैनिकों और 12 वीर नारियों और उनके आश्रितों के लिए जीपीएसपी में प्रारंभिक जीरो टेस्ट ऑनलाइन सहित सभी तीन चरणबद्ध साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। टीम लीडर और मैनेजर के पद के लिए कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद तीन वीर नारियों सहित कुल 28 उम्मीदवारों का चयन किया गया। ब्रिगेडियर के सोमशंकर, कार्यवाहक जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और विधवाओं और पूर्व सैनिकों को निजी दुनिया में नौकरी करने और अपने कौशल के साथ राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नकली शैक्षिक प्रमाणपत्रों के रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी आयुक्त की टास्क फोर्स, मध्य क्षेत्र की टीम ने फलकनुमा थाने के कर्मचारियों के साथ, बहार फंक्शन हॉल, वट्टेपल्ली के पास (3) आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा। वे जरूरतमंद उम्मीदवारों को फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र प्रदान कर रहे थे, उनसे भारी मात्रा में राशि वसूल कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों के पास से विभिन्न विश्वविद्यालयों के फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र, कंप्यूटर, प्रिंटर आदि जब्त किए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त, चारमीनार मंडल (प्रभारी फलकनुमा मंडल) हैदराबाद शहर रुद्र भास्कर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद कलीमुद्दीन, मो. फ़िरोज़, अब्दुल बसित आसिफ शामिल है। इस मामले में एक अन्य आरोपी शिवानी निवासी दिल्ली फरार है। गिरफ्तार लोगों के पास से विभिन्न शैक्षिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों के जाली शैक्षिक प्रमाण पत्र 52, एक एंटेक सीपीयू, एक एसर 32 मॉनिटर, एक एचपी स्मार्ट कलर प्रिंटर आदि बरामद हुआ है। बीते पांच मार्च को मो. शकील अली निवासी फलकनुमा ने थाना फलकनुमा में दर्ज कराई शिकायत में कहा है कि आसिफ व अफरोज नाम के दो लोगों ने नौकरी के उद्देश्य से विदेश जाने के लिए शिक्षा प्रमाण पत्र देने के नाम पर उसके साथ धोखाधड़ी की थी। झूठे वादे कर फर्जी शिक्षा दस्तावेज बनवाकर एक लाख रुपए वसूल कर ठग लिए। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी मोहम्मद कलीमुद्दीन चंद्रायनगुट्टा का रहने वाला है। उसने सातवीं तक पढ़ाई की है और अपने माता-पिता की आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई बंद कर दी है। बाद में, वह डायमंड ग्राफिक्स प्रिंटिंग प्रेस, चेट्टा बाजार में डीटीपी ऑपरेटर के रूप में शामिल हुआ। इस बीच उन्होंने कोरल ड्रॉ सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी प्राप्त की। वर्ष 2015 में वह डायमंड ग्राफिक्स प्रिंटिंग प्रेस के मालिकों के साथ फर्जी एजुकेशन सर्टिफिकेट के मामले में गिरफ्तार कर जेल गया था। मो. कलीमुद्दीन ने फ़िरोज़ से मुलाकात की, उम्मीदवारों को आसान पैसा कमाने के लिए नकली शिक्षा प्रमाण पत्र प्रदान करने की योजना बनाई। इसी बीच वर्ष 2022 में मो. फिरोज के साथ कलीमुद्दीन को बालापुर और पहाड़ी शरीफ पुलिस ने गिरफ्तार किया और दिसंबर 2022 के महीने में रिहा कर दिया। जेल से रिहा होने के बाद, उन्होंने अपना रवैया नहीं बदला और फिर से फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र बनाने और रुचि रखने वाले उम्मीदवारों को लुभाने की योजना बनाई और लोगों को ठगने लगे। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स सेंट्रल जोन की टीम और फलकनुमा पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और सामग्री जब्त कर ली।

कांग्रेस नेता ने पार्टी सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चेरुकु सुधाकर ने आज अपने धुर विरोधी और पार्टी सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के खिलाफ एआईसीसी के राज्य प्रभारी माणिक राव ठाकरे से शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने ठाकरे से फोन कॉल पर जान से मारने की धमकी देने और उन्हें पार्टी से निलंबित करने के लिए सांसद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सुधाकर ने आरोप लगाया कि कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने उनके बेटे को फोन किया और उनके खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें धमकी भी दी। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि यह अब एआईसीसी के विचाराधीन है और कहा कि वह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह वेंकट रेड्डी से माफी मांगने की भी मांग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश पार्टी प्रभारी से उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है.

स्वर्गवास

ठाकुर श्री धनराज सिंह

(सुपुत्र : स्व. ठाकुर श्री हीरा सिंहजी, रायगीर)

का स्वर्गवास शनिवार दि.11-3-2023 को हुआ। अंतिम यात्रा आज रविवार दि.12-3-2023 को दोपहर 12:00 बजे हमारे निवास स्थान फ्लैट नं.108, प्रजय आश्रय अपार्टमेन्ट्स, सर्वे ऑफ इंडिया के सामने, उप्पल से अम्बरपेट श्मशान वाटिका जायेगी।

- शोकाकुल -

राजेन्दर सिंह, वीरेन्द्र सिंह (पुत्र)

एवं समस्त रायगीर परिवार

✆ 9949000435, 9848451488

मातृत्व एक अभिलाषा ! संतान एक सौभाग्य !!

- हम असिस्टेड इन रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) में सर्वोत्तम सफलता के लिए जाने जाते हैं और हमने पिछले एक दशक में 10000 स्वस्थ आईवीएफ बच्चे प्राप्त किए हैं
- एक छत के नीचे सभी सुविधाओं के साथ हम IUI, IVF, ICSI, सरोगेसी, एचएसजी, लैपरोस्कोपी, हिस्टेरियोस्कोपी जैसे सभी बांझपन उपचार के लिए वन स्टॉप शॉप हैं
- हमें और भी बेहतर जानने के लिए drpadmajaivf.com और drpadmaja Hyderabad पर आपका स्वागत है
- आईवीएफ में एक से अधिक चरण में असफल होना सामान्य धारणा है, लेकिन हम लोग अपने विशेषज्ञ दल द्वारा अति सतर्क योजना के साथ "प्रथम प्रयास सफलता" के लिए कार्य करते है
- निराश निसंतान दंपत्तियों का एआरटी की सहायता से अपनी संतान होने का सपना पूरा करना हमारा भावनात्मक मिशन है।

All Infertility Rxs IUI-IVF-ICSI SURROGACY

Keen On First Attempt Success

Reach us @ "drpadmajaivf" ON GOOGLE

Known for Best Results

Success is the Mantra here

डॉ. पद्मजा संतान साफल्य केन्द्र

@NGRI Metro Station, St.No. 7, Habsiguda, Hyderabad-07

95535 07755 | 76610 58800

www.drpadmajaivf.com

सपा नेता उदयवीर सिंह ने की कांग्रेस की तारीफ

इस काम के हुए मुरीद, ब्रजेश पाठक पर किया बड़ा दावा

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी नेता उदयवीर सिंह ने कांग्रेस के गांव जाने वाले अभियान की तारीफ की है. सपा नेता उदयवीर सिंह ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा है कि सभी लोग जनता के बीच जाएं. जनता को अपनी बात बताएं, लोकतंत्र को मजबूत करें. कांग्रेस भी अगर लोगों के बीच जा रही है तो अच्छी बात है. वह अपना प्रयास करें हमारा दल अपना प्रयास करेगा. वहीं उदयवीर सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का एक वीडियो ट्वीट करने को लेकर कहा कि अखिलेश यादव कुछ नहीं बता रहे वह वीडियो बता रहा जिसमें बृजेश पाठक भाई-भाई के पैर छूते हैं. मुझे नहीं लगता बृजेश पाठक जैसे स्तर हीन व्यक्ति को डिप्टी सीएम बनना चाहिए था. जिस पर टाडा का मुकदमा रहा हो, जिस पर सांसद कोटे के एयर टिकट्स का दुरुपयोग करने का मामला रहा हो. ऐसे लोग डिप्टी सीएम बन जाएंगे तो उनसे आप क्या उम्मीद करेंगे क्या वह जनता के सवालों का जवाब दे पाएंगे.

53 लाख कैश, डॉलर, सोना-चांदी

लालू यादव के बेटे-बेटियों के घर से ईडी को क्या-क्या मिला ?

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे में जमीन के बदले नौकरी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को लालू यादव, बेटे तेजस्वी और तीन बेटियों समेत कई अन्य करीबियों के दिल्ली-एनसीआर, पटना, रांची और मुंबई में कुल 24 ठिकानों पर छापामारी की, जहां से 53 लाख नकद, 1,900 डालर, 540 ग्राम सोने के बिस्किट, 1.5 किलो सोने के गहने और अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। ये ठिकाने रागिणी यादव, चंदा यादव, हेमा यादव, नवदीप सरदाना, प्रवीण जैन, सैयद अबु दोजाना, एके इन्फोसिस्टम, ब्रह्मा सिटी प्राइवेट लिमिटेड, एलिट लैंडबेस, ह्वाइटलैंड कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और मेरिडियन कंस्ट्रक्शन से संबंधित हैं। ईडी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले में मनी लांड्रिंग के ठोस सुबूत मिलने का दावा किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री के रूप में लालू के कार्यकाल में कई लोगों को ग्रुप डी की नौकरी मिली। बदले में लालू के परिवार के सदस्यों और एके इन्फोसिस्टम कंपनी के नाम पर उनकी जमीनें बहुत कम कीमत पर ट्रांसफर की गईं। लालू की दो बेटियां रागिनी और चंदा इस कंपनी की पूर्व निदेशक हैं। हेमा यादव को घोटाले से जुड़े दो भूखंड अलग से मिले थे। अधिकारी ने कहा कि घोटाले में की गई अवैध कमाई का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 7.5 लाख में खरीदे चार भूखंड मेरिडियन कंस्ट्रक्शन को 3.5 करोड़ में बेचे गए। मेरिडियन कंस्ट्रक्शन राजद के पूर्व विधायक सैयद अबु दोजाना की कंपनी है। ईडी के अधिकारी के अनुसार, 3.5 करोड़ राबड़ी देवी और हेमा के पास से होते हुए तेजस्वी व परिवार के अन्य सदस्यों के पास पहुंचने के सुबूत मिले हैं।

दिल्ली में ईडी के छापे के दौरान तेजस्वी भी थे मौजूद

ईडी के अधिकारी ने कहा कि एके इन्फोसिस्टम लालू के परिवार की ही कंपनी है। उनकी दो बेटियां इसमें निदेशक रह चुकी हैं। यह कंपनी न्यू फ्रेंड्स कालोनी के जिस पते पर पंजीकृत है, उसका उपयोग तेजस्वी दिल्ली में आवास के रूप में करते हैं। छापे के दौरान इस घर में उनकी उपस्थिति से इसकी पुष्टि होती है।

लालू के समधी के घर भी ईडी का छापा

लालू के समधी एवं सपा नेता जितेंद्र यादव के गाजियाबाद स्थित आवास पर ईडी ने शुक्रवार को छापा मारा। शाम साढ़े सात बजे ईडी के संयुक्त निदेशक रंजन प्रकाश भी यहां पहुंचे। आधे घंटे तक उन्होंने टीम से कार्रवाई का ब्योरा लिया और फिर निकल गए। देर रात तक कार्रवाई जारी रही। लालू प्रसाद की बेटी रागिनी जितेंद्र के बेटे राहुल की पत्नी हैं। पांच साल पहले राहुल के खाते से उनकी सास राबड़ी के बैंक खाते में एक करोड़ का ट्रांजेक्शन हुआ था। उस समय भी ईडी यहां पहुंची थी।

हम शराब पी रहे हैं

वीडियो नीतीश को भेज दो:बेतिया में 3 दिन में पुलिस ने किया गिरफ्तार; बोले- दारू ज्यादा हो गई थी

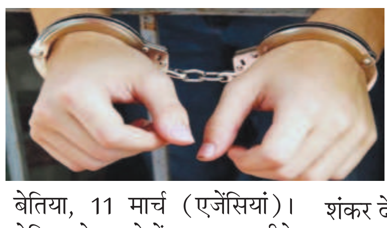

बेतिया, 11 मार्च (एजेंसियां)। बेतिया से 4 लोगों का शराब पीते एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में ये लोग हाथ में स्टील का ग्लास लेकर कह रहे हैं कि हम शराब पी रहे हैं। बनाओ हमारा वीडियो और नीतीश कुमार को भेज देना। हमारा कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है। ये वीडियो होली के दिन का बताया जा रहा है। इस वीडियो में चारों सीएम नीतीश के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई है और चारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस से कहा कि दारू ज्यादा होने की वजह से गलती हो गई। यह मामला जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के बिरंची बाजार का है। वीडियो में बिरंची गांव के रहने वाले अरुण पाइक, संजीव सिंह, गोविंद विश्वास और दुधौरा कॉलोनी के रहने वाले शंकर देवनाथ शराब पीकर सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ अभद्र शब्द बोलते दिख रहे हैं। इधर, सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर दिया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद मानपुर थाने की पुलिस ने सीएम नीतीश कुमार को अभद्र बोलने वाले चार व्यक्ति को शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि होली के दिन बिरंची बाजार में बिरंची गांव निवासी अरुण पाइक, संजीव सिंह, गोविंद विश्वास और दुधौरा कॉलनी का शंकर देवनाथ शराब पीकर बिहार के सीएम के विरुद्ध अभद्र अभद्र बात बोलने लगे। वहीं दुस्साहस का परिचय देते हुए वीडियो बनाकर वॉट्सऐप ग्रुप पर शेयर कर दिया।

'मुख्तार अंसारी का गिरोह देश का सबसे खूंखार अपराधी गैंग'

हाईकोर्ट ने जमानत अर्जी पर की ये गंभीर टिप्पणी

इलाहाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने पूर्वांचल का माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के गैंग को लेकर बेहद तल्ख टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि मुख्तार अंसारी का गिरोह देश का सबसे खूंखार अपराधी गैंग है. इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने मुख्तार के गुर्गे रामू मल्लाह की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया. रामू मल्लाह ने हत्या के एक मुकदमे में जमानत अर्जी दाखिल की थी. जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ये बात कही. हत्या मामले में आरोपी रामू मल्लाह की जमानत अर्जी पर जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई, जिस पर अदालत ने कहा कि मुख्तार अंसारी का गैंग देश का सबसे खूंखार गैंग है. कोर्ट ने कहा कि ये बेहद परेशान करने वाली बात है कि गवाहों मुकर जाने की वजह से बेहद खूंखार अपराधी गंभीर मामलों में भी बच जाते हैं. किसी भी मुकदमे की निष्पक्ष सुनवाई तब तक संभव नहीं है जब तक सरकार के द्वारा गवाहों की सुरक्षा को सुनिश्चित नहीं किया जाता है. कोर्ट ने कहा कि अगर अपराधी को जेल से बाहर आने की इजाजत दी जाती है तो वो निश्चित तौर पर गवाहों को प्रभावित कर सकता है. कोर्ट ने कहा कि रामू मल्लाह न सिर्फ ट्रायल से भाग गया बल्कि उसने अदालत के साथ धोखा भी किया है. कोर्ट ने कुर्की के आदेश दिए तो पता चला कि मल्लाह का पता भी गलत था. इसके अलावा उसका वोटर आईडी कार्ड और ग्राम प्रधान से जारी निवास पत्र भी फर्जी निकला. गंभीर अपराधों में उसके खिलाफ 8 मुकदमों में ट्रायल चल रहा है,

पत्नी को पीटकर घर से निकाला, 4 साल पहले हुई थी शादी

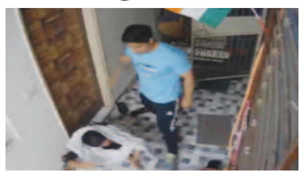

नोएडा, 11 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा में पत्नी के साथ मारपीट के बाद घर से निकालने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वायरल फुटेज सेक्टर-39 की सफायर सोसाइटी का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि पति अपनी पत्नी को फ्लैट के अंदर से खींचकर बाहर निकाल रहा है। मामले में महिला ने पुलिस से शिकायत भी की है। महिला का आरोप है कि उसके साथ मारपीट की गई और फ्लैट से बाहर निकाला गया है। ये लोग दहेज का दबाव बना रहे थे। कोतवाली प्रभारी अजय चाहर ने बताया कि आरोपी पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

ईडी की रेड पर नीतीश बोले- महागठबंधन के साथ होने पर रेड जारी

ललन ने कहा- खोदा पहाड़ निकली चुहिया

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। लालू परिवार और उनके करीबियों के घर पर ईडी के रेड के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मैं महागठबंधन साथ जब से आया हूं तब से इनके (लालू और उनके परिवार) के खिलाफ रेड शुरू हो गया। यह कोई मुद्दा नहीं है। 2017 में रेड हुआ था तो क्या हुआ बताइए। अब फिर 5 साल बीत गया तब से रेड का सिलसिला जारी है। अब हमलोग (लालू+नीतीश) साथ हैं तो रेड हो रहा है।आप जांच कर ही रहे तो जांच कर लीजिए। यह बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अमर शहीद जुब्बा सहनी की पुण्यतिथि पर शनिवार को कही। सुशील मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उनको तो रोज बोलना ही है। उनकी मजबूरी है।

खोदा पहाड़ निकली चुहिया

वहीं जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी लालू और उनके परिवार के समर्थन में उतर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई दो बार जांच कर साक्ष्य नहीं जुटा पाई। लेकिन 9 अगस्त 2022 के बाद अचानक दिव्यशक्ति से उनको साक्ष्य मिलने लग गया और लालू प्रसाद और उनके परिजनों के यहां भारी छापेमारी हुई। खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

2024 में देश भाजपा मुक्त होगा

ललन सिंह ने आगे लिखा कि अरे भाई...! साक्ष्य नहीं भी मिलता तो साक्ष्य दिखाने के लिए पालतू तोतें कुछ भी कर सकते हैं। गाय का सींग भैंस में और भैंस का सींग गाय में जोड़ रहे हैं। दावा है कि 'एके इंफोसिस्टम के कारण छापा डाला गया है'... जिसका नौकरी से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन खैर पालतू तोतें अपने मालिक का निर्देश पाकर कुछ भी कर सकते हैं, अघोषित आपातकाल जो है। गर्भवती महिला और छोटे-छोटे बच्चों के साथ इस तरह का निर्मम आचरण देश में पहली बार हुआ है, देश इसको याद रखेगा। दमन चाहे जितना कर लें, 2024 में देश भाजपा मुक्त होगा।

लालू परिवार को बचाने में लगे हैं नीतीश कुमार

इधर, भाजपा के राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार चारा घोटाला से लेकर जमीन के बदले नौकरी घोटाला में सनलिप्त लालू परिवार को बचाने में लगे हुए हैं। 2008 में लालू प्रसाद के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए शरद यादव और ललन सिंह ने ही पहल की थी। इनलोगों ने ही सारे दस्तावेज सीबीआई को उपलब्ध कराए थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को ज्ञापन भी दिया था। आज यही लोग लालू प्रसाद पर कार्रवाई रोकने के लिए प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख रहे हैं।

सीमांचल की सियासी पिच पर ओवैसी ने फेंकी गेंद, महागठबंधन को झटका देने के लिए बन रहा 'गेम प्लान'!

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में सभी पार्टियां जुट चुकी हैं. 25 फरवरी को ही बिहार की महागठबंधन सरकार ने पूर्णिया में बड़ी रैली की थी और अल्पसंख्यक वोटरों को लुभाने की कोशिश की गई थी. इस इलाके में इन्हीं वोटरों पर नजर है. महागठबंधन की महारैली के बाद अब एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने भी तैयारी शुरू कर दी है. बिहार के इस इलाके के लिए गेम प्लान तैयार होने लगा है. दरअसल 18 और 19 मार्च को असदुद्दीन ओवैसी बिहार आ रहे हैं. वह सीमांचल इलाके में दौरा करेंगे. इसके लिए पोस्टर-बैनर भी बन चुके हैं. एक पोस्टर में लिखा गया है- कुर्सी की पेटी बांध लीजिए, मौसम का रुख बदलने वाला है. बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब का सीमांचल में तूफानी दौरा. पूर्णिया और किशनगंज जिले में दौरा कर कई स्थानों पर सभा करेंगे. सीमांचल में मुस्लिम वोटरों को एकजुट करने का प्रयास करेंगे. इससे सीधा-सीधा महागठबंधन को झटका लगने वाला है.

2020 में दिखा था ओवैसी का जलवा

असदुद्दीन ओवैसी का बिहार में जलवा पहले भी दिख चुका है. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 20 प्रत्याशी मैदान में उतारे थे जिसमें पांच जीतकर विधायक बने थे. उनकी पार्टी को 2020 में कुल 523279 वोट मिले थे. अमौर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने 52515 वोटों से जेडीयू प्रत्याशी सबा जफर को हराया था. बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र से मोहम्मद अंजार नईमी ने वीआईपी के प्रत्याशी लखन लाल पंडित को 45215 वोटों से हराया था. इसी तरह बैसी विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के प्रत्याशी सैयद रुकनुद्दीन अहमद ने 16373 वोटों से बीजेपी प्रत्याशी विनोद कुमार को हरा दिया था. जोकीहाट विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के प्रत्याशी शाहनवाज ने 7383 वोटों से आरजेडी के प्रत्याशी सरफराज आलम को मात दिया था. कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र से मोहम्मद इजहार असफी ने जेडीयू प्रत्याशी मुजाहिद आलम को 36143 वोटो से हराया था.

बाद में टूट गए चार विधायक

हालांकि करीब एक साल आरजेडी ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी में सेंधमारी करके पांच में से चार विधायक को अपने पाले में कर लिया था. सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ही अभी एआईएमआईएम के विधायक के रूप में मौजूद हैं लेकिन एक बार फिर सीमांचल के वोटरों को अपने पाले में करने के लिए असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी ताकत झोंकने की तैयारी शुरू कर दी है. 2020 की तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में वह कामयाब हुए तो महागठबंधन के लिए मुश्किल हो सकता है. सीमांचल में पूर्णिया और किशनगंज जिला मुस्लिम बहुल इलाका माना जाता है जिस पर असदुद्दीन ओवैसी की नजर है.

बिहार पुलिस विभाग में होने वाली है बंपर बहाली, एक हफ्ते के अंदर रोस्टर क्लियर करने का निर्देश

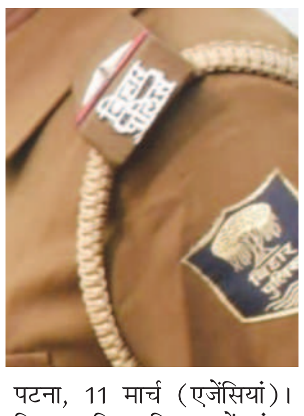

पटना, 11 मार्च (एजेंसियां)। बिहार पुलिस विभाग में बंपर बहाली होने वाली है. हाल ही में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव चेतन प्रसाद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई है. इसमें बहाली की प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया गया है. गृह विभाग ने पुलिस मुख्यालय को एक सप्ताह में रोस्टर क्लियर करके भेजने की बात कही है जिससे कि बहाली की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके. बिहार में जनसंख्यां के आधार पर पुलिस बल की संख्यां बढ़ाने के लिए यह तैयारी की जा रही है. वहीं महिला सुरक्षा के लिए भी यह कदम उठाया गया है.

गृह विभाग ने रोस्टर तैयार करने को कहा है जिसमें 48 हजार 447 सिपाहियों की बहाली की जाएगी. इसमें डायल 112 परियोजना के पहले चरण में 7 हजार 808 और दूसरे चरण में 19 हजार 288 बहाली होगी. विभाग का कहना है कि इससे जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा की जाए ताकि 31 मार्च तक आरक्षी पार्षद को रोस्टर तैयार करके सौंपा जा सके. इसके बाद विभाग सिपाहियों की बहाली की प्रक्रिया तेज कर सके. अपर मुख्य सचिव चेतन प्रसाद की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक भी हो चुकी है.

चाचा शिवपाल को रास नहीं आई किसानों के लिए योगी सरकार की ये पहल, कहा- 'फरमान... नाकाफी है श्रीमान'

लखनऊ, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से आलू किसानों का मुद्दा तूल पकड़ रहा था. पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादवने आलू किसानों के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरा था. अब इसका असर दिखने लगा है. सरकार आलू किसानों को राहत देने की तैयारी कर रही है. इसकी पहल की

शुरूआत राज्य के सात जिलों में हो सकती है. बीते दिनों आलू किसानों के मुद्दे पर शिवपाल यादव ने योगी सरकार को निशाने पर लिया था. उन्होंने कहा था, आलू खरीद लो सरकार, अन्नदाता कब तक रहेगा कतार में, अच्छे दिन के इंतजार में, आलू किसान कब तक रहेगा बेहाल ? लेकिन अब योगी सरकार 650 रुपए प्रति क्विंटल की दर से आलू की खरीदारी करेगी. जिसके बाद शिवपाल यादव की प्रतिक्रिया आई है, 'सरकार का 650 रुपये प्रति क्विंटल की दर से आलू खरीदने का फरमान. नाकाफी है श्रीमान. 2500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बीज खरीदने वाले किसान के लिए यह समर्थन मूल्य मजाक है. सरकार को न्यूनतम 1500 रुपए प्रति पैकेट की दर से आलू की खरीद करनी चाहिए. कम से कम लागत तो दे दो सरकार.'

उमेश पाल के हत्यारों संग दिखी अतीक की पत्नी शाइस्ता

सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने किया बरामद

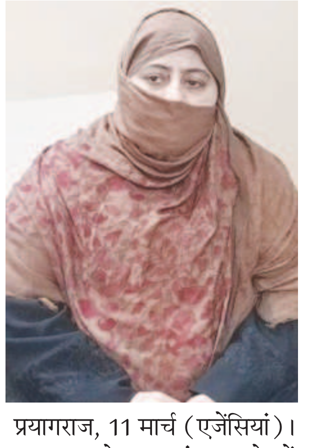

प्रयागराज, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में गोली मारकर उमेश पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या को 2 सप्ताह बीत चुका है और अबतक इस घटना में शामिल दो अपराधियों को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। उमेश पाल मर्डर केस में पुलिस अब बड़े एक्शन की तैयारी में लग चुकी है। दरअसल पुलिस और एसटीएफ की टीम के हाथ अतीक अहमद की पत्नी का एक सीसीटीवी फुटेज लगा है। इस फुटेज में शाइस्ता परवीन उमेश पाल के शूटर के साथ दिख रही है। बता दें कि यह वीडियो शूटआउट से 5 दिन पहले का बताया जा रहा है।

शूटर के साथ दिखी शाइस्ता परवीन

पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी वीडियो में दिख रहा है कि शाइस्ता परवीन अतीक गैंग के शूटर बल्ली उर्फ सुधांशु के घर नीवा पहुंची थी। सुधांशु भी सीटीटीवी में शाइस्ता के साथ दिख रहा है। अतीक का शूटर बल्ली उर्फ सुधांशु धूमनगंज थाना क्षेत्र के नीवा गांव का रहने वाला है। अतीक के अकाउंटेंट असाद के साथ प्रॉपर्टी का पूरा काम देखता है। पुलिस और एसटीएफ की टीमें शूटर बल्ली और असद की तलाश में जुटी हैं। इस वीडियो में शाइस्ता के साथ शूटर साबिर नजर आ रहा है।

फरार है शाइस्ता

फिलहाल शाइस्ता फरार है लेकिन बरेली जेल में बंद अतीक के भाई अशरफ के 2 गुर्गों राशिद और फुरकान को शुक्रवार को बरेली एसआईटी और बिथरी चैनपुर पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। दोनों ही बिना पर्ची और आईडी के जेल में अतीक अहमद के पूर्व विधायक भाई अशरफ से मिलते थे। पूछताछ में पता चला कि जेल के गेट से लेकर अंदर तक कोई रोकता नहीं था। इससे पहले 7 मार्च को बरेली जेल के सिपाही शिवहरि और मददगार दयाराम उर्फ नन्हे को पुलिस ने अरेस्ट किया था।

सिपाही मिलवाता था गुर्गों से..

सिपाही बिना पर्ची के अशरफ से उसके गुर्गों को मिलवाता था। वहीं, बरेली जेल से ही अशरफ ने वॉट्सऐप कॉल भी की थी, जिसकी जानकारी प्रयागराज में पकड़े गए आरोपी के मोबाइल से हुई थी। दोनों से पूछताछ में पता चला था कि अतीक का भाई अशरफ, जो बरेली जेल में बंद है, उससे सप्ताह में 3 बार गुर्गे मिलने जाते थे। एक मुलाकात 2 घंटे तक चलती थी। बाकी फरार अपराधियों की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गईं हैं। यही वजह है कि यूपी पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

अलीगढ़ में महिला से गैंगरेप, सुनसान जगह ले जाकर 3 युवकों ने की दरिंदगी

अलीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में तीन युवकों ने एक मानसिक विक्षिप्त महिला के साथ गैंगरेप किया है. आरोपियों ने इस वारदात का वीडियो भी बनाया है और बाद में इस वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल दिया है. यह वारदात शुक्रवार दोपहर का है. सूचना मिलने पर हरकत में आई अलीगढ़ पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं एक अन्य आरोपी की तलाश में दबिश तेज कर दी है. आरोपियों की पहचान गांधी पार्क क्षेत्र में अचल तालाब निवासी हिमांशु उर्फ लक्की पुत्र पालीवाल, सुनील कुमार पुत्र पप्पू निवासी गंभीरपुरा सासनी गेट और राहुल पुत्र राकेश निवासी पालीवाल स्कूल के निकट गांधी पार्क के रूप में हुई है. पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपियों ने मानसिक विक्षिप्त महिला को सूनसान स्थान पर ले जाकर इस वारदात को अंजाम दिया है.

लव-मैरिज करने पर पिता ने किया बेटी का अंतिम संस्कार

औरैया, 11 मार्च (एजेंसियां)। औरैया में एक बेटी के बाप को प्रेमी से विवाह करना इतना नागवार गुज़रा की उसने सिर मुंडवाने के साथ सांकेतिक पिंडदान कर अंतिम संस्कार कर डाला। इसके बाद पिता बोला- अब मेरी बेटी मेरे लिए मर चुकी है। उधर थाना पुलिस ने जल्दबाजी में कोर्ट मैरिज के कागज देखे और लड़की को प्रेमी के साथ जाने दिया। थाने से बहन को प्रेमी के साथ जाने देने पर घर आकर भाई ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की कोशिश की। जहां से उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत में उसे रेफर कर दिया गया।

बेगूसराय में शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

बेगूसराय, 11 मार्च (एजेंसियां)। बेगूसराय में शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। इस दौरान ग्रामीण घंटों हंगामा करते रहे। बंधक बना लिए जाने की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों को किसी तरह समझा-बुझाकर मामले को शांत करवाते हुए सभी पुलिसकर्मियों को मुक्त कराया। मामला चकिया थाना क्षेत्र के रूप नगर की है। ग्रामीणों का कहना है कि चकिया थाना क्षेत्र के रूप नगर निवासी संजीव सिंह उर्फ खुरखुर सिंह के घर पर चकिया पुलिस ने अब तक लगातार 5 बार छापेमारी किया।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेसी नेता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ शहर के कांग्रेस नेता चंद्रशेखर पटेल ने विवादित बयान दिया था, जिसके बाद पुलिस द्वारा देर रात कांग्रेस नेता को हिरासत में लिया गया। कांग्रेस नेता चंद्रशेखर पटेल शहर छोड़ने की फ़िराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस द्वारा कांग्रेस नेता को कोर्ट में पेश किया जाएगा। दरअसल शुक्रवार को शहर के सत्य सांई चौराहे पर कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता व सेवादल के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को मंच से लालची कहते हुए अपशब्द कहे थे। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ी, वहीं कांग्रेस नेता के विवादित बयान पर मामले में भाजपा नेताओं ने अधिकारियों को कार्रवाई को लेकर ज्ञापन दिया था। कांग्रेस नेता के खिलाफ विजयनगर थाने में केस दर्ज किया गया था। मामले को लेकर भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे सहित कई भाजपा नेताओं ने विरोध जताया। पुलिस द्वारा आरोपी कांग्रेसी नेता चंद्रशेखर पटेल को शुक्रवार रात को गिरफ्तार कर लिया गया।

त्रिपुरा-गुजरात-उत्तराखंड में बीजेपी के इस 'अमोघ अस्त्र' ने दिलाई जीत, क्या कर्नाटक में भी आएगा काम ?

बैंगलुरू, 11 मार्च (एजेंसियां)। दूसरी पार्टियों में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर खूब घमासान होता है. शायद ही बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री बदलने पर कभी कोई खींचतान सामने आई हो. ऐसे फैसलों की तो लोगों को कानोंकान खबर भी नहीं लगती. बीते एक साल में बीजेपी चार राज्यों में सीएम बदल चुकी है. इसके पीछे बीजेपी की रणनीति है जो उसे चुनाव जीतने में मदद करती है. सबसे ताजा उदाहरण त्रिपुरा का है, जहां पर कुछ महीने पहले ही सीएम बदलने का फायदा मिला और पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर को किनारे करते हुए दोबारा सत्ता में वापसी की. त्रिपुरा पहला राज्य नहीं है. इसके पहले बीजेपी गुजरात में भी इसी फॉर्मूले को अपनाकर राज्य में वापसी कर चुकी है, लेकिन इसका सबसे पहला सफल प्रयोग उत्तराखंड में किया था. यहां तो भाजपा ने एक नहीं, बल्कि दो-दो बार मुख्यमंत्री बदले थे.

उत्तराखंड में कैसे बीजेपी ने पलटा पासा

उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद कभी किसी पार्टी ने लगातार दोबारा सरकार नहीं बनाई थी, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने ऐसा कर दिखाया. बीजेपी के जीत के फॉर्मूले को समझने के लिए पीछे चलना होगा. 2017 में उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी की जीत हुई. बीजेपी ने त्रिवेंद्र सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया. चुनाव के पहले कांग्रेस के बागियों का एक खेमा भी भाजपा में शामिल हुआ था. उस खेमे के विधायकों का असंतोष त्रिवेंद्र सिंह रावत के खिलाफ बढ़ने लगा था. बात बिगड़ न जाए, इसलिए चार साल बाद 2021 में बीजेपी ने मुख्यमंत्री बदला और तीरथ सिंह रावत को गद्दी सौंपी. तीरथ सिंह रावत के मुख्यमंत्री बने 4 महीने भी नहीं बीते थे कि एक बार फिर से राज्य में फिर से सीएम बदलने की नौबत आ गई. 4 जुलाई, 2021 को बीजेपी ने पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया. 2022 में बीजेपी पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चुनाव में उतरी और फिर से राज्य में सरकार बनाई.

गुजरात में भी सफल हुआ फॉर्मूला

गुजरात को बीजेपी की प्रयोगशाला कहा जाता है. गुजरात ही था जिसने नरेंद्र मोदी को देश में ब्रांड के रूप में स्थापित किया. यही वजह है कि बीजेपी गुजरात को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ती. 2017 में चुनाव के बाद गुजरात में बीजेपी ने विजय रुपानी को सीएम बनाया. चार साल बाद बीजेपी ने भांप लिया कि रूपानी को लेकर राज्य में माहौल ठीक नहीं है. सितम्बर 2021 में बीजेपी ने राज्य में प्रभावशाली पटेल समुदाय के भूपेंद्र पटेल को सीएम बनाया. बीजेपी की ये रणनीति काम की रही और 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अब तक की सबसे ज्यादा सीट जीतकर इतिहास रच दिया.

त्रिपुरा में माणिक साहा ने दिलाई जीत

सीएम बदलकर चुनाव जीतने का बीजेपी का सबसे ताजा उदाहरण त्रिपुरा का है. 2018 में बीजेपी ने त्रिपुरा में लेफ्ट के गढ़ ध्वस्त कर दिया. तब बीजेपी ने राज्य में पार्टी के अध्यक्ष बिप्लब देव को सीएम बनाने का फैसला किया था. तेज तर्रार बिप्लब देव ने कमान संभाली और काम शुरू किया. चार साल आते-आते बिप्लब देव के खिलाफ विधायकों की नाराजगी की खबरें आने लगी. कई विधायकों ने पार्टी छोड़ दी. चुनाव से कुछ महीने पहले बीजेपी ने बिप्लब देव की जगह माणिक साहा को राज्य की सत्ता पर बिठाया. 2 मार्च को आए त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस बात को साबित कर दिया है कि बीजेपी का दांव सही बैठा है.

कर्नाटक में क्या हिट होगा फॉर्मूला?

कर्नाटक में अप्रैल-मई के दौरान चुनाव होने की संभावना है. कर्नाटक दक्षिण में बीजेपी का इकलौता दुर्ग है. बीजेपी इसे बचाने की पूरी कोशिश कर रही है. यही वजह है कि 2021 में बीजेपी ने राज्य के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाकर बसवराज बोम्मई को पद पर बिठाया. अब देखना है कि बसवराज बोम्मई राज्य में सत्ता विरोधी लहर की काट ढूढ़ने में सफल हो पाते हैं या नहीं.

इन राज्यों में सीएम न बदलने का हुआ था नुकसान

यहां ये बाद ध्यान रखने की है कि गुजरात के साथ ही हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा के चुनाव हुए थे. यहां बीजेपी ने सीएम की कुर्सी पर बदलाव नहीं किया था और जयराम ठाकुर पर भरोसा बनाए रखा था. चुनाव परिणामों में बीजेपी को हार मिली और हिमाचल में कांग्रेस ने सरकार बनाई. इसके पहले झारखंड में भी बीजेपी ने रघुवर दार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था. यहां भी पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा. झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कांग्रेस के साथ मिलकर यहां सरकार बनाई और हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने.

सीएम शिवराज और सिंधिया को लेकर ये क्या कह गए कुमार विश्वास,आया भूचाल

भोपाल, 11 मार्च (एजेंसियां)। आरएसएस को अनपढ़ कह चुके कवि कुमार विश्वास का वीडियो आप भूले भी नहीं होगें अभी की लीजिए एमपी के सीएम पर तंज कसता कुमार विश्वास का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर दौड़ रहा है. इस वीडियो में कुमार विश्वास ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के बहाने एमपी के सीएम शिवराज पर निशाने साधा. विश्वास ने कहा कि भोपाल के कार्यक्रम में इंजीनियरिंग कॉलेज के लड़कों के सामने सीएम शिवराज 45 मिनिट तक लाड़ली लक्ष्मी पर बोलते गए, इसके अलावा कुमार विश्वास ने एमपी में हुए दल-बदल को लेकर भी व्यंग्य कसा और कहा कि मध्यप्रदेश में ये पता भी नहीं चलता कि कौन किस पार्टी का विधायक है. पिछली बार आए तो जो इस तरफ मिला, इस बार उस तरफ पहुंच गया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा कुमार विश्वास का ये वीडियो कटनी का बताया जा रहा है. सीएम शिवराज को क्या कह गए कुमारः वीडियो में कुमार विश्वास ने कहा पहले कमलनाथ जी आए, फिर कमल जिनके नाथ हैं वो आ गए. फिर अपने शिवराज जी तो भले आदमी हैं, भोले आदमी हैं शिवराज जी. हमारी तो उनसे युवा मोर्चा में जब वो थे तबसे परिचय है, उनसे मित्रता सत्संग है.

हिसार में एडीजीपी श्रीकांत जाधव का एक्शन मूड

स्पा सेंटरों पर छापेमारी, आपत्तिजनक हालत में मिले युवक व युवतियां

हिसार, 11 मार्च (एजेंसियां)। हिसार में एडीजीपी श्रीकांत जाधव लगातार दूसरे दिन एक्टिव मोड में दिखे। उनकी टीम ने सिविल हॉस्पिटल के सामने सपा सेंटर पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान स्पा सेंटर में युवक और युवतियों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया है। पुलिस आरोपियों को पकड़कर सिटी थाना लेकर गई। बताया गया है कि अस्पताल के सामने स्पा सेंटर में अनैतिक धंधे चल रहे थे। जिसकी भनक पुलिस को लग गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छापा मारा। यहां यह बता दें कि एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने शुक्रवार को आईजी हिसार रेंज का पदभार संभाला था। उन्होंने आते ही मीडिया कर्मियों से बातचीत की और कहा था कि वे शहर में किसी भी तरह के अनैतिक कार्य नहीं चलने देंगे। हिसार में अवैध अहातों पर व खुले में शराब पीने वाले लोगों के खिलाफ एडीजीपी श्रीकांत जाधव ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। शुक्रवार की रात 10 बजे तक उन्होंने शहर के विभिन्न जगहों पर चल रहे अवैध अहातों व खुले में शराब पिलाने वाले रेहड़ी चालकों पर रेड मारी। इस दौरान सिटी थाना पुलिस, एचटीएम थाना पुलिस, अर्बन स्टेट थाना पुलिस, सिविल लाइन थाना पुलिस सहित शहर की चौकियों की पुलिस टीम उनके साथ मौजूद रहे। एडीजीपी के आदेशानुसार हिसार पुलिस ने खुले में शराब पीने वाले 42 लोगों को पकड़ा। इन सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा 160 के तहत केस दर्ज किया गया। सिटी थाना पुलिस खुले में शराब पीने वाले 9 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 160 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खुले में शराब का सेवन करने के आरोप में एचटीएम थाना पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। वही अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने भी 3 लोगों पर खुले में शराब पीने के आरोप में केस दर्ज किया है। इसके साथ ही हिसार पुलिस ने अन्य लोगों पर केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से पांच महीने के बच्चे की मौत, मां गंभीर, पिता ने बाइक से पीछा कर ड्राइवर को पकड़ा

इंदौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। शहर में हुए एक दर्दनाक हादसे में पांच महीने के मासूम की मौत हो गई और मां गंभीर घायल है। हादसा तब हुआ जब मां बेटे के साथ रिक्शा पकडने के लिए रोड क्रॉस कर रही थी। कार चालक ने मां को इतनी तेज टक्कर मारी की मां और बेटा दोनों उछलकर 10 फीट दूर जा गिरे। बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और मां गंभीर घायल है। पिता ने बाइक से पीछा कर कार चालक को तीन किमी के बाद पकड़ा। पिता के साथ बड़ी बेटी भी थी। कनाडिय़ा पुलिस ने मर्ग कायम कर मासूम का पीएम करवाया। घटना झलरिया फाटे की है। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल मां और मासूम को लोगों ने पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने उन्हें एमवाय रेफर कर दिया।

पशु तस्करी केसः अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या को ईडी का समन, अगले हफ्ते पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता, 11 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पशु तस्करी केस में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अनुब्रत मंडल और उनके परिवार की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रहीं. इस मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय ने अनुब्रत मंडल की इकलौती बेटी सुकन्या को पूछताछ के लिए समन किया है. ईडी ने सुकन्या को पशु तस्करी केस में पूछताछ के लिए समन भेजा है. बताया जाता है कि ईडी ने सुकन्या मंडल और अनुब्रत मंडल के सीए मनीष कोठारी समेत कुल 12 लोगों को पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित ईडी के मुख्यालय बुलाया है. कहा जा रहा है कि इस दौरान सुकन्या और अनुब्रत मंडल का आमना-सामना भी ईडी करा सकती है. सूत्रों के मुताबिक ईडी ने सुकन्या मंडल को अगले हफ्ते दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा है. गौरतलब है कि ये पहला अवसर नहीं है जब किसी केंद्रीय एजेंसी ने पूछताछ के लिए सुकन्या को तलब किया हो. पशु तस्करी केस में अनुब्रत मंडल को गिरफ्तार करने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी सुकन्या को पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित मुख्यालय में तलब किया था. हालांकि, सुकन्या से पूछताछ में सीबीआई को ज्यादा कुछ हाथ नहीं लग सका था. विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो कुछ महीने पहले सीबीआई की पूछताछ के समय सुकन्या मंडल ने अधिकतर सवालों के जवाब में कहा था कि मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. मेरे पिता ही इन सभी सवालों के जवाब दे सकते हैं. मैं नहीं. अनुब्रत मंडल को सीबीआई के बाद अब ईडी ने गिरफ्तार किया है. लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद ईडी को अनुब्रत मंडल को हिरासत में लेने की अनुमति मिल सकी थी. दिल्ली की कोर्ट ने एक दिन पहले ही अनुब्रत मंडल को 11 दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था. बताया जा रहा है कि ईडी अब अनुब्रत का सामना उनकी बेटी सुकन्या मंडल से कराना चाहती है जिससे उनकी संपत्ति को लेकर पूछताछ की जा सके.

चन्नी के लुकआउट नोटिस पर बोली कांग्रेस हमारा मनोबल गिराना चाहती है पंजाब सरकार

चंडीगढ़, 11 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ जारी लुकआउट नोटिस पर नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि चरणजीत सिंह चन्नी हमारे दलित मुख्यमंत्री थे. पंजाब सरकार उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर हमारा मनोबल गिराना चाहती है. उन्होंने कहा कि अगर वाकई में सरकार इतनी पारदर्शी है तो अपने पूर्व मंत्री फौजा सिंह सरारी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी क्यों नहीं करती है. नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि यह सबकुछ जालंधर लोकसभा सीट के उपचुनाव को देखते हुए किया जा रहा है. प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया है कि जालंधर लोकसभा सीट का उपचुनाव आम आदमी पार्टी बड़े अंतर से हारने जा रही है. बाजवा ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भगवंत मान को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया जाएगा क्योंकि भगवंत मान ने न सिर्फ पंजाब में बल्कि अपनी दिल्ली की लीडरशिप को भी आहत किया है. बाजवा ने कहा विधानसभा में जब विपक्ष के नेता बोलते हैं तो उनको कवर नहीं किया जाता है, जब मंत्री और मुख्यमंत्री बोलते हैं सिर्फ उन्हीं को दिखाया जाता है. इसके खिलाफ आज हम हाईकोर्ट में याचिका दायर करने जा रहे हैं कि सदन के अंदर सभी को समान रूप से कवर किया जाए या फिर अंदर कैमरा बंद करवाया जाए. वहीं, बाजवा ने एक बार फिर पंजाब एक्साइज पॉलिसी की जांच की मांग उठाई है. उन्होंने इस संबंध में राज्यपाल से मिलकर इस मामले में न्यायिक आयोग का गठन करके जांच कराने की मांग की है.

नशा तस्करों के मंसूबे फिर नाकाम ! बीएसएफ ने अटारी बॉर्डर से बरामद किया ड्रोन, हेरोइन की हो रही थी स्मगलिंग

अटारी बॉर्डर, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमृतसर के अटारी बॉर्डर के पास धनोई कलां गांव से शनिवार (11 मार्च) सुबह हेरोइन बरामद की गई. बीएसएफ के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने अमृतसर जिले के धनोई कलां गांव के पास इलाके में पाकिस्तान की ओर से आए एक ड्रोन की आवाज सुनी. ड्रोन को मार गिराने की कोशिश की गई, लेकिन वो फिर भी बॉर्डर से क्रॉस होकर खेतों में आ गिरा. बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि जब खेतों में तलाशी ली गई तो ड्रोन बरामद हुआ. ड्रोन से 3 किलो वजन के 3 पैकेट बरामद हुए. जिसे गुलाबी पॉलीथिन में रैप किया गया था. अधिकारियों ने कहा कि पैकेट के अंदर हेरोइन होने का संदेह है. अधिकारियों ने ये भी कहा कि सीमा सुरक्षा बल के सतर्क जवानों ने एक बार फिर नशा तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया है.

दो दिन में दो बार ड्रोन से घुसपैठ

इससे पहले, शुक्रवार को पाकिस्तान से एके राइफल और तीन दर्जन से ज्यादा गोलियां लेकर भारतीय क्षेत्र में घुसे एक ड्रोन को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मार गिराया. बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब के गुरदासपुर जिले के मेल्टा गांव के पास गुरुवार देर रात करीब एक बजे 'हेक्साकॉप्टर' दिखाई दिया था.

40 गोलियां भी बरामद

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि जवानों ने गोलीबारी कर उसे मार गिराया. उन्होंने बताया कि तड़के पूरे इलाके की घेराबंदी की गई जिसमें पुलिस ने भी मदद की. प्रवक्ता के मुताबिक, नबी नगर गांव के पास एक खेत से एक ड्रोन, एक एके राइफल, दो मैगज़ीन और 40 गोलियां बरामद हुईं. बता दें कि भारत और पाकिस्तान की सीमा से बीएसएफ लगातार तस्करी का सामान जब्त कर रही है. सीमा सुरक्षा बल के जवान लगातार सीमा पर हो रही गतिविधियों को रोक रहे हैं.

बोलेरो और ट्रक की टक्कर, हादसे में दर्जन भर लोग घायल, बेटी को लेने जा रहे थे

उमरिया, 11 मार्च (एजेंसियां)। बोलेरो और ट्रक की भिड़ंत में कोतवाली थाना अंतर्गत मंसूरी पेट्रोल पंप के आगे बच्चे और महिलाओं समेत दर्जन भर लोगों के घायल होने की खबर है। घटना शनिवार सुबह 5.45 बजे की बताई जा रही है। हादसे की जानकारी पर 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को घटना स्थल से इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। बताया जाता है कि घायल परिजन बेटी के विवाह के बाद उन्हें लेने वर पक्ष के घर अमानगंज जा रहे थे। उसी दौरान मंसूरी पेट्रोल पंप के आगे हाइवे पर पीछे से अज्ञात वाहन ने ठोकर मारी, जिसमे सभी हादसे का शिकार हुए हैं। ये सभी परिजन दूरदराज से इकट्ठे होकर उमरिया जिले के मलियागुड़ा (पाली) से सुबह करीब 4.30 बजे बेटी के घर से निकले थे।

अंबाला में सरकार ने गरीबों के लिए बनाए फ्लैट, क्वार्टर मालिकों ने किराए पर चढ़ाए, पांच पर केस दर्ज

अंबाला, 11 मार्च (एजेंसियां)। अंबाला में सेक्टर 34 में गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों को सरकार ने फ्लैट बनाकर दिए मगर यहां तो गरीबों ने ही फ्लैटों में खुद न रहकर किरायेदारों को दे दिए। अब जब पुलिस ने सर्च अभियान चलाया तो इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ। ऐसे में नियमों की अवहेलना पर पुलिस ने पांच क्वार्टर मालिकों के खिलाफ केस दर्ज करते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं छह संदिग्ध किरायेदारों को भी सीआईए - 2 ने अपनी निगरानी में लिया है। शुक्रवार की सुबह छावनी के घसीटपुर स्थित आशियाना के सेक्टर 34 में बने फ्लैटों में डीएसपी छावनी अनिल कुमार और डीएसपी मुख्यालय अंबाला रमेश कुमार के नेतृत्व में सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने फ्लैट में रह रहे लागों के अलाटमेंट लेटर, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, बैंक कापी व अन्य दस्तावेज चैक किये गए।

पत्नी-बेटी की हत्या कर सब-इंस्पेक्टर ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

भोपाल, 11 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल में शनिवार सुबह कोलार थाना क्षेत्र में रहने वाले एक उप निरीक्षक ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या करने के बाद ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली है। घटना का पता शनिवार दोपहर चला। पत्नी और बेटी की हत्या कर खुदकुशी करने वाला उप निरीक्षक पुलिस की विशेष शाखा (एसबी ब्रांच) में पदस्थ था। बता दें कि मृतक साल 2016 बैच का उप निरीक्षक था। मिसरोद और कोलार थाना पुलिस मामले की संयुक्त रूप से जांच कर रही है। कोलार थाना पुलिस के अनुसार, उप निरीक्षक सुरेश तायड़े एसबी शाखा में पदस्थ था और ललिता नगर में रहता था। उसने शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी देर रात अपनी पत्नी और मासूम बेटी की हत्या करने के बाद मिसरोद थाना क्षेत्र में जाकर ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। ट्रेन की पटरी पर लाश मिलने के बाद मिसरोद पुलिस ने उसकी शिनाख्ती के प्रयास किए, तब उप निरीक्षक होने का पता चला। इसके बाद कोलार पुलिस उसके परिजनों को जानकारी देने जब ललिता नगर स्थित घर पहुंची तो उसकी पत्नी और बेटी की गला काटकर हत्या की गई थी। प्रथम दृष्टया एसआई द्वारा पत्नी और बेटी की हत्या करने के बाद खुदकुशी करना सामने आया है। उसके परिजनों और पत्नी के मायके वालों से पुलिस संपर्क कर रही है। पड़ोसियों के साथ रिश्तेदारों और साथी कर्मचारियों से उसके घरेलू कलह और विवाद का कारण पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आला अधिकारी भी कोलार स्थित ललिता नगर उसके निवास पहुंचे हैं।

हाथ जोड़ो अभियानः आरएसपुरा में कांग्रेस ने निकाला मार्च, विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा

जम्मू, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा से उत्साहित कांग्रेस ने अब हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया है। पार्टी की तरफ से यह अभियान उन क्षेत्रों में जा रहा है, जहां भारत जोड़ो यात्रा नहीं पहुंच सकी। इस यात्रा में कांग्रेस स्थानीय मुद्दों को जोर शोर से उठा रही है। इसी क्रम में शनिवार को आरएसपुरा में कांग्रेस ने मार्च निकाला। इस मीरा साबिह के बृज नगर से सिंबल मोड़ तक मार्च निकाला गया। मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल, कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला व अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। विकार रसूल ने कहा कि सरकारी जमीनों से लोगों की जबरन बेदखली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई से जनता परेशान है। इसी बीच अब लोगों पर संपत्ति कर लगाया जा रहा है, जो कि जम्मू कश्मीर की जनता के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू में बुलाए गए बंद का वह समर्थन करते हैं।

धामों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या सीमित करने का विरोध, अपर मुख्य सचिव ने ली बैठक

देहरादून, 11 मार्च (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की सीमित संख्या करने का तीर्थ पुरोहित, होटल व्यवसायी और टूर ऑपरेटरों ने विरोध किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शुक्रवार को सचिवालय में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में चारधाम यात्रा से जुड़े होटल व्यवसायियों, तीर्थपुरोहित समाज व टूर ऑपरेटर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले वर्ष चारधाम यात्रा में जितनी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इस बार उससे अधिक आने की संभावना है। लिहाजा सरकार हर स्तर पर तैयारियों की समीक्षा कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री धाम में कपाट खुलने से पहले बिजली-पानी की व्यवस्था को सुचारू कर दिया जाए। अपर मुख्य सचिव ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया को और भी सुलभ बनाया जाए। उन्होंने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि यात्रा को लेकर पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाए उस दिशा में हम सबको को सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि देश दुनिया में हमारे प्रदेश की छवि पर्यटन प्रदेश कि रूप में है, ऐसे में हम सबको को इस बात को ध्यान रखना होगा कि जो भी यात्री प्रदेश में आए, वे एक अच्छा अनुभव लेकर वापस जाए। बैठक में सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे ने बताया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के लिए 2.20 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा हो चुके हैं। इस बार पंजीकरण के लिए 65 दिनों का समय दिया गया है, इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए कॉल और व्हाट्सएप के माध्यम से पंजीकरण करने की सुविधा है। बैठक में गंगा सभा के अध्यक्ष संजीव सेमवाल, उत्तरकाशी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा, उत्तराखंड टूर ऑपरेटर एसोसिएशन के अभिषेक आहलूवालिया, चारधाम महापंचायत से डॉ. बृजेश सती, गंगोत्री तीर्थ पुरोहित समाज से रजनीकांत सेमवाल ने चारधामों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की सीमित संख्या करने का विरोध किया।

तू प्यार का सागर है : बलराज साहनी

अतुल कुमार

ऐसे चरित्र अभिनेता कम हुए जिन्होंने अपने जीवंत अभिनय से अपनी फिल्मों को इतना जानदार बनाया कि सिनेमा जगत के लिये वह नायाब सिद्ध हुईं फिल्म " काबुली वाला " और " दो बीघा ज़मीन " को दर्शक भूले नहीं हैं और न भूल पाएंगे ! क्यों कि इन फिल्मों ने जन रुचि को ऊपर रखा . फिल्मों के चरित्रों मे भावुकता की वह उंचाइयां देखने मिली जिसने बहुरंगे पर्दे पर वक्त और ज़िंदगी की अनकही बातों को पेश किया .दरअसल फिल्मकार बिमल राय ने बडी भावनात्मक गहराई के साथ एक मानवीय रचना दर्शकों के लिये बनायी जिसने सभी का दिल जीता .गांव में गिरवी रखी ज़मीन वापस बचाने के लिये किसान शंभू रिक्शा चालक बन जाता है ,जो गांव की अपनी ज़मीन बचाने के लिये पैसा कमाने को बेताब है इसमें असाधाराण आयामों का प्रदर्शन है जिसे पर्दे पर अभिनेता बलराज साहनी ने बेमिसाल अदाकारी से यादगार बनाया .

अभिनेता बलराज साहनी उन आइकानिक अभिनेताओं में एक थे जिन्होंने सिनेमाई पर्दे पर अभिनय की नयी डेफिनेशन लिखी अपने खेले किरदारों में कोई झोल न रहे इसके लिये रियल लाइफ के उन लोगों से मिल जुल सीखते कि वह कैसा जीवन जीते हैं .एक ऐक्टर ही नहीं बल्कि बहुत ही ज़हीन इंसान भी थे आम आदमी की पीडा को कई दफा पर्दे पर प्रस्तुत किया आज भी आदर और सम्मान से उनको याद किया जाता है .

कम ज्ञात तथ्य है कि उम्दा कथाकार थे शुरु में कई कहानियां लिखीं जो उस समय की नामी पत्र पत्रिकाओं में छपीं .अचानक लिखना बंद कर दिया हुआ यूं कि एक बार हमेशा की तरह अपनी कहानी " हंस " में छपने भेजी लेकिन कुछ दिनों बाद कहानी अस्वीकृत हो लौट आयी जिससे बडा धक्का लगा और लिखना बंद कर दिया. सारा ध्यान और समय अभिनय को देने लगे . अन्यथा प्रसिद्ध कथाकार होते. उनके भाई भीष्म साहनी साहित्य के प्रसिद्ध हस्ताक्षर थे .घर से निकल बलराज साहनी ने लेखनी का ही काम शुरु किया उसी बीच उन्हें पता चला कि शांति निकेतन में हिंदी टीचर की जगह खाली है और रु 40 मासिक तनख्वाह है .नौकरी करने लगे .वहां रहते हुए कई कहानियां और कविताएं लिखीं. बर्नार्ड शा के लिखे एक नाटक को भी मंचित किया नाटक देख रविंद्रनाथ टैग़ोर ने कहा आप स्वयं अच्छा लिखते हैं अपने

लेखन को मंचित कीजीये . सुन बहुत प्रसन्न हुए.वही किया .

कुछ समय बाद अभिनय से ऐसी आशिकी हुई कि सब कुछ छोड उसी में संघर्ष करने लगे आटे दाल के लिये पैसे तो चाहिये ! इसलिये थियेटर भी करते . कला साधक थे चीज़ों को गहराई से देखते समझते .कैमरे के सामने बहुत नर्वस होते पहली फिल्म " धरती के लाल " का क्लोसअप देख परेशान हुए दिन रात ऐंक्टिंग पर मेहनत कर उसमें निखार की कोशिश करते . कुछ ही समय बाद उनके अभिनय की चर्चा प्रसिद्ध अभिनेता दिलीप कुमार तक पहुंची तो उन्होंने फिल्म " हलचल " में जेलर की भूमिका के लिये बलराज साहनी को लेने की शर्त निर्माता के सामने रखी . शर्त माननी पडी .रिलीस के बाद " हलचल " सुपर हिट हुई जिसमें बलराज साहनी के अभिनय की तारीफ हुई . रोल को रियलिटी का पुट देने व वास्तविक जेलर के काम को समझने के लिये साथ रहे और उसे सीख रोल को इंप्रेसिव बनाया .

अभिनय कौशल को तराशने में उनके रंगमंच प्रेम ने मदद की और इप्टा "इंडियन प्रोगेसिव थियेटर असोसिएशन " में शामिल हुए .पहला नाटक " इंसाफ "फणी मज़ूमदार के साथ किया इसी दौरान ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म "धरती के लाल " मिली जिसमें बतौर अभिनेता काम कर दर्शकों का दिल जीता . फिल्म " दो बीघा ज़मीन " के बारे में लिखा "मुझ पर दुनिया को एक गरीब बेबस आदमी की कहानी बताने की ज़िम्मेदारी डाली गयी और मैं उस ज़िम्मेदारी को उठाने के योग्य हूं या नहीं ! लेकिन मुझे अपनी ऊर्जा का एक एक कतरा इस ज़िम्मेदारी को निभाने में खर्च करना चाहिये " वही किया और टाइमलेस ऐक्टर बने ..

उनकी पत्नी दमयंती भी कुशल अभिनेत्री थीं सेट पर एक बार ऐसे गिरीं कि फिर उठ नहीं पायीं जीवन का बडा आघात लगा .देवानंद की चर्चित फिल्म "बाज़ी " की पट कथा लिखी तो " लाल बत्ती " का निर्देशन किया .देवानंद उनकी बहुमुखी प्रतिभा से प्रभावित थे कहते किसी किरदार को निभाते वक्त बलराज अपना दिल ही नहीं आत्मा भी झोंक देते हैं .जब भी उनको आप याद करेंगे तब वो नहीं बल्कि उनके द्वारा खेले गये कैरेक्टर्स याद आयेंगे किसी भी अभिनेता के लिये यह दुर्लभ अचीवमेंट है जिसे उन्होंने अपनी मेहनत से हासिल किया "

वास्तव में उनके अभिनय की शक्ति सामाजिक सरोकार थे अपने हर किरदार को सामाजिक संदर्भों से जोड देखते ." बलराज माय ब्रदर "पुस्तक में भीष्म साहनी ने लिखा कि " एक बार दिल्ली में हम दोनों जैकेट खरीदने कनाट प्लेस गये जैसा कि अक्सर होता लोगों ने उनको पहचान लिया भारी भीड जमा हो गयी सहज भाव से लोगों को कागज़ों डायरियों यहां तक की रुपयों की नोटों पर आटोग्राफ देते रहे और बाहर निकलने की कोशिश करते रहे कार तक पहुंचे तो मैंने कहा कितना अद्भुत है लोग आपको कितना चाहते हैं तब कहा तुमने हमेशा लोगों की प्रशंसा सुनी उनकी आलोचना नहीं जब एक ऐक्टर अपनी पीठ घुमाता है तो लोग उसकी आलोचना भी करते हैं किसी भ्रम में मत रहो .

1 मई 1913 को जन्मे इस कलाकार का शुरुआती नाम युधिष्टिर था लोग उन्हें रजिस्टर बुलाने लगे तो मजबूर हो अभिभावकों ने बलराज साहनी नाम रखा .उन पर फिल्माया फिल्म " वक्त " का गीत "ऐ मेरी ज़ोहरा जंबीन " आज भी संबकी ज़बान पर चडा हुआ है .बलराज साहनी ने दिलीप कुमार ,देवानंद और राजकपूर के दौर में काम किया जिसमें सभी के काम की अलग शैली थी फिर भी बलराज साहनी अभिनय के नैचुरल स्कूल के मेधावी कलाकार थे जिसने नायकों के दब दबे के बीच अलग मुकाम बनाया जिससे चरित्र अभिनेताओं का सिक्का जमा .एम एस सथ्यू के निर्देशन में बनी " गर्म हवा " में अभिनित हस्त शिल्पी के रोल ने प्रशंसा पायी .उनकी फिल्में ऐक्टिंग में बेंच मार्क स्थापित करतीं .कुछ चर्चित फिल्में " दो रास्ते " " धरती के लाल " " गर्म हवा " " लाजवंती " अनुराधा " वक्त " " सीमा " " गरम कोट ' " हकीकत " " आसरा " " नौनिहाल " " इज़्ज़त "" पराया धन "" हंसते ज़ख्म " और " मेरे हम सफर " आदि हैं . कुल 100 से अधिक फिल्मों में काम किया .अभिनेता आमिर खान ने एक बार उनको याद कर कहा कि वह मेरे आदर्श हैं उनकी तरह 10 % भी काम कर पाया तो मेरी खुश नसीबी होगी . इंसानी जज़्बातों को खूब समझते थे यही कारण है कि चरित्रों को यादगार बनाया अपनी .तमाम फिल्मों में अभिनय के श्रेष्ठ को प्रस्तुत किया . जो अभिनय की टेक्स्ट बुक बना.

विश्व सिनेमा में उनकी साख को मान्यता मिली .13 अप्रेल 1973 को इस दुनिया को त्यागा . वास्तव में उनके अभिनय में सागर की गहराई समायी थी .परदे पर उन्हीं पर फिल्माये गाने की पंक्ति उनकी ज़िंदगी पर फिट बैठती है " तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम ..."

काव्य कुंज

स्वाभिमान है तेरा असली गहना

डॉ माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

लिखना सिखा,
पढ़ना सिखा,
सबसे आगे बढ़ना सीखा,
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
सहना सीखा, लड़ना सीखा,
दर्द में भी मुस्कुराना सिखा,
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
जिम्मेदारियां सीखी, हिस्सेदारीयां सीखी,
गिरते हुए उठना सिखा,
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
श्रृंगार सीखा, बेहतरीन व्यवहार सीखा,
बरसों से देखे सपने तोड़ने सीखें,
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
स्वाभिमान बचाना क्यों नहीं सीखा?
स्वाभिमान है तेरा असली गहना,
लोगों की बातों में क्यों तुझे बहना,
बन जा निडर, नहीं अब सहना,
स्वाभिमान बचाना तुझे सीखना,
स्वाभिमान बचाना तुझे सीखना।

सबल होती नारी

लवली आनंद,
बिहार

अब नारी हर कदम पे
पड़ रही भारी है,
कभी दफ्तरों में
तो कभी अंतरिक्ष में
गढ़ रही नई-नई
कहानी है,
रसोई में है दक्ष अब
ये पहचान पुरानी है,
अब रसोड़े के साथ-साथ
उसने सारी कमान जो
सम्भाली है,
संभल जाओ नारी
अब नही अबला
ना ही बेचारी है,
कभी माथे पे लगा
सूरज की बिंदिया
कभी आँचल में छुपा
ममता की डिबिया
नारी ने हर दायित्व
बखूबी ही निभाई है,
नारी अब निर्बल नही
बस सबल होती जा रही है।

दस्तक

डॉ डी डी देसाई

आज फिर दरवाजे पर
दस्तक हुई हैं...।
देखो...कौन हैं...?
जिंदगी हो तो....
वहीं से रफा दफा करना,
कहना – तुम बहुत सताती हो।
पल भर कि ख़ुशी देकर,
हजारों दर्द गिनवाती हो।
सोचा पलभर लेट जाऊँ सुकून से,
बड़ी शिद्दत से नींदे उड़ा देती हो।
जिनके दामन में खुशियाँ भरते आए हैं,
उन्ही के हाथों दर्द दिलवाती हो।
जीना चाहते हैं होटों पर हँसी लिए,
पलकों में आँसू भर मार देती हो।
आज फिर दरवाजे पर...
दस्तक हुई हैं.....।
देखो...कौन हैं.....?
मौत हो.. तो अंदर बुला लेना।
कहना – मेरे गले लगना।
स्वार्थ और द्वेष से भरी पड़ी हैं दुनिया,
इस जंजाल से मुझे मुक्त कर देना।
धन – दौलत, अपने पराये की दौड़
इस मायाजाल से बचा लेना।
जिंदगी तो बेवफ़ा ही निकली....
हे मौत...तु वफ़ा कर जाना।

नानक नाम....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिधर से गुजरो,
शकुनि विद्यालय खुले मिलेंगे
सांप सीढ़ी.....
पाठ अध्ययन कराते मिलेंगे
है भिज्ञ,धर्मराज जब लेखा..,
क्या मुख..जाओगे
कहता छोड़ो भी,
रेखाएं हाथ की काटते मिलेंगे
कदी न सोचदा,की होउगा,जद आवेगा सदा
नानक नाम चढ़दी कला
तेरे भाणे सरबत दा भला
छोटी लकीर के सामने बडी खींच दी जाती है
राह चलतों की अखियां अश्रुओं से भर दी.. है
पूछो तो कहता हूँ ब्रह्मांड का जिल्लेइल्लाहि
आर्गुमेंट की मनाही,श्वासें छींके से टांग दी जाती हैं
चित्रगुप्त दरबार, सच नाल होऊगा निबेड़ा
नानक नाम ...
काँच टुकड़े बनकर रहोगे, कोई छूएगा भी नहीं
दर्पण बनोगे, बिन देखे कोई रहेगा भी नहीं
हां फिर भी वींगा वींगा,लकीर पीटता है
अर्थी पर पड़ा अकेला,..आंख पुट देखेगा.. नहीं
हाथ दिया कुएँ पर,कलियां कुरलांदा
नानक नाम...

पवित्र प्रेम बंधन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

राधा बिन कृष्ण अधूरे,
हैं अदृश्य प्रेम के प्यारे डोरे।
पवित्र प्रेम के बंधन को,
समझ सके तो समझ ले छोरे।।
बंसी धुन में प्रेम तान,
जब जब बजी राधे पायल झंकार,
कृष्ण राधे एक दूजे के पूरक,
तभी तो सब कायल संसार,
दिख रहे दो जिस्म पर,
प्रेम प्राण तो कृष्ण राधे,
आज प्रेम तिरस्कार में धकेल
कर देते घायल संसार,
प्रेम में रंगे जो दिखाई देते,
असल में रह जाते कोरे के कोरे।
राधा बिन कृष्ण अधूरे ,
हैं अदृश्य प्रेम के प्यारे डोरे।
पवित्र प्रेम के बंधन को,
समझ सके तो समझ ले छोरे।।
प्रेम तो अंतर्मन से जुड़ता,
नहीं रहता मौसम सा प्यासा,
प्रेम तो त्याग है, तप है ,
न की कोई शतरंज का पाशा,
गोपियों सा प्रेम करो तुम,
यशोदा माई सी धीर धरो तुम
प्रेम तो बस प्रेम है,प्रेम से
सुन लो ग्वालों की गाथा,
प्रेम के गीत हैं कृष्णे,
प्रेम सुर सजा दो मन में तोरे मोरे।
राधा बिन कृष्ण अधूरे ,
हैं अदृश्य प्रेम के प्यारे डोरे।
पवित्र प्रेम के बंधन को,
समझ सके तो समझ ले छोरे।।

सम्मान

एक दिन पर्याप्त नहीं नारी के सम्मान में ।
सदियों तुम गीत गाओ नारी के अभिमान में।
हर दिन की शुरुआत उषा ही तो करती है,
कम न करो शब्दों को नारी के गुणगान में ।
चाँद की रौशनी चाँदनी से है सूरज की किरणों से है।
नारी कण कण में व्याप्त है जमीन और आसमान में।
नारी सुंदर चप्पल चंचल कोमल है तो यौवन है ।
कभी तलवार बनी रहती तन्हा अपनी म्यान में ।
जो पूजा रोज है करते श्रद्धा और भक्ति से,
माँ की पूजा भी रहती है उनके ध्यान में ।
दुर्गा के नौ रूपों को सजग कर देती है नारी ,
नारी ही तो चेतन है नव सृष्टि निर्माण में।
अभद्र लोग नारी का मज़ाक बनाते हैं जब भी।
उस घर नारी की इज्जत नहीं वह रहते हैं श्मशान में।
कन्या हो या प्रोड़ा हो युवती हो या विधवा हो।
हर नारी सुरक्षित अपने ही मकान में।
नारी ने घर ही नहीं देश भी संभाले हैं।
ब्रहम्मा विष्णु महेश को अपने पालने में पाले हैं।
सिर्फ नौकरी पेशा नारी ही सम्मानित नहीं होती ,
थोड़ा घर की रानी पर भी ध्यान दिया कीजिए ,
बिन वेतन जो हाज़िर है घर मे 24 घंटे,
उसका भी आज तो सम्मान कीजिये।
एक औरत दस दस हाथ से काम करती है घर मे,
बूढ़ी होकर भी ध्यान रखती है घर में।
उसका अपमान ईश्वर का अपमान होता है।
बच्चों मत सताओ माँ ये काम राक्षसों समान होता है
मां का अस्तित्व घर के हर कोने कोने में है झलकता।
आजकल बच्चों को मां का बुढ़ापा भी है खटकता।
माँ से घर की मजबूत बुनियाद होती है।
माँ से घर में रौनक़ आबाद होती है।
नारी के रूप अनेक होते है।
नारी के रिश्ते नेक होते है।
नारी हर रिश्ते में पूजनीय होती है।
नारी से सब जुड़े एक होते है।
नारी घर की मान मर्यादा है।
नारी से घर की आन ज़्यादा है।
नारी परिवार की रक्षिका है।
नारी बच्चों की पहली शिक्षिका है।

रेणुका अग्रवाल

वो ख़ामोशी से सबकी सुन रहे हैं

संजीव ठाकुर,
रायपुर

कुछ उधेड़ रहे हैं कुछ बुन रहे हैं,
वो ख़ामोशी से सबकी सुन रहे हैं ।
जश्न है एक दूसरे के गले मिल रहे हैं
वो तो खुदा की खिदमत चुन रहे है।
कुछ रंजिशे ,साजिशे बुन रहे है
वो फजर की अजान सुन रहे है।
कुछ मोहब्बत की दास्तानें सुन रहे है,
वो फिर मजार की चादर बुन रहे है।
रसूख वाले दौलत का जरिया चुन रहे है,
वो दरवेश की बातें करिश्माई सुन रहे है।
दौलत वाले शोहरत के लिए सर धुन रहे है
वो मन्दिर में माला के लिए फूल चुन रहे है।
कुछ पश्चिम में फटे बम का रुदन सुन रहे है,
बदले की आग में, कुछ कलम के सर चुन रहे है,
एक हैं, पर ये कुछ बुन रहे वो कुछ गुन रहे है
वो ख़ामोशी से किस्मत का ताना बॉना बुन रहे है।।
कुछ अपना सियासी नया लीडर चुन रहे है,
वो ख़ामोशी से उनकी कमजोर नब्ज़ चुन रहे है
कुछ अपनी सुना रहे कुछ अपनी सुन रहे है
वो ख़ामोशी से रहबर का पैगाम सुन रहे है।।
कुछ एलान जंग का फ़रमान सुन रहे है,
वो ख़ामोशी से अमन की राह चुन रहे हैं।।

होली और महिला दिवस

कुमुद बाला,
हैदराबाद

होली और महिला दिवस दोनों का ,
अज़ब सा संयोग बना है
बुराई पर सच्चाई की विजय ,
कितना बड़ा इक योग बना है
महिलायें महिला दिवस पर कितना,
बढ़िया लेख लिख जाती हैं
छोटे कपड़े पहन ,
अपनी बातें अपरिभाषित कर जाती हैं
अंग प्रदर्शन करके क्या ,
बराबरी करने का न्याय पाओगी ?
दुर्गा-काली कहलाने वाली ,
या मंज़िल ध्येय कर पाओगी?
गर रहे लक्ष्य पर ध्यान तब कहना ,
कैसा सुंदर संयोग बना है
अगर दूरदर्शिता चले साथ तो ,
समझें अद्भुत योग बना है
बनना है तो बनो कल्पना चावला ,
नील गगन में उन्मुक्त उड़ो
अंग प्रदर्शन कर सेज पे सज मत , गाथा तुम कोई अव्यक्त बनो
बराबरी करनी है तो विवेक से , आर्यभट्ट - विवेकानंद बनो
कोमलतम का चोला पहन कर ,मत बाजारवाद का यज्ञ बनो
सृजनात्मकता की तुम जननी हो , ऐसा मधुर संयोग बना है
मत भूलो आदर्श - मर्यादा को , सोचो कैसा योग बना है
होली की हुड़दंग के बीच , अपनी लयात्मकता तुम साथ रखो
भोग्या की भावना हृदय में रख , ललकार का शंख न साथ रखो
दिल और मस्तिष्क से शीतल बनकर , विचार का दीपक साथ रखो
हर मुद्दे पे बात करो और परिपक्वता की गरिमा साथ रखो
हर हाल में गगन विशाल बनो फिर सोचो क्या संयोग बना है
वीर - वीरांगनाओं की जननी तुम , ईश का ही योग बना है
कई रंगों की होली मिलकर ही ,बाह्य गंदगी स्वच्छ कर जाती
अच्छा होता यहाँ की आबो हवा , दानवता को बदल जाती
विचारों को स्वच्छ कर जाती औ महिलाओं को सम्मान दिलाती
नर-नारी चिर-पुरातन साथी , बीच का अहंकार मिटा जाती
गर मैत्री भाव की रखें भावना , देखें क्या संयोग बना है
मानवता मुस्काती बोलेगी , वाह अविस्मरणीय योग बना है

होली

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

होली भई ब्रजराज द्वारे
आज रंग लो तुम मन सारे
लाल गुलाल अबीर उड़त है
अब रंग जाओ तुम सारे
मोह माया का पर्दा झीना
प्यार में रंग जाओ सारे
होली भई ब्रजराज
जिसकी माया से जग चलता है
आओ उसके द्वारे
कृष्ण भजो हरे कृष्ण भजो
जो जीवन को तारे
होली भई ब्रजराज द्वारे
तुम हो सारे कल्पना उसकी
उसी के हो रंग प्यारे
आज प्रकृति की गोद में बैठो
कृष्णा जपो हरि कृष्ण जपो
उसके रंग में रंग जाओ प्यारे
होली भई ब्रजराज द्वारे
तन भी रंग लो मन भी रंग लो
जीवन मूल्य को जानो
भौतिकता केवल सपना है
जाना उसी के द्वारे
होली भई ब्रजराज द्वारे
तन भी रंग लो
मन भी रंग लो प्यारे

उसका नाम स्त्री

सरिता शर्मा
बैंगलोर

सूरज से भी पहले जागना,
सबका दिन बनाने में भागना,
सिर्फ़ वही कर पाती है,
सब ओर किरणें बिखराती है.
उसका नाम स्त्री जाती है !
दूसरों की ख़ुशी में अपना जीवन तलाशना,
घर को बनाने में अपने को तराशना,
सिर्फ़ एक शिल्पी ही कर पाती है,
निर्जीव में जीवन बहाती है,
उसका नाम स्त्री जाती है!
भेदभाव से परे रहे,
दुनिया भर के ताने सहे,
सिर्फ़ एक नदिया कर पाती है,
बंजर की प्यास बुझाती है,
उसका नाम स्त्री जाती है !
कण कण से उसका नाता है,
ब्रम्हाण्ड उसमें समाता है,
कल्याणी बन गुनगुनाती है,
काली बन आज़माती है,
उसका नाम स्त्री जाती है।

कितना अच्छा होता...

मनीषा झा, मुंबई

बचपन के वो दिन काश
लौट आते तो कितना अच्छा होता।
बीते हुए पल फिर से जी पाते
तो कितना अच्छा होता।।
पहले के जैसे सब एक समान होते
तो एक दूजे के साथ होते।
मिट्टी के खिलौने से बच्चे खुश हो जाते
कितना अच्छा होता।।
नफरत की आंधियाँ सी थम जाती
प्यार की हवाएं बहने लगती।
हर तरफ काश प्यार ही प्यार होता तो कितना अच्छा होता।।
हर रिश्ते में विश्वास होता एक अटूट प्यार का बंधन होता।
सब सुख-दुख में एक दूजे के
साथ होते तो कितना अच्छा होता।।
ना किसी को अपनी अमीरी का
घमंड होता न गरीबी का दुखः।
हर एक दूसरे को सम्मान देते तो कितना अच्छा होता।।
खुशी के पल फिर से जी पाते
अपनो से जब चाहें मिल पाते।
किसी को खोने का कभी
गम नही होता तो कितना अच्छा होता।।
सबको दो वक्त की रोटी
नसीब होती न कोई प्यासे सोता।
न किसी को भूख से तड़पना
होता तो कितना अच्छा होता।।
न किसी से कोई बैर होता न कोई साजिश करते।
ना किसी बेगुनाह की खून होती तो कितना अच्छा होता।।
केवल पानी की प्यास होती, लक्ष्य पाने की आश होती।
मेहनत से सब कमाते आगे
बढ़ते तो कितना अच्छा होता।।
संघर्ष से ज़िंदगी जीते ना कभी किसी से छल करते।
ईमानदारी की एक दुनियां होती तो कितना अच्छा होता।।

आत्म विश्वास

ओमकार सर्डिवाल

कोई निरीक्षक हाथ ना हो,
संसार की कथा क्या सुनाएं।
उथल-पुथल होता जीवन,
हमारी व्यथा क्या बताएं।।
निर्भय पर निर्भर जीवन चलता,
खुद में शक्ति कहा से लाए।
साहस मन में भर कर भी,
वह आत्म विश्वास कहा से लाए।।
अधीर मन टूट चला,
राहें अब कैसे सावरू।
जो कुछ हमने सिखाता,
भय में सब कुछ बिसरू।।
चंचलता नदी का स्वभाव है,
वक्त पर वह भी शांत हो जाती।
उग्र रूप जब वह धरती है,
सब को शांत कर जाती।।
अधीर में धीर जो बने,
वही मनुष्य कहलाता।
असमंजस में जो बहता बने
वही तो पशु समान कहलाता।।
शब्द की महिमा तू ताड़,
स्वता ही स्वयंभू बन जायेगा।
मनुज, पशु प्रवृति को,
स्वता ही जान जायेगा।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

लालू परिवार के घोटाले का पूरा खेल

जिस IRCTC घोटाले की जद में लालू परिवार अटका हुआ है, उसकी कहानी शुरू होती है आज से 19 साल पहले। वो साल था 2004 और महीना मई का। लालू प्रसाद यादव कांग्रेस की यूपीए पार्ट वन सरकार में रेल मंत्री बनाए गए। करीब एक साल बाद फरवरी 2005 में रेल मंत्रालय की नजर IRCTC के दो होटलों पर जाती है और इन्हें किराए पर चलाने का फैसला लिया जाता है। ये दो होटल थे झारखंड की राजधानी रांची और ओडिशा के पुरी में। जब इन होटलों को किराए यानि लीज पर दिए जाने का फैसला लिया गया तो उसके कुछ ही हफ्तों बाद पटना में एक जमीन की खरीद-बिक्री हुई। वो भूमि सुजाता होटल्स नाम वाली एक कंपनी की थी। अखबारों में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक सुजाता होटल्स वाली कंपनी ने पटना के दानापुर के पास सगुना मोड़ पर पूरे 3 एकड़ जमीन बेची।

सुजाता से डिलाइट का कनेक्शन समझिए

जो तीन एकड़ जमीन बेची गई, उसे खरीदा था एक कंपनी ने। उस कंपनी का नाम था डिलाइट मार्केटिंग। इस जमीन को सिर्फ 1.47 करोड़ रुपयों में खरीदा गया। यहीं एक छोटा सा तथ्य है जिसने केस में अहम भूमिका निभाई। ये कंपनी थी प्रेम चंद गुप्ता की। वही प्रेम चंद गुप्ता जो लालू प्रसाद यादव के खासमखास थे और आरजेडी के राज्यसभा सांसद भी। यानि सुजाता होटल्स की जमीन को तब की एक छोटी सी कंपनी डिलाइट ने खरीद लिया। जानिए रेलवे की नौकरी के बदले जमीन के घोटाले के बारे में, जिसकी जांच के शिकंजे में फंस गया लालू परिवार

डिलाइट से लारा की पहेली

एक रिपोर्ट के मुताबिक कुछ साल बाद डिलाइट मार्केटिंग कंपनी ने खुद को ही बेच दिया। डिलाइट के सारे शेयर खरीद लिए गए। उन शेयरों को खरीदा लारा प्रोजेक्ट्स नाम की कंपनी ने। आरोप है कि लालू और राबड़ी के नाम के पहले अक्षरों से बनी इस कंपनी के मालिक तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी थे या कहिए कि हैं। उस दौरान 1.74 करोड़ रुपयों की जमीन खरीदने वाली डिलाइट ने अपने सारे शेयर सिर्फ 64 लाख रुपयों में ही बेच दिए।

लालू के मॉल तक पहुंचा पूरा खेल

इसके बाद डिलाइट को खरीदने वाली लारा कंपनी नियमों के मुताबिक 3 एकड़ वाली जमीन की मालिक बन गई। इसके बाद लारा ने फैसला किया कि इस जमीन पर एक मॉल बनवाया जाए। इसी मॉल के निर्माण पर फिलहाल हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। इस तरह से तीन एकड़ जमीन सुजाता होते हुए डिलाइट तक पहुंची और फिर लारा के कब्जे में आ गई।

IRCTC घोटाले वाला मामला

खैर, ये कहानी तो सुजाता से होते हुए डिलाइट के रास्ते लारा तक पहुंची। जब ये सबकुछ चल रहा था उसी बीच 2006 की नवंबर में रेलवे ने रांची और पुरी वाली IRCTC की होटलों को किराए पर देने के लिए ठेका निकाला। ठेके की कंडीशन्स यानि शर्तें कुछ इस तरह की थीं जिससे सुजाता होटल को ये काम नहीं मिलता। यहां आरोप ये है कि ठेका निकाले जाने के कुछ ही दिन के अंदर इसकी शर्तें बदल दी गईं। नई शर्तों ने सुजाता होटल्स का काम यहां तक पहुंचने में आसान कर दिया। इतनी जल्दी काम हुआ कि करीब एक महीने यानि 2006 की दिसंबर में सुजाता होटल्स को IRCTC के दोनों होटल किराए पर चलाने के लिए यानि लीज पर मिल गए।

सुजाता, डिलाइट और लारा की ये थी पहेली

तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और अब बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी का भी इसमें अहम रोल है। मोदी ने ही आरोप लगाया था कि सगुना मोड़ वाली जमीन की असल कीमत 94 करोड़ रुपये थी, लेकिन लालू यादव ने सुजाता होटल्स को पुरी और रांची वाले होटल लीज पर देकर बदले में ये जमीन ली। लेकिन ऐसे नहीं बल्कि सुजाता से डिलाइट और फिर लारा के जरिए। यानि कंपनी-कंपनी का खेल कर। अब इसी केस की जद में लालू परिवार फंसा हुआ है।

ईडी की छापेमारी और सियासत का साइड इफेक्ट

हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है। हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी। आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधु को भाजपाई ED ने 15 घंटों से बैठा रखा है। क्या इतने निम्नस्तर पर उतर कर बीजेपी हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेंगी? राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का ये बयान भावुक कर देने वाला है। लालू ने जब ये ट्वीट किया होगा तो उनके अंदर क्या चल रहा होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लालू के ट्वीट में उनके आहत होने की बात दिख रही है। सियासी जानकार मानते हैं कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा लालू का परिवार जब तक सत्ता में नहीं था, सबकुछ ठीक चल रहा था। बिहार में नीतीश कुमार ने लालू से हाथ क्या मिलाया। केंद्रीय एजेंसियां लालू के खिलाफ एक बार फिर एक्टिव हो गई हैं। हालांकि, बीजेपी नेता इसे सामान्य प्रक्रिया करार दे रहे हैं। वहीं, एजेंसियों की इस कार्रवाई के पीछे की मंशा को राजद ने भांप लिया है। राजद के अंदर अब एक ही सवाल चल रहा है कि 'लगा भ्रष्टाचार का दाग हटाए कैसे'। जानकारों की मानें, तो लालू के अलावा तेजस्वी को भी साफ लग रहा है कि इस झमेले से कैसे निजात मिले। एजेंसियों की कार्रवाई से लालू का पूरा कुनबा डिस्टर्ब है।

राजद नेताओं का साफ कहना है कि ईडी और सीबीआई का मकसद जांच करना नहीं है। ये लोग बिहार में सरकार बदलना चाहते हैं। राज्यसभा सांसद और पार्टी प्रवक्ता मनोज झा ने इस छापेमारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। पहले मनोज झा की वो बातें जान लीजिए जिसमें उन्होंने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ये छापेमारी के जरिए किसी और कहानी का प्लाट तैयार किया गया है। राजद नेताओं के खिलाफ छापे बिहार में पिछले साल अगस्त में सरकार बदलने की प्रतिक्रिया हैं। झा ने सवाल किया कि सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों की छवि धूमिल हुई है। यह उनकी छापेमारी नहीं है। वे किसी और की पटकथा पर छापे मार रहे हैं। उन्होंने लालू जी की बेटियों, हमारे उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के आवास पर छापे मारे। उन्हें क्या मिला? उन्होंने कहा कि एक मामला जो बंद कर दिया गया था, उसे फिर से खोला गया है। यह अगस्त 2022 में जो कुछ हुआ, उसकी प्रतिक्रिया है। झा ने कहा कि राजद प्रमुख एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि हम झुकने वाले नहीं हैं। इन सबके बावजूद लालू जी डटे हुए हैं। आपको (सरकार को) इसे रोकना चाहिए, आपने किसी विपक्षी दल या नेता को नहीं छोड़ा है। कल आप विपक्ष में हो सकते हैं और आपके साथ भी ऐसा ही हो सकता है। क्या वह उचित होगा?

लालू परिवार परेशान

आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नौकरी के बदले जमीन घोटाला' मामले में धनशोधन की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को बिहार के शहरों एवं कई अन्य जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की तीन पुत्रियों और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं के परिसरों में की गई। अधिकारियों ने कहा कि छापे पटना, फुलवारीशरीफ, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), रांची और मुंबई में लालू प्रसाद की बेटियों रागिनी यादव, चंदा यादव और हेमा यादव और राजद के पूर्व विधायक अबू दोजाना से जुड़े परिसरों में मारे जा रहे हैं। अधिकारियों ने ये भी कहा कि यह मामला यादव परिवार और उसके सहयोगियों को उपहार में दी गई या सस्ती दरों पर बेची गई जमीन के बदले रेलवे में लोगों को कथित तौर पर रोजगार देने से संबंधित है। हाल ही में इस मामले में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी दोनों से सीबीआई ने पूछताछ की थी। सियासी जानकारों की मानें, तो लालू परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप पहले से है। इन आरोपों पर कार्रवाई चल रही थी। अचानक जो एक दो दिनों के बीच शुरू हुआ है। इसे समझने के लिए आपको पीछे चलना होगा। जानकार मानते हैं कि बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा और जद (यू) ने मिलकर सरकार बनाई। हालांकि, भाजपा पर जदयू को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन से तोड़ दिया। कुमार ने बाद में राजद के समर्थन से सरकार बनाई और तेजस्वी यादव बिहार के उप मुख्यमंत्री बने।

बिहार की सियासत पर साइड इफेक्ट

राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में ईडी और सीबीआई के एक्शन का सबसे बड़ा प्रभाव बिहार की सियासत पर दिखने लगा है। जानकारों ने कहा कि लालू परिवार पर हो रही कार्रवाई को लेकर पहले भी नीतीश कुमार बोलते रहे हैं। उन्होंने मई 2022 में छापेमारी के बाद प्रतिक्रिया दी थी। उस समय वे बीजेपी के साथ सरकार में थे। नीतीश कुमार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस के लिए जाने जाते हैं। इस बार वो तेजस्वी के साथ में हैं। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जुलाई 2017 में नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ा था कुछ इसी तरह की पटकथा फिर लिखी जा रही है। उस समय इस पटकथा के सूत्रधार सुशील कुमार मोदी बने थे। सुशील कुमार मोदी ने लालू परिवार के खिलाफ 48 प्रेस कांफ्रेंस किये थे। कहा जा रहा था कि उस प्रेस कांफ्रेंस में आने वाले डॉक्यूमेंट को जेडीयू के नेता सुशील मोदी को मुहैया करा रहे थे। जेडीयू का एक गुट कतई नहीं तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन चाहता है।

सिर्फ 7 दिन में पाकिस्तान को हरा सकता है भारत

बिना एक भी गोली चलाए पाकिस्तान को घुटनों पर ला सकते हैं हम

अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट का मानना है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला भारत पाकिस्तान के उकसावे पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद भी हाल ही में कह चुके हैं कि भारतीय सेना चाहे तो सिर्फ 7 दिन में पाकिस्तान को हरा सकती है। लेकिन क्या वाकई में ये संभव है? भारत और पाकिस्तान दोनों ही परमाणु हथियारों से लैस हैं। सैन्य शक्ति में दोनों ही ज्यादा मजबूत होने का दावा करते हैं। फिर सवाल सिर्फ सैन्य शक्ति का ही नहीं है। ...आखिर पाकिस्तान को 7 दिन में हराने का मतलब क्या होगा? क्या इसका मतलब इस्लामाबाद में तिरंगा फहराना होगा? लेकिन इस हिसाब से देखें तो क्या बगदाद में अमेरिकी झंडा फहराए जाने के बाद इराक हार गया था? नहीं..., इसके बाद भी लंबे समय तक हजारों अमेरिकी फौजियों को इराकी मिलिशिया ग्रुप्स से झड़प में जान गंवानी पड़ी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आज की दुनिया में जटिल ग्लोबल इकोनॉमिक और स्ट्रैटेजिक रिश्तों के चलते सीधे युद्ध में किसी एक देश का हारना उस तरह संभव नहीं है, जैसा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी या जापान के साथ हुआ था। तो क्या NCC डे पर अपने संबोधन में जब PM नरेंद्र मोदी ने कहा कि 7 दिन में पाकिस्तान को हराया जा सकता है ...तो वो झूठ बोल रहे थे? नहीं..., वो झूठ नहीं बोल रहे थे। पाकिस्तान पर 7 दिन में जीत हासिल की जा सकती है... बस, जीत के मायने पहले तय करने पड़ेंगे। अगर भारत चाहे तो बिना एक भी गोली चलाए पाकिस्तान को हराया जा सकता है। मॉडर्न वॉरफेयर के मायने आज बदल गए है। 4 सवालों में समझिए, भारत और पाकिस्तान के बीच एक आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट यानी सैन्य संघर्ष के पीछे का गणित... क्या है। पहला अहम सवाल... क्या 7 दिन में किसी युद्ध का नतीजा तय हो सकता है? हां, संभव है...1971 की जंग भारत ने 13 दिन में जीती थी। भारत ने अपने इतिहास में दो पड़ोसियों के साथ ऐसे युद्ध लड़े हैं जो एकतरफा निर्णायक माने जाते हैं। पहला युद्ध 1962 में चीन से हुआ था। ये लड़ाई रुक-रुक कर करीब एक महीने तक चली थी। अंत में चीन ने युद्ध विराम की पेशकश की थी जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया था। इसे ही इंटरनेशनल कम्युनिटी में भारत की हार के तौर पर देखा जाता है। ठीक इसी सिद्धांत पर 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में भारत जीता था। युद्ध 3 दिसंबर, 1971 को शुरू हुआ और 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान ने सरेंडर कर दिया था। लेकिन ढाका में सरेंडर के बावजूद पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान से जंग जारी थी। उस वक्त प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान को युद्ध विराम की पेशकश की, जिसे पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया था।

दूसरा सवाल...कब माना जाए कि युद्ध में जीत हो गई? सिर्फ सरेंडर करने से युद्ध खत्म हो जाए जरूरी नहीं है। पुराने जमाने में दो राजाओं के बीच युद्ध का नतीजा तब निश्चित माना जाता था जब दोनों में से एक राजा की युद्ध में मौत हो जाए या वो सरेंडर कर दे।

द्वितीय विश्व युद्ध तक आते-आते राजा या राष्ट्राध्यक्ष के मरने या सरेंडर करने पर युद्ध पूरी तरह खत्म नहीं होते थे। द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के तानाशाह अडॉल्फ हिटलर ने 30 अप्रैल, 1945 को आत्महत्या कर ली थी। मगर युद्ध बंद नहीं हुआ। 8 मई, 1945 को बर्लिन में जर्मन नेतृत्व ने सरेंडर कर दिया। मगर इसके बाद भी यूरोप के कई हिस्सों में युद्ध जारी था। जापान ने 2 सितंबर, 1945 को आधिकारिक रूप से सरेंडर कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी एशिया के अलग-अलग हिस्सों में जापानी सेना युद्ध कर रही थी। 25 अक्टूबर, 1945 में ताइवान में अंततः जापानी सेना की अंतिम टुकड़ी ने सरेंडर किया था। यहां तक कि वियतनाम, अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के साथ ऐसा ही हुआ। कहीं भी युद्ध का निर्णायक परिणाम नहीं आ पाया। अंततः अमेरिका को सैनिक वापस बुलाने पड़े या अपनी मौजूदगी घटानी पड़ी।

जंग से पहले तय करो लक्ष्य और ...पहला मौका मिलते ही जीत डिक्लेयर करो। आधुनिक वॉरफेयर में जीत को डिफाइन करना काफी मुश्किल हो जाता है। सैन्य संघर्ष चाहे लंबा हो या कुछ घंटों का ...दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत का दावा करते हैं। भारत ने ऐसा हाल ही में गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प और पाकिस्तान के बालाकोट पर एयर स्ट्राइक के बाद देखा है। गलवान घाटी में चीन और भारत के सैनिकों की झड़प हुई। दोनों ही देशों में मीडिया ने ये दावा किया कि दूसरे पक्ष को ज्यादा नुकसान हुआ है।

बालाकोट में एयर स्ट्राइक को भारत अपनी जीत मानता है, लेकिन इसके बाद अगले दिन की झड़प में जब भारतीय पायलट अभिनंदन पाकिस्तान में बंदी बना लिए गए तो पाकिस्तान ने इसे अपनी जीत बता दिया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक कारगिल की जंग में भारत सरकार की स्ट्रैटेजिक सूझ-बूझ बेहतर थी। इस जंग में पाकिस्तान ने LOC क्रॉस की। पाकिस्तानी सेना को वापस LOC के पार खदेड़ते ही भारत सरकार ने जीत डिक्लेयर कर दी। यानी जंग या किसी भी आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट से पहले ये तय किया जाना जरूरी है कि इसका मकसद क्या है। जल्द से जल्द इस मकसद के पूरा होने की घोषणा कर जीत डिक्लेयर कर दी जाए।

भारत के पास सैन्य ताकत ज्यादा ही नहीं, ज्यादा आधुनिक भी है। अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हर युद्ध या संघर्ष, पाकिस्तान के उकसावे का ही नतीजा रहा है। अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों की एनुअल थ्रेट असेसमेंट रिपोर्ट के मुताबिक अब ऐसे किसी उकसावे पर भारत के सैन्य कार्रवाई करने की संभावना ज्यादा है। सैन्य ताकत के मामले में भारत पाकिस्तान से न सिर्फ संख्याबल में आगे है, बल्कि ज्यादा आधुनिक भी है।

भारत ने 2016 में INS अरिहंत सबमरीन को कमीशन किया। 2018 से इस सबमरीन को ऑपरेशन में भी लगा दिया गया। यह सबमरीन न्यूक्लियर मिसाइल दागने में सक्षम है। इसके अलावा युद्ध की स्थिति में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर समेत कई मोर्चों पर भारत के पास पाकिस्तान से ज्यादा आधुनिक तकनीक है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक पाकिस्तान के परमाणु जखीरे में 140 से 150 तक वॉरहेड हैं, जबकि भारत के पास 110-120 तक परमाणु वॉरहेड हैं।

न्यूक्लियर वॉरफेयर न तो पाकिस्तान चाहेगा और ना ही भारत। भारत पहले हमला न करने की नीति का पालन करता है। लेकिन पाकिस्तान पहले न्यूक्लियर हमला करे तो भी भारत अरिहंत सबमरीन के जरिये सेकेंड स्ट्राइक केपेबिलिटी रखता है।

यानी भारत परमाणु हमले का जवाब देने की क्षमता रखता है। लेकिन पाकिस्तान के पास अभी ये क्षमता नहीं है। पाकिस्तान आर्थिक मोर्चे पर सबसे कमजोर...एक झटका ही गिरा सकता है। कराची में सब्सिडी रेट पर मिल रहे आटे के लिए लोगों की ये भीड़ बता रही है कि पाकिस्तान में आर्थिक संकट की आंच आम जनता तक पहुंच चुकी है।

पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज अभी 11 हजार करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। लगातार राजनीतिक अस्थिरता के कारण पाकिस्तान की इकोनॉमी की हालत खराब है। पूर्व सैन्य अधिकारी व नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड के पहले CEO रघु रमन मानते हैं कि अगर पाकिस्तान से आर्थिक मोर्चे पर सख्ती बरती जाए तो बिना एक भी गोली चलाए उसे हराया जा सकता है। एक मीडिया हाउस के लिए लिखे आर्टिकल में रघु रमन कहते हैं कि भारत का ग्लोबल इकोनॉमिक सिनैरियो में प्रभाव ज्यादा है। रफाल बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी दैसो हो या फिर अमेरिकी कंपनी बोइंग...ये सभी भारत के बड़े ऑर्डर्स पर काफी हद तक निर्भर करते हैं।

अगर भारत अपने इस प्रभाव को पाकिस्तान के विरुद्ध इस्तेमाल करे तो वो उन बाजारों में हालात बदल सकता है जहां या तो पाकिस्तान अपने उत्पाद बेचता है या जहां से पाकिस्तान उत्पाद खरीदता है।

यूपी में एनकाउंटर जस्टिस की चर्चा तेज बा

योगी राज के 6 साल में 178 को मार गिराया मर्डर, रेप और किडनैपिंग पर कितना असर?

6 मार्च की सुबह यूपी पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन टीम ने प्रयागराज के लालपुर गांव को चारों ओर से घेर लिया। सर्च ऑपरेशन चलाकर सुबह 5.30 बजे शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। आरोप है कि उमेश पाल हत्याकांड में पहली गोली उसी ने चलाई थी। इससे पहले इसी केस के एक और आरोपी अरबाज को भी पुलिस ने इसी तरह मुठभेड़ में मार दिया था। इस साल के शुरुआती 2 महीनों में ही उत्तर प्रदेश में 9 एनकाउंटर हो चुके हैं। इसी वजह से एक बार फिर से योगी राज में एनकाउंटर जस्टिस को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पिछले 6 साल में यूपी में कितने एनकाउंटर हुए? इनमें कितने लोग मारे गए? कितने जख्मी हुए और इन मुठभेड़ से बने माहौल से क्या अपराध कम हुए? इसकी खोज बीन करती पडताल।

10,500 एनकाउंटर्स में और क्या-क्या हुआ...। इन एनकाउंटर्स में बदमाशों की गोली लगने से करीब 1400 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं, इन मुठभेड़ों में 23 हजार से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी वजह से कहा जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में क्राइम कंट्रोल करने के लिए पुलिस को खुली छूट दी है। इसके चलते सिर्फ 3 महीने में 25 मार्च 2022 से लेकर एक जुलाई 2022 तक कुल 525 एनकाउंटर हुए हैं।

यूपी से ज्यादा छत्तीसगढ़ में दर्ज हुए एनकाउंटर में मौत के मामले

8 फरवरी 2022 को संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि जनवरी 2017 से जनवरी 2022 के बीच पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद सबसे ज्यादा 191 केस छत्तीसगढ़ में दर्ज हुए। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है, जहां कुल 117 केस दर्ज हुए हैं। अब इस कथित एनकाउंटर न्याय की नीति का गंभीर अपराधों के आंकड़ों पर असर देखते हैं... । यूपी में दर्ज होने वाले अपराध के मामले कम नहीं हो रहे। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक आईपीसी के तहत दर्ज होने वाले ओवरऑल अपराध UP में घटने की बजाय बढ़ रहे हैं। 2019 में उत्तर प्रदेश में IPC की धाराओं के तहत 3,53,131 मामले दर्ज हुए। वहीं, 2020 में 3,55,110 और 2021 में 3,57,905 केस दर्ज हुए। हालांकि, कई बार ज्यादा केस दर्ज होने का मतलब ये भी होता है कि आम लोगों की पुलिस तक पहुंच आसान हुई है। इस वजह से पहले की तुलना में ज्यादा केस रजिस्टर हो रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता का कहना है कि भारत के किसी भी कानून में एनकाउंटर को जस्टिफाई या लीगलाइज नहीं किया गया है। अनुच्छेद 21 में जीवन जीने के अधिकार को एक फंडामेंटल राइट माना गया है। कानून में साफ है कि सरकार किसी इंसान से उसके जीवन जीने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ कानूनी तौर पर छीन सकती है। एनकाउंटर एक निगेटिव पहलू है। संविधान में कानून के शासन की बात कही गई है। इसका मतलब है कि किसी आरोपी को कोर्ट के फैसले के बाद ही दोषी माना जाएगा। उसे कोर्ट से ही मौत की सजा सुनाई जा सकती है। जब तक कोर्ट में कोई दोषी साबित न हो जाए, उसे निर्दोष माने जाने की बात कही गई है। विराग का कहना है कि जब कानूनी प्रक्रिया में देरी की वजह से फायदा उठाकर कोई अपराधी या माफिया बच निकलते हैं तो इससे दो गलत बातें होती हैं...। एक तो मॉब लिंचिंग जैसी घटना का बढ़ावा मिलता है। दूसरे सरकारें एनकाउंटर का शॉर्टकट इस्तेमाल करने लगती हैं। ये दोनों ही तरीके कानूनी तौर पर सही नहीं है और लॉन्ग टर्म में इसका परिणाम गलत हो सकता है। इसलिए समाज में क्राइम को रोकने का सही इलाज जल्द से जल्द न्याय और कानूनी प्रक्रिया में सुधार है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व DGP विक्रम सिंह ने कहा कि प्रयागराज के दोनों एनकाउंटर कानून की कसौटी पर एकदम सही हैं। दिन-दहाड़े इस तरह की घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों का पुलिस एनकाउंटर में मारा जाना बाकी बदमाशों के लिए एक संदेश देता है। किसी भी एनकाउंटर के दो पहलू होते हैं।

पहलाः पुलिस मुठभेड़ का कानूनी पहलूः IPC की धारा 96 से लेकर 104 तक में व्यक्तिगत सुरक्षा की बात कही गई है। इसमें जरूरत पड़ने पर अपनी या दूसरे की जान बचाने के लिए पुलिस न्यूनतम बल का इस्तेमाल कर सकती है।

दूसराः एनकाउंटर का समाजिक पहलूः एनकाउंटर अगर कानून की कसौटी पर सही अपराधी का हुआ है तो इसका सकारात्मक प्रभाव समाज में जाता है। वहीं, अगर एनकाउंटर गलत मुजरिम का हो जाए जो अपराध में सक्रिय नहीं हो तो लोगों के बीच इससे गलत मैसेज जाता है। अगर कोई सरकार इस तरह के एनकाउंटर के लिए पुलिस पर दबाव बनाती है तो इससे पुलिस का भी मनोबल कमजोर होता है। विक्रम सिंह का कहना है कि शातिर अपराधी जेल जाने से नहीं डरते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें पता होता है कि वो किसी न किसी तरह से जेल से बाहर आ जाऐंगे। वहीं, अगर उचित कानूनी तरीके से एनकाउंटर में किसी हिस्ट्रीशीटर की मौत होती है तो इससे अपराधियों के बीच डर का माहौल बन जाता है।

23 सितंबर 2014 को तब के मुख्य न्यायाधीश आर एम लोढ़ा और जस्टिस रोहिंटन फली नरीमन की बेंच ने एक फैसले के दौरान एनकाउंटर का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत किसी भी तरह के एनकाउंटर में नियमों का पालन होना जरूरी है। दरअसल, अनुच्छेद 141 सुप्रीम कोर्ट को कोई नियम या कानून बनाने की ताकत देता है। कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा था कि पुलिस एनकाउंटर के दौरान हुई मौत की निष्पक्ष, प्रभावी और स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। एनकाउंटर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की 5 खास बातें ये हैं।

1. जब भी पुलिस को किसी तरह की आपराधिक गतिविधि की सूचना मिले तो उसे केस डायरी या फिर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में रिकॉर्ड किया जाए।
2. अगर पुलिस की तरफ से गोलीबारी में किसी की मृत्यु की सूचना मिले तो इस पर तुरंत प्रभाव से धारा 157 के तहत बिना किसी देरी के कोर्ट में FIR दर्ज होनी चाहिए।
3. इस पूरे घटनाक्रम की एक स्वतंत्र जांच CID से या दूसरे पुलिस स्टेशन की टीम से करवानी जरूरी है, जिसकी निगरानी एक सीनियर पुलिस अधिकारी करेंगे। यह पुलिस अधिकारी उस एनकाउंटर में शामिल सबसे उच्च अधिकारी से एक रैंक ऊपर होना चाहिए।
4. धारा 176 के अंतर्गत पुलिस फायरिंग में हुई हर एक मौत की मजिस्ट्रियल जांच होनी चाहिए। इसकी रिपोर्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास भेजना जरूरी है।
5. जब तक स्वतंत्र जांच में किसी तरह का शक पैदा नहीं होता, तब तक NHRC को जांच में शामिल करना जरूरी नहीं है। हालांकि घटनाक्रम की पूरी जानकारी तुरंत NHRC या राज्य के मानवाधिकार आयोग के पास भेजना जरूरी है।

रविवार के दिन करें सूर्य देव को करें प्रसन्न मिलेगी विशेष कृपा

वास्तु शास्त्र में घर के अशांत माहौल को शांतिपूर्ण बनाने के लिए बहुत से उपाय व तरीके बताए गए हैं। जो घर की नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने के लिए बेहद ही लाभकारी माने जाते हैं। जैसा कि आप सब जानते हैं हर महीने का, हर दिन का अपना एक अलग महत्व होता है, ठीक उसी तरह हफ्ते के सातों दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिसमें से रविवार का दिन सूर्यदेव को समर्पित है। कहा जाता है रविवार के दिन किए गए कुछ खास उपायों से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं व अपनी कृपा दृष्टि मनुष्य पर बनाए रखते हैं। साथ ही साथ उनके आशीर्वाद से व्यक्ति के जीवन में मान-सम्मान की भी बढ़ोतरी होती है। तो ऐसे में आज हम आपको ज्योतिष शास्त्र में बताए गए कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे न केवल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है बल्कि धन से जुड़ी सारी समस्याएं भी दूर हो सकती हैं। चलिए जानते हैं

अतिथियों के रहने का कक्ष उत्तर या फिर पश्चिम दिशा के ओर होना चाहिए।

स्थिति सामान्य होने के बाद भी अगर आपको ऐसा लगता है कि हाथ में धन नहीं टिक रहा तो घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में से नीले रंग की सभी वस्तुएं हटा दें और उस दिशा में गुलाबी और नारंगी रंग का प्रयोग करें।

घर में आई नकारात्मक ऊर्जा को निकालने के लिए घर में साफ-सफाई रखना बेहद ही जरूरी है। सफाई रखने से न केवल सकारात्मक ऊर्जा घर में आएगी बल्कि लक्ष्मी माता के चरण भी आपके घर में पड़ेंगे।

पार्किंग करने के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा सबसे उपयुक्त मानी गई है।

घर की क्यारियों या गमलों में लगे हुए पौधों को नियमित रूप से पानी देना चाहिए। अगर कोई पौधा सूख जाए तो उसे तुरंत वहां से हटा देना बेहतर रहेगा।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में ओवरहेड वाटर टैंक होना लाभदायक रहता है।

दरवाजे को खोलते तथा बंद करते वक्त सावधानी से बंद करें, ताकि कर्कश (कानों को चुभने वाली) ध्वनि न निकले।

शुभ फलों की प्राप्ति के लिए घर में बने पूजा घर में नियमित रूप से पूजा-अर्चना होनी चाहिए। इस बात का खास ख्याल रखने की आवश्यकता है कि दक्षिण-पश्चिम की दिशा में निर्मित कमरे का प्रयोग पूजा-अर्चना के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

रसोईघर में गैस का चूल्हा किचन के दक्षिण-पूर्व दिशा के बीच में रखना वास्तु के अनुसार अनुकूल माना गया है।

विश्राम कक्ष में ड्रेसिंग टेबल हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए, सोते समय शीशे को ढक दें।

व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में दक्षिण दिशा की तरफ पैर करके नहीं सोना चाहिए, ऐसा करने से बेचैनी, घबराहट और नींद में कमी हो सकती है।

शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर करके न सोएं।

पूर्व दिशा में सिर एवं पश्चिम दिशा में पैर करके सोने से आध्यात्मिक भावनाओं में वृद्धि होती है।

घर या कमरों में कैक्टस के पौधे या कांटों वाली झाड़ियाँ या काँटों के गुलदस्ते साज-सज्जा के लिए सजाते हैं उनसे पूरी तरह बचना चाहिए।

घर में अग्नि से संबंधित उपकरण जहाँ तक संभव हो दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने चाहिए।

घर में लगे हुए बिजली के उपकरणों का रख-रखाव उचित ढंग से होना चाहिए, उनमें से किसी भी प्रकार की आवाज़ या ध्वनि नहीं निकलनी चाहिए।

क्या आपकी रसोई में है ये चीज़ तो आपको हो सकता है फायदा

बहुत से घरों में फिटकरी का इस्तेमाल विभिन्न तरीके से किया जाता है। कहा जाता है खड़े नमक की तरह दिखने वाली फिटकरी सेहत के लिए तो अच्छी होती है बल्कि व्यक्ति के लिए भी वरदान भी साबित होती है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार, फिटकरी का इस्तेमाल करके व्यक्ति पैसों की तंगी से छुटकारा पाने के साथ बिज़नेस-नौकरी में तरक्की पा सकता है। फिटकरी से संबंधित छोटे-छोटे उपाय करने से व्यक्ति जीवन के हर कष्ट से छुटकारा पा सकता है। तो आइए जानते हैं फिटकरी से जुड़े कुछ खास उपाय जिन्हें करने से आप अपनी समस्याओं से समाधान पा सकते हैं।

यदि आपका घर किसी कब्रिस्तान या श्मशान के पास स्थित है या फिर किसी ऐसे स्थान पर हो जहां आसपास टूटी इमारत या घर है तो वहां नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ज्यादा रहता है और ऐसे घर में कोई न कोई हमेशा बिमार रहता है। इससे बचने के लिए आप फिटकरी की प्रयोग कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर के खिड़की व दरवाजे के सामने एक कांच की कटोरी में फिटकरी के कुछ टुक्ड़े डाल कर रख दें। ये आपके घर में नकारात्मक उर्जा प्रवेश होने से रोकती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में नियमित तौर पर फिटकरी के पानी में पोछा भिगोकर लगाया जाए तो घर में निगेटिव एनर्जी खत्म हो जाती है और अच्छे फल मिलने लगते हैं।

अगर बार-बार असफलता का सामना करना पड़ रहा है, नौकरी की बात नहीं बनती तो नहाने के पानी में दो चुटकी फिटकरी मिलाकर नहा लीजिए। वास्तु कहता है कि इससे शुभ फल मिलने लगते हैं।

अगर आप लगातार आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, बनते काम बिगड़ जाते हैं, बार बार असफलता का सामना करना पड़ता है तो एक कांच की कटोरी में फिटकरी रख कर घर के किसी कोने में ऐसे रख दें कि इस पर किसी और की नजर न जा सके। इससे धीरे धीरे आर्थिक स्थितियों में सुधार आना शुरू हो जाएगा।

घर में बाथरूम यानी शौचालय या स्नानघर पर राहु का आधिपत्य माना जाता है। घर के इन हिस्सों में वास्तु दोष होने की वजह से नकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह होने की आशंका सबसे ज्यादा रहती है। ऐसे में आप बाथरूम में फिटकरी के कुछ टुकड़े एक बर्तन में भरकर रख दें। इससे आप पर राहु का बुरा प्रभा नहीं पड़ता। ध्यान रखें समय समय पर पानी व फिटकरी बदलते रहें।

घर में बच्चों को नजर लग जाती है तो अपने घर के सामने एक काले कपड़े में फिटकरी बांध कर लटका दें। इससे बच्चों पर से ही नहीं बल्कि घर पर भी बुरी नजर का साया नहीं मंडराता।

अगर व्यापार में घाटा हो रहा हो ऑफिस या दुकान के बाहर काले कपड़े में फिटकरी बांधकर लटका दे। इससे व्यापार को प्रतिद्वंदियों की बुरी नजर नहीं लगती।

क्या आप जानते हैं एक मिट्टी का घड़ा बढ़ा सकता है आपका बैंक बैलेंस

वैज्ञानिक फायदे

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक मिट्टी के घड़े में पानी से मेटाबॉलिज्म की प्रकिया को दुरुस्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है। जिससे व्यक्ति हमेशा स्वस्थ और निरोगी रहता है। बताते चलें तो मिट्टी के घड़े में स्टोर किए हुए पानी पीने से पेट संबंधी समस्याएं दूर होती है। जैसी की एसिडिटी, पेट में दर्द होना आदि।

आजकल के बदलते दौर में हर कोई मार्डन तौर-तरीकों को अपनाकर भीड़ से अलग दिखना चाहता है। हालांकि इनका चलन केवल गांव के लोगों तक ही सीमित रह गया है। इन सब के बावजूद भी पुरातन वस्तुओं का मूल्य कभी कम नहीं होगा। इसलिए हम आज की वीडियो में आपको एक ऐसी ही वस्तु के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके उपयोग से न सिर्फ शारीरिक समस्याएं दूर होंगी। बल्कि वास्तु शास्त्र में भी इसे घर पर रखना बहुत शुभ माना जाता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं मिट्टी के बने घड़े की। इसमें पीए गए पानी से शरीर निरोगी और स्वस्थ रहता है और वास्तु शास्त्र के मुताबिक इसे घर में रखने से कभी धन की कमी नहीं आती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में एक मिट्टी का घड़ा ज़रूर रखना चाहिए। ध्यान रखें कि वो घड़ा खाली नहीं होना चाहिए। हमेशा उस घड़े को पानी से ऊपर तक भरकर ही रखें। इससे आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होगा।

माना जाता है कि पानी के मटके को उत्तर दिशा मे ही रखें। वास्तु के हिसाब से इस दिशा में रखे पानी के घड़े से लाभदायक स्थितियां बनती है और वैसे भी उत्तर दिशा जल देव को समर्पित होती है।

वास्तु के अनुसार, अगर परिवार में से कोई व्यक्ति मानसिक रूप से ठीक नहीं है तो उस व्यक्ति को मिट्टी के घड़े से पौधों को पानी डालना चाहिए। ऐसा करके उस व्यक्ति का तनाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और मन को शांति मिलेगी

यही नहीं बेहतरिन रिजल्ट्स के लिए आप मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर पर रखें। इससे आपके घर में खुशहाली आएगी और घर में धन संबंधी परेशानियां से छुटकारा होगा। यही नहीं पैसों में स्थिरता भी आएगी।

इसके अलावा घर में आए दिन पैसों की बर्बादी होती रहती है।तो आप एक बार वास्तु का नियम जरूर अपनाएं। आपको बता दें कि नियमित रूप से मिट्टी के घड़े के समक्ष दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपके घर में आर्थिक संकट दूर हो जाएंगे।

हो सके तो आप अपने घर में मिट्टी की छोटी-छोटी सजावटी मटकियां रखें। इससे रिश्तों में मधुरता आएगी और घर में खुशहाली का माहौल बनेगा।

नहीं होना चाहते कंगाल तो तिजोरी के पास से आज ही हटा दें ये चीज़ें

लगभग घरों में पैसों व गहनों को रखने के लिए तिजोरी की इस्तेमाल किया जाता है। तो वहीं कुछ घरों में अलमारी के छोटे-छोटे लॉकरों का प्रयोग किया जाता है। ऐसा माना जाता है तिजोरी में धन रखने से न घर में बरकत आती है बल्कि देवी लक्ष्मी का आगमन भी होता है। लेकिन घर में रखने वाले तिजोरी का सही स्थान क्या है?

इसके पास किन चीज़ों को रखना चाहिए, किन वस्तुओं को नहीं रखना चाहिए। इस बारे में जानकारी होना बेहद आवश्यक है।

वास्तु के अनुसार तिजोरी के पास कोई भी चीज़ रखने से पहले वास्तु टिप्स को ध्यान में रखना चाहिए। तो अगर आप भी तिजोरी के पास या उसके नीचे कुछ भी चीजें रख देते हैं, तो आपके बता दें ऐसे में आप खुद अपनी कंगाली को न्यौता दे रहे हैं क्योंकि वास्तु में ऐसी कई चीज़ों का वर्णन किया गया जिसे अगर तिजोरी के पास रखा जाए तो वहां रहने वाले लोगों को कंगाल बनाने में देर नहीं लगती

तो चलिए जानते हैं क्या वो चीज़ें जिन्हें तिजोरी या पैसों वाली अलमारी के पास नहीं रखना चाहिए-

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जानकारों का कहना है कि तिजोरी के पास भूलकर भी झाड़ू नहीं रखना चाहिए।

मान्यताओं के अनुसार, तिजोरी के पास झाड़ू रखना अशुभ माना गया है। तिजोरी के पास रखी झाड़ू घर के धन का सफाया कर देती है। जिस कारण आय के स्त्रोत घटने लगते हैं। और खर्चे बढ़ने लगते हैं। साथ ही साथ धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

अगर आप तिजोरी के पास जूठे बर्तन रखते हैं तो सावधान हो जाए। क्योंकि ज्योतिष शास्त्र अनुसार, तिजोरी या अलमारी के पास जूठे बर्तनों को रखना अशुभ माना गया है। मान्यता है कि तिजोरी के पास जूठे बर्तन रखने से इसका सीधे तौर पर बुरा प्रभाव आपकी आय संपत्ति पर पड़ता है। अलमारी के पास रखे जूठे बर्तन आपको कंगाल बना देते हैं। इसलिए भूलकर भी ऐसी गलती न करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि गलती से भी जूठे हाथों से तिजोरी को हाथ न लगाएं। शास्त्रों के अनुसार, जूठे व गंदे हाथों से अलमारी में बनी तिजोरी। को हाथ लगाना सबसे बड़ी गलती मानी गई है। जिससे आपको आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है।

हिंदू धर्म का मान्यताओं के अनुसार तिजोरी में मां लक्ष्मी का वास होता है। तो ऐसे में भूलकर भी तिजोरी के अंदर या उसके बाहर काले कपड़े का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यदि आप काले कपड़े का इस्तेमाल करते हैं तो इससे धन की देवी मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती है। यहां तक कि तिजोरी में पैसे या ज्वैलरी को भी काले कपड़े में बांधकर नहीं रखना चाहिए। काले रंग को अशुभता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए शुभ या मांगलिक कार्यों में भी इसे प्रयोग करने से बचना चाहिए।

जिस अलमारी में आपका लॉकर है, पर्स है या फिर जिस अलमारी में आप धन संग्रह करते हैं, उस अलमारी के नीचे जूते-चप्पलों का ढेर भूलकर भी नहीं लगाना चाहिए। अलमारी के आस-पास या नीचे जूते चप्पल रखने से देवी लक्ष्मी क्रोधित हो जाती है। और धन का नाश होना शुरू हो जाता है।

भारत में है विश्व का 'इकलौता मंदिर' जो ग्रेनाइट के पिलर पर है खड़ा

वैसे तो भारत में कई विश्वस्तरीय मंदिर स्थापित हैं। लेकिन प्रयागराज और प्रतापगढ़ के बॉर्डर पर बना 'भक्ति धाम मंदिर' अलौकिक और अद्वितीय है। खास बात यह है कि ये मंदिर ग्रेनाइट के पिलर पर खड़ा है। इसका निर्माण अहमदाबाद के मशहूर आर्किटेक्ट ने बनाया था। यह जमीन से 108 फीट ऊंचा है। इसकी हाथ से भव्य नक्काशी की गई है। जिसकी छटा देखते ही बनती है। मंदिर प्रबंधन करने वाली संस्था श्री कृपालुजी परिषद के सचिव हिरण्यमय चटर्जी के मुताबिक यह विश्व का पहला ऐसा मंदिर है जो ग्रेनाइट के पिलर पर खड़ा है।

प्रतापगढ़ जिले के कुंडा तहसील के मनगढ़ ग्राम स्थित भक्ति धाम मंदिर श्री कृष्ण के प्रति अगाध श्रद्धा प्रेम और भक्ति को दर्शाने वाला दिव्य धाम है। प्रयागराज से लखनऊ जाने वाले राजमार्ग से मंदिर की कुल दूरी करीब 6 किलोमीटर है जो कुंडा से उत्तर दिशा में खंडवारी जाने वाले मार्ग पर स्थित है। मंदिर में राधा कृष्ण के दर्शन के लिए साल भर देश विदेश से श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। खास बात यह भी है कि 100 से अधिक देशों में इस मंदिर के भक्त अपनी गहरी आस्था रखते हैं। आम दिनों में भी लगभग पांच हजार श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन और पर्यटन के लिए आते हैं।

कृपालु महाराज ने बनवाया था मंदिर

मनगढ़ में भक्ति धाम मंदिर जगद्गुरु कृपालुजी महाराज ने बनवाया था। 26 अक्टूबर सन 1996 में उन्होंने इसकी नींव रखी थी। अहमदाबाद के मशहूर अर्कीटेक्ट ने भक्ति और श्रद्धा का भाव समेटे इस मंदिर को सन 2005 में तैयार किया था। जिसका उसी वर्ष नवंबर माह की 17 तारीख को कृपालु महाराज ने उद्घाटन भी किया था। कृपालु महाराज जी का जन्म 5 अक्टूबर 1922 में मनगढ़ में ही हुआ था बताते हैं कि जहां आज भक्ति मंदिर है वही कभी उनका घर हुआ करता था।

बेजोड़ स्थापत्य कला का है नमूना

बाबागंज विकासखंड के मनगढ़ गांव स्थित भक्ति धाम बेजोड़ स्थापत्य कला का नमूना है। मंदिर की बाहरी दीवार गुलाबी बलुई पत्थरों से बनी है, जिनमें बेहतरीन चित्रकारी की गई है । जबकि भीतर बरामदे और मंदिर की छत में मकराना मार्बल और ग्रेनाइट पत्थरों का इस्तेमाल हुआ है। इस मंदिर में तीन मुख्य द्वार है जो मंदिर के तीन तरफ खुलते हैं। जबकि मुख्य हाल में तकरीबन ढाई दर्जन दरवाजे हैं, दीवारों पर राधा कृष्ण के जीवन से संबंधित मधुर प्रसंग यह आने वाले हर किसी श्रद्धालुओं का मन मोह लेता है। मंदिर के निचले तल के मुख्य हॉल में श्री कृष्ण और राधा रानी के साथ उनकी आठ करीबी सखियों अष्ट महाशक्ति के जीवन प्रसंगों का सुंदर चित्रण किया गया है, जबकि मंदिर के पहले तल पर सीताराम राधा रानी व कृष्ण बलराम से जुड़े प्रसंगों को भी प्रदर्शित किया गया है।

देश विदेश से आते हैं लोग

मुख्य भवन में दो खंड है एक में श्री कृष्ण और राधा रानी के जीवन चरित्र से जुड़े प्रसंग और दूसरों में जगद्गुरु कृपालु जी महाराज के जीवन से जुड़े प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया है। भक्ति धाम मंदिर में राधा अष्टमी और श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा पर एक माह तक सत्संग का आयोजन होता है। इन मौके पर देश-विदेश से राधा कृष्ण के भक्त और कृपालु जी महाराज के शिष्य भारी संख्या में जुड़ते हैं। मंदिर प्रांगण तकरीबन तीन किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। वर्तमान में इस मंदिर का प्रबंधन जगदगुरू कृपालु परिषद करता है जिसका संचालन उनकी बेटियां डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी, डॉक्टर श्यामा और डॉक्टर कृष्ण त्रिपाठी करती हैं।

अनमोल वचन

जब समुंद्र में पानी रहता है तो मछलियां चींटियों को खाती है,
और जब समुंद्र में पानी नही रहता है तो चींटियां
मछलियों को खाती है,
मौका सब को मिलता है,
बस अपनी बारी का इंतजार करो।

******

सुबह होने तक फूलों को भी पता नही होता है,
की उन्हें मंदिर जाना है या फिर कब्र पर,
इसलिए जिंदगी जैसी भी हो,
उसे हंसी खुशी से जीना चाहिए।

******

दो हाथों से हम पचास लोगों को नही मार सकते है,
लेकिन दो हाथ जोड़कर हम करोड़ो लोगों का दिल जीत सकते है।

एक महात्मा भ्रमण करते हुए नगर में से जा रहे थे। मार्ग में उन्हें एक रुपया मिला। महात्मा तो विरक्त और संतोषी व्यक्ति थे। वे भला उसका क्या करते ? अतः उन्होंने किसी दरिद्र को यह रुपया देने का विचार किया। कई दिन तक वे तलाश करते रहे, लेकिन उन्हें कोई दरिद्र नहीं मिला।

एक दिन उन्होंने देखा कि एक राजा अपनी सेना सहित दूसरे राज्य पर चढ़ाई करने जा रहा है। साधु ने वह रुपया राजा के ऊपर फैंक दिया। इस पर राजा को नाराजगी भी हुई और आश्चर्य भी। क्योंकि, रुपया एक साधु ने फैंका था इसलिए उसने साधु से ऐसा करने का कारण पूछा।

साधु ने धैर्य के साथ कहा- 'राजन ! मैंने एक रुपया पाया, उसे किसी दरिद्र को देने का निश्चय किया। लेकिन मुझे तुम्हारे बराबर कोई दरिद्र व्यक्ति नहीं मिला, क्योंकि जो इतने बड़े राज्य का स्वामी होकर भी दूसरे राज्य पर चढ़ाई करने जा रहा हो और इसके लिए युद्ध में रक्तपात करने को तैयार हो, उससे ज्यादा दरिद्र कौन होगा ?'

राजा का क्रोध शांत हुआ और अपनी भूल पर पश्चाताप करते हुए उसने वापस अपने देश को प्रस्थान किया। हमें सदैव संतोषी वृत्ति रखनी चाहिए। संतोषी व्यक्ति को अपने पास जो साधन होते हैं, वे ही पर्याप्त लगते हैं। उसे और अधिक की भूख नहीं सताती।

बॉडीकॉन ड्रेस में कयामत ढा रहीं पलक

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। अपनी हॉटनेस से कहर बरपाने वाली पलक तिवारी स्ट्रैपलेस गाउन में नजर आ रही हैं। डीपनेक आउटफिट में पलक तिवारी अपनी क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं, उनकी क्लीवेज पर फैंस की निगाहें टिकी हैं। एक्ट्रेस अपनी अदाओं और अदाएगी से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर धमाल मचाती हैं। पलक फिल्म 'रोजीः द सैफ्रॉन चैप्टर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। इसके अलावा वो सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में भी नजर आने वाली हैं।

कौन हैं 'केजीएफ' स्टार यश की पत्नी राधिका पंडित ?

बनना चाहती थीं टीचर, अब 12 करोड की मालकिन हैं

'केजीएफ' और 'केजीएफ 2' के सुपरस्टार एक्टर यश, लाखों यंग फीमेल फैंस के दिलों की धड़कन हैं. लेकिन इस स्टार की धड़कन अपनी पत्नी राधिका पंडित के लिए धड़कता है. सोशल मीडिया पर यश अपने पत्नी और बच्चों के साथ समय-समय पर तस्वीरें शेयर करते रहते हैं, लेकिन हर किसी की नजर उनकी पत्नी राधिका पंडित पर ही जाकर टिक जाती है. कौन हैं राधिका पंडित? कई सोशल मीडिया यूजर्स के दिमाग में यही सवाल होता है. तो चलिए आज हम आपको इस सवाल का जवाब देते हैं और बताता हैं कि आखिर राधिका कौन हैं ? और कैसे उनकी शादी यश से कैसे हुई?

कौन हैं राधिका पंडित?

राधिका पंडित का जन्म 7 मार्च, 1984 को बेंगलुरू में हुआ था, बीते दिनों उन्होंने अपना 39वा जन्मदिन मनाया. किसी एक्ट्रेस सी खूबसूरत राधिका पंडित खुद भी एक अभिनेत्री रह चुकी हैं, हालांकि यश से शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली. राधिका के एक्ट्रेस बनने का भी किस्सा बड़ा मजेदार है, वो फिल्मों में नहीं आना चाहती थी, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था. बहुत कम लोग जानते हैं कि राधिका एक टीचर बनना चाहती थीं, लेकिन उनकी किस्मत उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री तक ले आई.

टीचर बनना चाहती थीं राधिका

राधिका ने बिना ऑडिशन दिए अपना पहला टीवी शो हासिल किया और देखते ही देखते वो टॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस बन गईं. राधिका ने बी.कॉम से ग्रेजुएशन किया है. राधिका एक फिल्मी परिवार से आती हैं, उनके पिता कृष्णा पंडित सारस्वत फिल्म और स्टेज परफॉर्मर हैं. हालांकि राधिका टीचर बनना चाहती थीं. उन्होंने पढ़ाई के दौरान ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था, उनके एक दोस्त ने उन्हें टीवी शो के लिए अप्रोच किया था. हालांकि ये शो राधिका को बिना ऑडिशन ही मिल गया. इसके बाद उन्होंने दूसरे टीवी सीरियल में काम किया.

राधिका ने अपना फिल्मी सफर डायरेक्टर शशांक की फिल्म 18th क्रास से की और फिर उन्हें मोग्गिना मनसु में भी कास्ट किया गया. यश और राधिका ने पहली बार फिल्म 'ड्रामा' में काम किया, जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं. दोनों पहले अच्छे दोस्त बने और फिर यश ने राधिका को डरते-डरते प्रपोज कर दिया. किसी तरह हिम्मत जुटाकर यश ने राधिका को फोन पर प्रपोज किया और 12 अगस्त, 2016 को दोनों ने गोवा में सगाई की. फिर 9 दिसंबर, 2016 को बैंगलोर में दोनों ने शादी कर ली. दोनों की एक बेटी आयरा और बेटा यथर्व है. एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी संपत्ति 11.9 करोड़ रुपये से अधिक है. अपनी फिल्मों के लिए वो 50 लाख रुपये चार्ज करती थीं.

गुलाबी ऑफ-शोल्डर ड्रेस में इशिता दत्ता ने ढाया कहर

पिंक कलर की ब्रालेट एडेड लहंगे में एक्ट्रेस इशिता दत्ता बेहद ही स्टनिंग और गॉर्जियस लग रही हैं। ऑफ शोल्डर आउटफिट में एक्ट्रेस इशिता दत्ता गजब की बला लग रही हैं, उनकी बोल्ड तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल और मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस अपना गजब का कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं।

आंखों पर ब्लू शेड मेकअप में वो गजब की बला लग रही हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं। साथ ही उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। स्विमिंग पूल के किनारे वॉक करके एक्ट्रेस इशिता दत्ता ने कई किलर पोज दिए, जो फैंस को काफी भा रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों से सोशल मीडिया का पारा हाई है। एक्ट्रेस इशिता दत्ता सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस को उनकी तस्वीरें काफी पसंद आती हैं। दृश्यम मूवी के बाद इस मूवी के सीक्वल में इशिता दत्ता बेहद ही कमाल की लग रही हैं।

'खतरों के खिलाड़ी सीजन 13' का हिस्सा नहीं बनेंगी उर्फी, इस वजह से ठुकराया रोहित शेट्टी का शो

उर्फी जावेद को सोशल मीडिया सेंसेशन ऐसे ही नहीं कहा जाता है। वह हर दिन अपने नए लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर आग लगाती रहती हैं। अक्सर वह अतरंगी लिबास में लिपटी नजर आ जाती हैं। इस वजह से कई बार उर्फी को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है। पिछले दिनों चर्चा थी कि उर्फी जावेद खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में नजर आने वाली हैं। यह भी कहा जा रहा था कि मेकर्स ने इसके लिए उर्फी को अप्रोच भी किया था, लेकिन अब खबर आ रही है कि उर्फी जावेद इस शो का हिस्सा नहीं होंगी। हालांकि इसके पीछे भी काफी बड़ी वजह है।

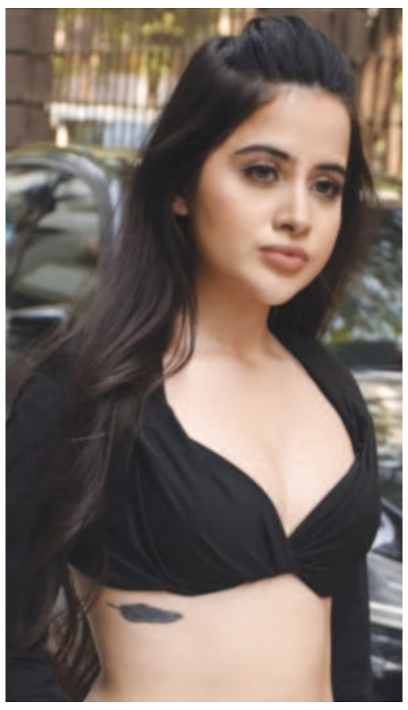

अपने अतरंगी फैशन के कारण लगातार लाइमलाइट में बनी रहने वाली उर्फी पिछले काफी समय से खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 की टीम के साथ बातचीत कर रही थीं। सिर्फ इतना ही नहीं उर्फी इस शो को करने के लिए काफी उत्साहित भी थीं, लेकिन अब वह इस शो का हिस्सा नहीं हो पाएंगी। दरअसल पिछले काफी समय से उर्फी किसी बड़े प्रोजेक्ट को लेकर भी बातचीत कर रही थीं, जो कि खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 से पहले फाइनल हो चुकी है।

किसी नए बड़े प्रोजेक्ट के ऑफर को स्वीकार करने के कारण ही उर्फी खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 का हिस्सा नहीं रहेंगी। हालांकि वह प्रोजेक्ट क्या है अभी तक इस बारे में उन्होंने खुलासा नहीं किया है। बता दें कि पिछले दिनों उर्फी जावेद बड़े फैशन डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला के लिए मॉडल बनी थीं। इतना ही नहीं वह इनकी पार्टी में भी नजर आई थीं।

अबू जानी और संदीप खोसला के बारे में उर्फी ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अबू जानी संदीप खोसला द्वारा ड्रेस डिजाइन किए जाने पर मैं थ्रिल हूं। वो जो करते हैं उसमें मास्टर्स हैं और उन्होंने मैं जो हूं उसकी एक्सेप्टेंस के साथ मुझे और ज्यादा एम्पावर महसूस कराया है। कोई भी डिजाइनर मुझे कपड़े नहीं देता था, इसलिए मैंने अपने कपड़े बनाने शुरू कर दिए। अबू और संदीप ने मेरे लिए इसे बदल दिया'। अबू और संदीप खोसला का साथ मिलने के बाद ही इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि उर्फी के हाथ कोई नया प्रोजेक्ट लगा है और अब तो यह साफ भी हो गया है। हालांकि बहुत जल्द उर्फी अपने फैंस के लिए इसकी जानकारी साझा करेंगी। बता दें कि उर्फी जावेद आखिरी बार स्प्लिट्सविला एक्स4 में मिसचीफ मेकर के रूप में नजर आई थीं।

आठ नेशनल अवॉर्ड विजेता श्याम बेनेगल की दोनों किडनी खराब 88 साल के बेनेगल बोले-घर पर डायलिसिस चल रहा

सबसे ज्यादा नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड श्याम बेनेगल के नाम है। फिल्म मेकर श्याम बेनेगल की दोनों किडनी खराब हो गई हैं। 2 दिन पहले ही मेडिकल टेस्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। उनका इलाज घर पर चल रहा है और डायलिसिस भी जारी है। बेनेगल ने खुद अपनी तबीयत खराब होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मैं स्वस्थ नहीं हूं। डॉक्टर ने आराम करने की सलाह दी है। मेरा मेडिकेशन चल रहा है। अभी हाल ही में घर पर डायलिसिस हुआ है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें किडनी से ही जुड़ी समस्या है।

ऑफिस वालों ने कहा- कुछ दिन पहले तक उनकी तबीयत ठीक थी

श्याम के दफ्तर वालों ने भी कहा कि कुछ दिन पहले तक साहब की तबीयत तो ठीक थी। यकीनन वे पिछले दो-तीन दिन से नहीं आ रहे। दरअसल, वे लगातार अपने प्रोजेक्ट्स प्लान कर रहे थे। उनकी बांग्लादेश सरकार के साथ 'मुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशन' नाम की फिल्म बनकर तैयार है। यह फिल्म बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति मुजीबुर्रहमान की जिंदगी पर आधारित है। हालांकि, विवादों के चलते उसकी रिलीज लगातार टल रही है। मुजीब के अलावा उन्होंने कोई और प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया है।

श्याम की फिल्मों ने 8 नेशनल अवॉर्ड जीते

श्याम बेनेगल ने जुबैदा, द मेकिंग ऑफ द महात्मा, नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगोटन हीरो, मंडी, आरोहन, वेलकम टु सज्जनपुर जैसी दर्जनों बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। उनकी फिल्मों ने 8 नेशनल अवॉर्ड जीते हैं। उन्हें दादा साहब फाल्के सम्मान भी मिल चुका है।

24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 1500 एड फिल्म्स

श्याम अब तक 24 फिल्में, 45 डॉक्यूमेंट्री और 15 एड फिल्म्स बना चुके हैं। फिल्म जगत को दिए योगदान के लिए इन्हें 1976 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इसके अलावा इनके खाते में 8 नेशनल अवॉर्ड हैं। सबसे ज्यादा नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड इन्हीं के नाम है। इन्हें 2005 में भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। 1991 में इन्हें पद्म भूषण दिया गया था।

गुरु दत्त के कजिन हैं श्याम बेनेगल

श्याम सुंदर बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद के मिडिल क्लास परिवार में हुआ। ये मशहूर एक्टर और फिल्ममेकर गुरुदत्त के कजिन हैं। श्याम के पिता को स्टिल फोटोग्राफी का शौक था। श्याम भी अक्सर बच्चों की तस्वीरें लिया करते थे। अर्थशास्त्र में एम.ए. करने के बाद वे फोटोग्राफी करने लगे। पहली फिल्म 'अंकुर' बनाने से पहले उन्होंने एड एजेंसियों के लिए कई एड फिल्में बनाई थीं। फिल्म और एड बनाने से पहले श्याम बतौर कॉपी राइटर काम किया करते थे।

कई दिग्गज कलाकारों को बॉलीवुड में लॉन्च किया

बेनेगल की फिल्मों ने भारतीय सिनेमा को बेहतरीन कलाकार दिए, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अमरीश पुरी, अनंत नाग, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और सिनेमैटोग्राफर गोविंद निहलानी शामिल हैं। जवाहरलाल नेहरू और सत्यजीत रे पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के अलावा उन्होंने दूरदर्शन के लिए धारावाहिक 'यात्रा', 'कथा सागर' और 'भारत एक खोज' का भी निर्देशन किया।

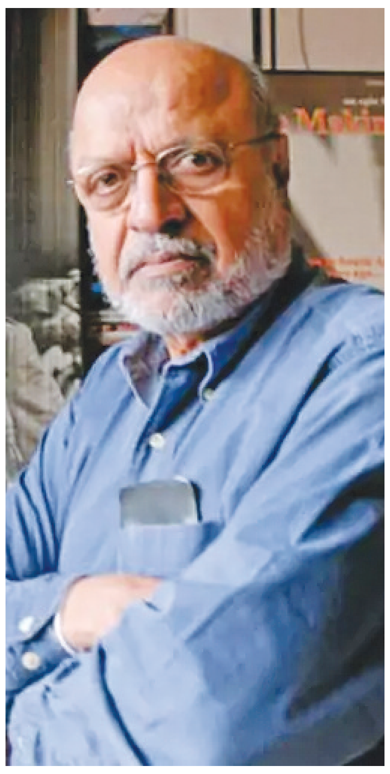

90 साल बाद भी कायम है देविका का एक रिकॉर्ड : को-स्टार के साथ भागीं, बोल्ड इतनी थीं कि पति के पास लौटने के लिए रखी कई शर्तें

हिंदी सिनेमा की फर्स्ट लेडी और ड्रेगन लेडी कही जाने वालीं देविका रानी। यह उनका 29वीं डेथ एनिवर्सरी है। 29 साल पहले 9 मार्च 1995 को देविका का 85 साल की उम्र में निधन हो गया था। ये उस दौर में फिल्मों में आईं, जब महज तवायफें ही फिल्मों में महिलाओं की खानापूर्ति किया करती थीं। समाज के खिलाफ देविका ने न सिर्फ इंडस्ट्री में जगह बनाई बल्कि पहली फीमेल सुपरस्टार भी कहलाईं। बोल्ड इतनी थीं कि खुलेआम शराब, सिरगेट का सेवन किया करती थीं। इन्होंने 1933 की फिल्म कर्मा में 4 मिनट लंबा किसिंग सीन दिया था, सबसे लंबे किसिंग सीन का ये रिकॉर्ड आज भी कायम है। इनका ड्रेसिंग सेंस भी उस जमाने में बेहद बोल्ड और खतरनाक समझा जाता था। विदेश में भारतीय सिनेमा को पहचान दिलाने का क्रेडिट भी इन्हीं को दिया जाता है। 30-40 के दशक में इन्होंने करीब 15 फिल्मों में काम किया और कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया।

बड़ी उपलब्धियों के बावजूद देविका अपने बोल्ड अंदाज के लिए अक्सर विवादों में रहीं। अपनी शर्तों पर जीने वाली देविका ने शादीशुदा होने के बावजूद इन्होंने को-स्टार के साथ रहने का फैसला किया। पति को छोड़ा, तो इनपर लगे सारे पैसे डूब गए, फिल्में रुक गईं। पति ने इन्हें दोबारा साथ लाना चाहा तो इन्होंने कई शर्तें रखी थीं।

देविका रानी की डेथ एनिवर्सरी पर पढ़िए उनकी उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी की दिलचस्प कहानी-

रविंद्रनाथ टैगोर की रिश्तेदार थीं, 9 साल की उम्र में इंग्लैंड पढ़ने गईं

विशाखापट्टनम के पास स्थित वलतायर के बड़े जमींदार के घर जन्मीं देविका के पिता मद्रास प्रेसीडेंसी के पहले सर्जन थे। पढ़े-लिखे परिवार से ताल्लुक रखने वालीं देविका को महज 9 साल की उम्र में इंग्लैंड के बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया। पढ़ाई पूरी कर देविका ने रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट, लंदन में दाखिला लिया। कई डिजाइनिंग कोर्स कर देविका ने 1927 में टेक्सटाइल डिजाइनिंग में जॉब शुरू किया। देविका की दादी सुकुमारी देवी, ठाकुर रविंद्रनाथ टैगोर की बहन थीं।

कैसे रखा फिल्म जगत में पहला कदम?

देविका रानी की मुलाकात 1928 में फिल्ममेकर हिंमाशु राय से हुई। हिमांशु उस समय लंदन में अपनी फिल्म द थ्रो ऑफ डाइस की शूटिंग कर रहे थे। देविका के काम से इम्प्रेस होकर हिमांशु ने उन्हें अपना प्रोडक्शन हाउस जॉइन करने का प्रस्ताव दिया। देविका राजी हो गईं और उनके प्रोडक्शन के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और आर्ट डायरेक्शन करने लगीं।

हिमांशु राय को दिल दे बैठीं थी देविका

साथ काम करते हुए देविका रानी और हिमांशु राय एक दूसरे को दिल दे बैठे। हिमांशु, देविका से 16 साल बड़े थे, लेकिन इसके बावजूद दोनों ने 1929 में शादी कर ली। थोडे दिनो के बाद दोनों बर्लिन में रहने लगे, लेकिन जब भारत में फिल्में बनना शुरू हुईं तो दोनों भारत लौट आए।

कर्मा से बनीं भारत की पहली नायिका

हिमांशु राय ने भारत आकर कर्मा (1933) फिल्म बनाई। इस फिल्म में देविका रानी नायिका बनीं और हीरो बने हिमांशु। उस समय फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए इतना बुरा समझा जाता था कि नायिका के रोल भी आदमी ही काम किया करते थे। कर्मा फिल्म रिलीज हुई और देविका रानी स्टार बन गईं। उन्हें स्टार सितारा कहा जाने लगा।

जहां एक तरफ फिल्म को पसंद किया जा रहा था वहीं दूसरी तरफ फिल्म में दिखाए गए 4 मिनट के किसिंग सीन से कई विवाद भी खड़े हुए। ये सीन देविका और हिमांशु के बीच ही फिल्माया गया था। विवादों के बावजूद देविका के कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने फर्स्ट लेडी ऑफ इंडियन सिनेमा बनकर इतिहास रच दिया।

शादीशुदा होने के बावजूद को-स्टार को दिल दे बैठीं देविका

साल 1934 में देविका और हिमांशु ने बॉम्बे टॉकीज की स्थापना की। ये इंडस्ट्री का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो था। जवानी की हवा (1935) के बाद हिमांशु ने देविका रानी और नज्म-उल-हसन को लेकर दूसरी फिल्म जीवन नैया शुरू की। लेकिन, जैसे ही देविका और नज्म के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं तो हिमांशु ने फिल्म रोक दी। देविका, नज्म के साथ चली गईं और फिल्म रुक गई। फिल्म रुकने से हिंमाशु के पैसे डूब गए। कर्जदार पैसे लेने खड़े थे, लेकिन हीरोइन के बिना फिल्म बनना संभव नहीं था।

शशधर मुखर्जी जो उस समय प्रोडक्शन के साउंड इंजीनियर थे, ने देविका को समझाया और सुलह करने के लिए वापस बुला लिया। देविका, शशधर को भाई मानती थीं, तो बात काट नहीं सकीं। उस समय तलाक को कानूनी दर्जा नहीं मिला था और पति को छोड़कर रहने वाली महिलाओं को ठीक नहीं समझा जाता था।

पति के पास लौटने के लिए रखी खास शर्त

हिमांशु के पास लौटने के लिए देविका ने शर्त रखी कि उन्हें हर फिल्म में काम करने के लिए फीस मिलेगी, लेकिन घर का पूरा खर्च अकेले हिमांशु उठाएंगे। बॉम्बे टॉकीज दिवालिया होने की कगार पर थी। फिल्म रुकने से कर्ज में डूबे हिमांशु देविका की सारी शर्तें मान गए। समाज को दिखाने के लिए दोनों साथ तो रहे लेकिन दोनों के बीच काम के अलावा कोई रिश्ता नहीं बचा था। जीवन नैया से नज्म-उल-हसन को हटाकर अशोक कुमार को लिया गया, जो उस समय लेब्रोरट्री असिस्टेंट थे। देविका-अशोक कुमार की जोड़ी दूसरी बार अछूत कन्या में साथ दिखी। ये फिल्म हिंदी सिनेमा के लिए बैंचमार्क साबित हुई। अछूत कन्या को ही भारत में छुआछूत के खिलाफ आंदोलन की जमीन तैयार करने वाली फिल्म माना जाता है। तीसरी बार दोनों जीवन प्रभात में साथ आए जिसमें अशोक कुमार से ज्यादा देविका को तारीफें मिलीं। साल 1949 में हिमांशु राय के निधन के बाद देविका ने बॉम्बे टॉकीज की जिम्मेदारी शशधर मुखर्जी के साथ ली। इसके बाद उन्होंने अनजान, किस्मत जैसी हिट फिल्में प्रोड्यूस कीं।

दिलीप कुमार को दिलाई इंडस्ट्री में जगह

साल 1944 में देविका रानी ने बॉम्बे टॉकीज में काम करने वाले दिलीप कुमार को ज्वार भाटा फिल्म में काम दिया। वो देविका ही थीं, जिन्होंने युसुफ खान को दिलीप कुमार नाम दिया। कुछ ही सालों में अशोक कुमार और शशधर मुखर्जी ने देविका से अलग होकर अपना नया प्रोडक्शन हाउस फिल्मिस्तान बना लिया। इंडस्ट्री का सपोर्ट न मिलने पर देविका ने इंडस्ट्री छोड़ दी।

दूसरी शादी कर चली गईं इंडस्ट्री से दूर

इंडस्ट्री छोड़ने के बाद देविका ने रशियन पेंटर स्वेतोस्लाव रोरिच से शादी कर ली। दोनों मनाली में आम जिंदगी जीने लगे। साल 1958 में देविका को पद्मश्री मिला। 1969 में देविका दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। 1993 में पति रोरिच की मौत के एक साल बाद 9 मार्च 1994 को देविका का निधन हो गया।

मनाली के पास बसे नग्गर में देविका रानी की याद में एक म्यूजियम भी बनाया गया है। यहां उनके पति रोरिच की बनाई कुछ यादगार पेंटिंग्स भी हैं। मौत के बाद देविका की अस्थियां ब्यास नदी में विसर्जित की गई, वहीं अस्थियों का कुछ हिस्सा उनके पति रोरिच की आर्ट गैलेरी के बाहर लगे नींबू के पेड़ के नीचे डाली गई थीं, जहां वो अक्सर घंटों मेडिटेशन किया करती थीं।

विस्तृत व्यापार समझौते को समय से पहले अंतिम रूप दिया जाएगा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौते का दायर बढ़ाने के लिए हो रही बातचीत इस साल के अंत तक पूरा करना चाहता हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इस मसले पर दोनों देशों ने शनिवार को अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और आट्रेलिया के समकक्ष डॉन फारेल के बीच बातचीत के दौरान इस मसले पर चर्चा की गई। फारेन ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी

अल्बानीज के साथ भारत के आधिकारिक दौरे पर आए हुए हैं। पिछले वर्ष 29 दिसंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता लागू किया था। दोनों देश इन दिनों एक विस्तृत आर्थिक सहकारिता समझौते को अंतिम रूप देने पर बातचीत कर रहे हैं। गोयल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इसीटीए भारत और ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक जुड़ाव का पहला चरण था। अब हम बातचीत के दूसरे चरण में प्रवेश कर रहे हैं। इस दौर में हम बातचीत को एक विस्तृत दायरे में ले जाएंगे। इससे पहले 10 मार्च को भारत ऑस्ट्रेलिया समिट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा था कि दोनों देश सीईसीए को 2023 तक अंतिम रूप देना चाहते हैं।

इंफोसिस के प्रेसिडेंट मोहित जोशी का इस्तीफा

टेक महिंद्रा के होंगे अगले एमडी और सीईओ, 20 दिसंबर से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। इंफोसिस के प्रेसिडेंट मोहित जोशी ने इस्तीफा दे दिया है। मोहित अब टेक महिंद्रा के मेनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ होंगे। मोहित जोशी जून तक इंफोसिस में काम करेंगे। मोहित जोशी पिछले 22 साल से इंफोसिस में काम कर रहे थे। वे साल 2000 में इंफोसिस से जुड़े थे। इंफोसिस ने बताया है कि 11 मार्च, 2023 से मोहित छुट्टी पर रहेंगे और कंपनी के साथ उनका आखिरी दिन 09 जून, 2023 होगा। इंफोसिस की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक मोहित के पास कंपनी के सॉफ्टवेयर, फाइनेंशियल सर्विस, हेल्थ केयर, लाइफ साइंस बिजनेस की जिम्मेदारी थी।

20 दिसंबर ये संभालेंगे टेक महिंद्रा की कमान

मोहित जोशी को 20 दिसंबर 2023 से कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में डायरेक्टर बनाया जाएगा। मोहित जोशी 19 दिसंबर 2028 से कंपनी के एमडी पद को संभालेंगे। मोहित ने इंफोसिस से पहले एबीएन एमरो, एएनजेड ग्रिंडलेज कंपनी में काम किया है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी से किया एमबीए

मोहित जोशी ने फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमबीए किया है। वहीं इसस पहले सेंट स्टीफंस कॉलेज, दिल्ली से हिस्ट्र में ग्रेजुएशन किया था। मोहित साल 2014 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम दावोस के यंग ग्लोबल लीडर प्रोग्राम से भी जुड़े थे। इसके अलावा वह यंग प्रेसिडेंट ऑर्गनाइजेशन के भी सदस्य हैं। इससे पहले हाल ही में इंफोसिस के पूर्व प्रेसिडेंट रवि कुमार ने भी इस्तीफा दे दिया था। वह आईटी कंपनी कॉग्निजेंट के सीईओ बन गए थे। रवि कुमार ने इंफोसिस में 20 सालों तक

कंपनी के प्रेसिडेंट और सीओओ के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बढ़ा दोनों कंपनियों का मुनाफा

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में टेक महिंद्रा कंपनी का मुनाफा और आमदनी दोनों में बढ़ोतरी हुई थी। साल 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही के मुकाबले साल 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,290 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,300 करोड़ रुपए हो गई। इस दौरान कंपनी की आमदनी 13,130 करोड़ रुपए से बढ़कर 13,730 करोड़ रुपए हो गई। वहीं इंफोसिस का प्रॉफिट भी बीती तिमाही में बढ़ा है।

अक्टूबर-दिसंबर 2022-23 की अवधि के दौरान नेट प्रॉफिट 13.4% बढ़कर 6,586 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, एक साल पहले की तिमाही में यह 5,809 करोड़ रुपए था। वहीं, जुलाई-सितंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट 6021 करोड़ रुपए था। सालाना आधार पर इंफोसिस का रेवेन्यू 31,867 करोड़ रुपए से 20% बढ़कर 38,318 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, सितंबर तिमाही के 36538 करोड़ से 5% बढ़ा।

आप भी करते हैं क्रिप्टो में ट्रेड,तो पड़ सकता है ईडी और इनकम टैक्स का छापा

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार क्रिप्टोकरेंसी को लेकर शुरुआत से सख्त रही है।अब इसे लेकर कानूनों को और कड़ा बनाया जा रहा है।इस क्रम में सरकार ने इस तरह के एसेट्स में ट्रेडिंग की कई गतिविधियों को मनी लॉन्ड्रिंग कानून के दायरे में ला दिया है।इसका मतलब हुआ कि अब ऐसी गतिविधियों पर सरकारी एजेंसियों की रडार रहेगी।एक ताजा गजट अधिसूचना के अनुसार, वैसे तमाम वर्चुअल डिजिटल एसेट्स, जिन्हें आम तौर पर क्रिप्टोकरेंसी के नाम से जाना जाता है, उनमें ट्रेडिंग की कई गतिविधियां अब मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून यानी पीएमएलए के दायरे में आएंगी।आसान शब्दों में कहें तो आने वाले समय में क्रिप्टोकरेंसी में किया जाने वाला ट्रेड प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और आयकर विभाग जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को न्यौता दे सकता है.यह पहला मौका नहीं है, जब सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सख्ती बरती हो।इससे पहले भी सरकार अलग-अलग मौकों पर कई बार ऐसी करेंसी को लेकर सख्त रवैया अपना चुकी है। पिछले साल बजट में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी के लेन-देन से हुई कमाई पर 30 फीसदी का भारी-भरकम इनकम टैक्स लगाया था।इसके बाद पिछले साल जुलाई में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी पर 01 फीसदी टीडीएस भी लागू कर दिया था।

रूसी कच्चे तेल को लेकर भारत और चीन में बढ़ा मुकाबला, जानें कितनी कीमत पर हो रही खरीद

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। रूस के सस्ता कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारतीय रिफाइनरी कंपनियों और चीनी कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। दोनों देशों की कंपनियों में जारी प्रतिस्पर्धा के बीच रूस ने कच्चे तेल के निर्यात में भी कुछ कमी की है, जिसके चलते रूस के कच्चे तेल के दाम भी बढ़ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च महीने में चीन रूस से रिकॉर्ड मात्रा में कच्चे तेल का आयात करने वाला है। वहीं अप्रैल माह में भारतीय रिफाइनरी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायारा एनर्जी ने रूस के 33 ईएसपीओ क्रूड कार्गोज में से पांच को खरीद लिया है। मार्च महीने में भारतीय कंपनियों ने सिर्फ एक कार्गो को खरीदा था, जो अप्रैल में बढ़कर पांच हो गया है। वहीं नवंबर 2022 में भारतीय कंपनियों ने रूसी कच्चे तेल के तीन कार्गो खरीदे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल में डिलीवर होने वाले कच्चे तेल को भारतीय कंपनियों ने दुबई से आयात होने वाले कच्चे तेल के मुकाबले पांच डॉलर प्रति बैरल कम की दर से खरीदा है। आमतौर पर भारतीय रिफाइनरी रूस से कच्चे तेल की खरीद डिलीवरी के आधार पर कर रही हैं और इसके तहत तेल बेचने वाले देश को ही तेल के इंश्योरेंस, माल और जहाज का इंतजाम करना होता है। बढ़ती मांग के चलते रूस के कच्चे तेल की कीमतें भी अब बढ़कर 60 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। भारत और चीन की कंपनियों में रूसी तेल खरीदने को लेकर जारी प्रतिस्पर्धा के कारण डिस्काउंट भी कम हुआ है। मार्च में जहां 8.50 डॉलर प्रति बैरल का डिस्काउंट मिला था, वहीं अप्रैल में यह घटकर 6.80 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। बता दें कि यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके चलते रूस अपने कच्चे तेल को डिस्काउंट रेट पर बेच रहा है। जिसका फायदा उठाते हुए भारत और चीन ने रूस से होने वाले कच्चे तेल के आयात को कई गुना बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल फरवरी तक भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर करीब 35 हजार करोड़ रुपए की बचत की है। बीते वित्तीय वर्ष में भारत का रूस से आयात होने वाला कच्चा तेल कुल आयात का महज दो फीसदी था, जो वित्तीय वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान बढ़कर 16

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

सोना 56 हजार और चांदी 62 हजार के नीचे आई, कैरेट के हिसाब से जानें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 6 मार्च को सोना 56,108 रुपए पर था जो अब 11 मार्च को 55,669 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 439 रुपए कम हुई है।

चांदी भी 62 हजार के नीचे आई

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में ढ़ाई हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 64,293 रुपए पर थी जो अब 61,791 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,502 रुपए कम हुई है।

अप्रैल में सोने की डिमांड बढ़ने की उम्मीद

आईआईएफएल सिक्युरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि घरेलू बाजार में फिजिकल डिमांड कमजोर है। मार्च तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रह सकती है। अप्रैल में अक्षय तृतीया है, इसी महीने नवरात्रि भी पड़ रही है। नवरात्रि में नए साल की शुरुआत में लोग खरीदारी करते हैं। इसलिए अप्रैल में फिजिकल डिमांड की उम्मीद है।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	05-00 बजे
चंद्र-	तुला	में	मीन...	06-38 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	08-14 बजे
बुध-	कुंभ	में	वृष--	09-58 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	11-58 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	14-11 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-23 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	18-30 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	20-36 बजे
			वृश्चिक.	22-47 बजे
			धनु.....	00-59 बजे
			मकर..	03-06 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-बसंत दिशाशूल- पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी **- 22 -01** उपरान्त षष्ठी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , रविवार **Mar 12**
नक्षत्र -स्वाति - **07 -59** - तक उपरान्त विशाखा
योग - व्याघात **-18 - 41** - तक उप हर्षण
करण- कौलव - **10 - 07** - तक उप- तैतिल
विशेष:- श्रीरंगपंचमी,मिथुन मे मंगल रात से
व्रत -त्योहार - मेष मे शुक्र - **08-27** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:55 से 18:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:30 - 07:57	अशुभ	शुभ.	18:24 - 19:54	शुभ
चंचल	07:57 - 09:27	शुभ	अमृत	19:54 - 21:25	शुभ
लाभ	09:27 - 10:56	शुभ	चंचल	21:25 - 22:55	शुभ
अमृत	10:56 - 12:26	शुभ	रोग	22:55 - 00:26	अशुभ
काल	12:26 - 13:56	अशुभ	काल.	00:26 - 01:56	अशुभ
शुभ.	13:56 - 15:25	शुभ	लाभ	01:56 - 03:26	शुभ
रोग	15:25 - 16:55	अशुभ	उत्पात	03:26 - 04:57	अशुभ
उत्पात	16:55 - 18:21	अशुभ	शुभ	04:57 - 06:27	शुभ

यूएस का सिलिकॉन वैली बैंक बंद:लगातार घाटे और फंडिंग न मिलने से शेयर 60% गिरे

अमेरिकी इतिहास में बैंक डूबने का दूसरा बड़ा मामला

कैलिफोर्निया, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक-सिलिकॉन वैली बैंक को रेगुलेटर्स ने बंद करने का आदेश दिया है। कैलिफोर्निया के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन और इनोवेशन ने ये आदेश जारी किया है। बैंक की मूल कंपनी एसवीबी फाइनेंशियल ग्रुप के शेयरों में 9 मार्च को करीब 60% की गिरावट आई। इसके बाद इसे कारोबार के लिए रोक दिया गया। ये अमेरिका के इतिहास में 2008 के वित्तीय संकट के बाद अब तक का सबसे बड़ा फेल्योर हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, एसवीबी के शेयर गिरने की वजह से पिछले 2 दिनों में अमेरिकी बैंकों को स्टॉक मार्केट में 100 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। वहीं यूरोपियन बैंकों को 50 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को सिलिकॉन वैली बैंक टेकओवर करने की घोषणा की। इसके साथ ही उसे ग्राहकों का पैसा सुरक्षित रखने की भी जिम्मेदारी दी गई है। सिलिकॉन बैंक अब 13 मार्च को खुलेगा जिसके बाद सभी इंश्योर्ड डिपॉजिटर्स के पास अपने डिपॉजिट्स निकालने की छूट होगी।

2.5 करोड़ रुपए तक की जमा राशि ही होगी वापस

बैंक के पास 2022 के आखिर तक 209 अरब डॉलर की संपत्ति और 175.4 अरब डॉलर की जमा राशि थी। इसमें से 89% राशि इंश्योर्ड नहीं थी। ग्राहकों की 250,000 डॉलर(2.5 करोड़ रुपए) तक की जमा राशि को एफ.डी.आई.सी इंश्योरेंस में कवर किया गया है। यानी बैंक बंद होने के बाद भी ये पैसा ग्राहक को वापस मिल जाएगा। वहीं अभी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जिन जमाकर्ताओं के खातों में इससे ज्यादा रकम जमा है उन्हें उनका सारा पैसा वापस मिलेगा या

नहीं। हालांकि, एफडीआईसी ऐसे ग्राहकों को एक सर्टिफिकेट देगा। इसके तहत फंड रिकवर होने के बाद इन्हें सबसे पहले पैसे लौटाए जाएंगे।

सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने को सिलसिलेवार तरीके से समझिए

सिलिकॉन वैली बैंक के पास 2021 में 189 अरब डॉलर डिपॉजिट्स थे। सिलिकॉन वैली बैंक ने पिछले 2 सालों में अपने ग्राहकों के पैसों से कई अरब डॉलर के बॉन्ड खरीदे थे, लेकिन इस इन्वेंस्टमेंट पर उसे कम इन्टरेस्ट रेट के चलते उचित रिटर्न नहीं मिला। इसी बीच फेडरल रिजर्व बैंक ने टेक कंपनियों के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी। एसवीबी के ज्यादातर ग्राहक स्टार्ट-अप्स और टेक कंपनियां थीं जिन्हें कारोबार के लिए पैसों की जरूरत थी। ऐसे में वो बैंक से पैसे निकालने लगीं। ब्याज दर बढ़ने की वजह से टेक कंपनियों में निवेशक कम हो गए। फंडिंग नहीं मिलने से कंपनियां बैंक से अपना बचा हुआ पैसा भी निकालने लगीं। लगातार विड्रॉअल की वजह से बैंक को अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। 8 मार्च को एसवीबी ने बताया कि उसने बैंक की कई सिक्योरिटीज को घाटे में बेचा है। साथ ही अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने के लिए उसने 2.25 अरब डॉलर के नए शेयर बेचने की घोषणा की। इससे कई बड़ी कैपिटल फर्मों में डर का माहौल बन गया और फर्मों ने कंपनियों को बैंक से अपना पैसा वापस लेने की सलाह दी। इसके बाद गुरुवार को एसवीबी के स्टॉक में गिरावट आई, जिससे दूसरे बैंकों के शेयर्स को भी भारी नुकसान हुआ। शुक्रवार की सुबह तक इन्वेस्टर न मिलने पर एसवीबी के शेयरों को रोक दिया गया। इसके अलावा कई अन्य बैंक शेयरों को भी शुक्रवार को अस्थायी रूप से रोक दिया गया, जिनमें फर्स्ट रिपब्लिक, पीएसीवेस्ट बैनकॉर्प और सिग्नेचर बैंक शामिल हैं।

भारतीय कंपनियों पर भी होगा असर

बैंक के बंद होने से कई भारतीय स्टार्ट-अप्स पर भी असर पड़ेगा। एसवीबी ने भारत में करीब 21 स्टार्टअप में निवेश किया है। एसवीबी का भारत में सबसे अहम निवेश एसएएएस-यूनिकॉर्न आईसर्टिस में है। अक्टूबर 2022 में एसवीबी ने इस कंपनी में करीब 150 मिलियन डॉलर इन्वेस्ट किए थे। इसके अलावा एसवीबी ने ब्ल्यूस्टोन, पेटीएम, वन97 कम्युनिकेशन्स, पेटीएम मॉल, नापतोल, कारवाले, इनमोबि और लॉयल्टी रिवाड्र्ज जैसी कंपनियों में भी पैसे लगाए हैं।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

पारिवारिक समस्याओं को अपनी पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पोषण करने वाले जोड़े के रूप में पुनः पुष्टि करने के लिए कुछ समय व्यतीत करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और शांति सद्भाव के स्पंदनों को महसूस करेंगे। यह आपको एक दूसरे के साथ बातचीत में अधिक सहजता और स्वतंत्रता देगा।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

भावनाओं का पारा चढ़ेगा- आपका बर्ताव आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा- आप तत्काल परिणाम की तलाश में हैं, इसलिए निराशा आपको जकड़ सकती है। धन की आमद पूरे दिन बनी रहेगी, लेकिन दिन के अंत में आप महसूस कर सकते हैं कि बहुत अधिक खर्चा हो गया है। आने वाले मेहमान आपकी शाम को व्यस्त रखेंगे।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। पैसों के निवेश और बचत के संबंध में आज आपको अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की ज़रूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी। परिवार और मित्रों के साथ आनंदमय समय व्यतीत होगा।

कर्क — ही, हू ,हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

लंबी यात्रा से बचने की कोशिश करें क्योंकि आप यात्रा करने के लिए बहुत कमजोर हैं। जिन लोगों ने कर्ज लिया था, उन्हें आज चुकाने में परेशानी हो सकती है। कोई पुराना मित्र शाम को आपसे मुलाकात कर पुरानी यादों को ताजा कर सकता है। चंद्रमा की स्थिति के कारण आपके प्रेम जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

बाहरी गतिविधियां आज थकाने वाली और तनावपूर्ण रहेंगी। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसों की बचत शुरू कर देनी होगी। दोस्त और क़रीबी आप पर मदद का हाथ बढ़ाएंगे। रोमांस कार्ड पर है लेकिन कामुक भावनाएं फूट सकती हैं जो आपके रिश्ते को खराब कर सकती हैं।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

पत्नी आपको प्रफुल्लित कर सकती है। हालांकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि फिजूलखर्ची या अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें। अनावश्यक वाद-विवाद परिवार में तनाव पैदा कर सकता है। याद रखें तर्क-वितर्क से मिली जीत असल मायने में जीत नहीं होती।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

खुद को बेहतर बनाने के प्रोजेक्ट कई तरह से रंग लाएंगे- आप अपने बारे में बेहतर और आत्मविश्वासी महसूस करेंगे। आज आपको यह बात समझ में आएगी कि कई बार निवेश करना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देने वाला होता है।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी आर्थिक स्थिति खराब होने की संभावना है। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करें।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आपके लिए सरासर खुशी और आनंद - जैसा कि आप जीवन का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हैं। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है, वे पैसों को लेकर चिंतित हो सकते हैं और अपने किसी दोस्त से उधार मांग सकते हैं। किसी दोस्त की समस्या आपको ख़राब और चिंतित कर सकती है।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आध्यात्मिक के साथ-साथ शारीरिक लाभ के लिए भी ध्यान और योग फायदेमंद साबित होगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे हाथ से फिसलने न दें। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें। अच्छे मानवीय मूल्यों के साथ एक गर्म दिल और दूसरों का मार्गदर्शन करने और उनकी मदद करने की सहज इच्छा।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आज अतीत के ग़लत फ़ैसले हताशा और मानसिक उथल-पुथल की ओर ले जाएंगे- आप फंसे रह सकते हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे क्या करना है-दूसरों की मदद लें। महत्वपूर्ण लोग किसी भी चीज को वित्त करने के लिए तैयार होंगे जिसमें इसका एक विशेष वर्ग होगा।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज ख़ुद पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम नज़र आ रही है और आपको ज़रूर आराम की ज़रूरत है। निवास स्थान के संबंध में किया गया निवेश लाभदायक रहेगा। माता का रोग कुछ चिंता दे सकता है। आपको उसका ध्यान बीमारी से हटाकर कुछ अन्य चीजों की ओर मोड़ने और उसकी बीमारी को कम करने की जरूरत है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राहत के बावजूद दरें बढ़ाना जारी रख सकता है आरबीआई

खाने की चीजें सस्ती हुईं, रिटेल महंगाई घटने की उम्मीद बढ़ी

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। खाने-पीने की चीजों के दाम कुछ कम होने से फरवरी में महंगाई दर घटने का अनुमान है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के बास्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की ही होती है। बीते माह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में गेहूं जैसे खाद्यान्न के भाव घटे हैं। सरकार ने सप्लाई भी बढ़ाई है। इसका असर खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर दिखेगा, लेकिन बढ़ती ब्याज दरों के मामले में राहत मिलने के आसार नहीं हैं। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर कुछ कम होने के बावजूद रिजर्व बैंक के टारगेट से ऊपर ही रहेगी।

इसकी वजह से मौद्रिक नीति की सख्ती जारी रहने का अनुमान है। दरअसल महंगाई पर लगाम लगाने के अस्थायी प्रयासों के बावजूद पिछले साल सामान्य से ज्यादा गर्मी के चलते कुछ फसलों का उत्पादन घटा था। ऐसे में निकट भविष्य में महंगाई ज्यादा ही रहने की आशंका है। 43 अर्थशास्त्रियों के बीच 2 से 9 मार्च तक कराए गए एक सर्वे में बीते माह रिटेल महंगाई दर 6.35% रहने का अनुमान लगाया गया है। इसके मुकाबले जनवरी में महंगाई 6.52% रही थी।सोसायटी जनरल के अर्थशास्त्री कुणाल कुंडू ने कहा कि अगली कुछ तिमाहियों तक महंगाई ज्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन इसके कम होने की रफ्तार धीमी रहेगी। पिछले साल रुपए में 10% से ज्यादा गिरावट का असर भी महंगाई पर दिख सकता है।खाने की चीजें और एनर्जी को छोड़कर कोर इन्फ्लेशन में फिलहाल कोई कमी नजर नहीं आ रही। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक फरवरी में ये 6% की सीमा से ऊपर ही रहेगी।इसके चलते आरबीआई की मौद्रिक नीति में ढिलाई की संभावना नहीं है।

नीति आयोग ने गोमूत्र-गोबर पर जारी की रिपोर्ट:कहा- खेती के लिए इस्तेमाल किया जाए, कैमिकल खाद इंसानी सेहत के लिए खतरनाक

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति आयोग) ने शुक्रवार को कहा कि खेती के लिए गोबर और गोमूत्र-आधारित फॉर्मेशन इस्तेमाल किया जाना चाहिए। साथ ही वित्तीय सहायता के जरिए गौशालाओं को मदद दी जानी चाहिए। ये रिपोर्ट आयोग के सदस्य रमेश चंद ने जारी की है। उन्होंने कहा कि साउथ एशियन एग्रीकल्चर की अनूठी ताकत फसलों के साथ पशुधन में मर्ज है। पिछले 50 सालों में इनऑर्गेनिक फर्टिलाइजर के इस्तेमाल से गंभीर प्रभाव सामने आए हैं। इससे मिट्टी, खाने की क्वालिटी, पर्यावरण और इंसानों के स्वास्थ्य पर खतरनाक असर पड़ रहा है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि

ऑर्गेनिक और बायो फर्टिलाइजर के प्रोडक्शन और प्रमोशन के साथ गौशालाओं में सुधार किया जाना चाहिए। डॉ निलम पटेल ने कहा कि मवेशी भारत में पारंपरिक कृषि का एक अहम अंग हैं। गौशालाएं प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं। मवेशियों के वेस्टेज से कृषि रसायनों को बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि मवेशियों के वेस्टेज का इस्तेमाल सर्कुलर इकोनॉमी का एक उदाहरण है, जिससे इनकम का भी विचार आया। टीम ने स्थायी खेती को बढ़ावा देने और वेस्ट टू वेल्थ पहल में गौशालाओं की भूमिका के बारे में अपने अनुभव और विचार साझा किए।

अल्लाह मियां की फौज, जिसमें अकेली महिला को एंट्री नहीं

जालीदार टोपी, टखनों तक पायजामा, क्या है कोरोना में बदनाम हुई तबलीगी जमात की असलियत?

नई दिल्ली, 11 मार्च। (एक्सक्लूसिव डेस्क) मुस्लिमों की एक ऐसी जमात, जिनका विरोध उनके ही धर्म के लोग करते हैं। जालीदार टोपी, खुली दाढ़ी, टखनों तक पायजामा और ढीला कुर्ता, इनकी पहचान है। इन्हें अल्लाह मियां की फौज कहते हैं। ये कई-कई दिन, कई-कई महीने या पूरे साल गश्त पर रहते हैं। इनका एक ही नारा है- अपनी जान, अपना सामान।

ये तबलीगी जमात के लोग हैं। कोरोना के दौरान इनका नाम खूब चर्चा में रहा।

सुबह 7 बजे का वक्त। जगह दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में दुनिया की सबसे बड़ी इस्लामिक संस्था तबलीगी जमात का मरकज यानी हेडक्वार्टर। दुनियाभर में कहीं आने-जाने से पहले लोग इसी मरकज में आते हैं।

गुलाब के फूलों की लड़ियां, इत्र, दातून, सुरमा और जालीदार टोपियां दुकानों पर सजी हैं। बिरयानी की खुशबू मुझे अपनी तरफ खींच रही है। शाही टुकड़ा और शीरमाल परोसा जा रहा।

सफेद रंग की 7 मंजिला इमारत में अंदर जाने के लिए दो दरवाजे हैं। एक दरवाजे पर काफी चहल-पहल है। लोग अंदर आ रहे हैं, बाहर जा रहे हैं। दूसरे दरवाजे पर इक्का-दुक्का लोग ही नजर आ रहे हैं।

भारत में मुख्य रूप से तीन इस्लामिक जमात हैं। जमात ए इस्लामी हिंद, जमीयत उलेमा ए हिंद और तबलीगी जमात। बाकी दोनों जमातों में महिलाएं कामकाज के सिलसिले में अकेले आती-जाती हैं, लेकिन तबलीगी जमात के ऑफिस में अकेली महिला नहीं आ सकती।

जमात के ऑफिस के बाहर एक गन्ने के जूस वाले की दुकान है। कुछ देर के लिए मैं दुकान पर बैठ जाती हूं और यहां आ-जा रहे लोगों की एक्टिविटी समझने की कोशिश करती हूं।

कुछ लोग ई-रिक्शा में सवार होकर यहां आ रहे हैं, कुछ लोग ऑटो में बैठकर तो कई लोग पैदल। मैंने दुकानदार से पूछा कि हर दिन यहां कितने लोग आते होंगे? दुकानदार ने बताया- इसकी गिनती मुश्किल है। सैकड़ों लोग हर दिन यहां आते-जाते हैं।'

मेरे पास तबलीगी जमात के बारे में एक किताब 'इनसाइड द तबलीगी जमात' थी। मैं दुकान पर बैठकर किताब पढ़ने लगी। कुछ देर बाद 15-16 साल के युवकों का एक ग्रुप दुकान पर आया।

मैंने उनसे पूछा- आप लोग कहां के रहने वाले हो?

जवाब मिला- बागपत के।

कितनी उम्र का व्यक्ति जमात से जुड़ सकता है?

15 साल की उम्र से लेकर किसी भी उम्र तक का।

मैं उन युवकों से पूछती हूं कि तबलीगी जमात कैसे काम करती है?

पहले वे असहज हो जाते हैं। फिर जब मेरी हाथ में जमात से जुड़ी किताब दिखते हैं, तो बातचीत के लिए तैयार होते हैं।

वे बताते हैं, 'हम हापुड़ गए थे। अभी वहीं से लौटे हैं। हमारे ग्रुप में एक अमीर होता है। वह ग्रुप का लीडर होता है। हम लोग अपनी हैसियत के मुताबिक घर से रुपए लेकर आते हैं। यहां आने पर हमसे पूछा जाता है कि आप लोग जमात लेकर जाना चाहते हो या काम करके लौटे हो।

अगर हम जमात लेकर जाना चाहते हैं, तो हमसे पूछा जाता है कि आपके पास कितने रुपए हैं। जितनी रकम हमारे पास होती है, उसके मुताबिक हमें रुख यानी डायरेक्शन बताया जाता है कि फलां जगह चले जाइए।

हमारी जमात का एक नारा है- अपनी जान, अपना सामान। इसका मतलब है किसी जगह जाने के लिए खुद ही खर्च उठाना पड़ता है और सुरक्षा भी खुद करनी पड़ती है। जाने से पहले तीन दिन हम मरकज में रहते हैं। इसमें जहां हमें जाना होता है, उस जगह की जानकारी दी जाती है। गश्त के नियम बताए जाते हैं।'

तबलीगी जमात को लेकर यह भी कहा जाता है कि इन्हें बाकी दुनिया में क्या चल रहा है, उससे कोई मतलब नहीं। यही वजह भी है कि इस्लाम की बाकी संस्थाएं इन्हें बहुत पसंद नहीं करती हैं।

कहा जाता है कि भारत-पाक बंटवारे, बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराने, शाहबानो केस, गुजरात

दंगा के बाद भी इस जमात पर कोई खास असर नहीं हुआ। इन युवाओं से बातचीत में भी मुझे साफ पता चला कि इन्हें दुनियादारी से कोई मतलब नहीं है।

मैंने युवाओं से पूछा- अभी तो आप लोगों की पढ़ने की उम्र है, घर के लोग मना नहीं करते घूमने से?

हम अल्लाह की बात करने के लिए निकले हैं। घरवाले इसके लिए मना नहीं करते।

आप लोगों की उम्र कम है, लोग आपकी बात मान जाते हैं?

जवाब मिला- दीन और अल्लाह की बातें सबसे बड़ी होती हैं। हम लोग अल्लाह की बातें करते हैं और उनकी बात हर कोई मानता है। चाहे वह छोटा हो या बड़ा।

यहां से जाने पर कहां रुकते हैं, लोगों से क्या कहते हैं?

हम जहां जाते हैं, उस गांव की मस्जिद में रुकते हैं। गांव के लोग ही हमारे लिए खाने-पीने की व्यवस्था करते हैं। इसके बाद हम घर-घर जाते हैं, लोगों से कहते हैं कि आप मस्जिद आइए, रोज पांच वक्त की नमाज पढ़िए। हम नमाज करने का तरीका सिखाते हैं। जरूरी आयतें याद करवाते हैं। (नमाज के लिए छोटी तीन या एक बड़ी आयत याद करनी होती है।)

बातचीत के बाद इनका ग्रुप मरकज के अंदर चला जाता है।

मुस्लिम धर्म गुरु मौलाना खालिद रशीद बताते हैं, 'यह दुनिया की सबसे बड़ी इस्लामिक जमात है। 150 देशों में इसके करोड़ों सदस्य हैं। एक गश्त में आठ से दस लोग होते हैं।

उसमें एक अमीर होता है, वह टीम लीडर होता है। कहीं जाने पर टीम लीडर ही बात करता है और बाकी लोग सुनते हैं। इनकी कोशिश होती है कि कोई नया आदमी इनसे जुड़े और तीन दिनों तक मस्जिद में इनके साथ रहे।'

क्या महिलाएं जमात में शामिल होती हैं?

मौलाना खालिद रशीद बताते हैं, 'हां महिलाएं जमात में शामिल होती हैं, लेकिन उन्हें अपने पति के साथ मरकज और गश्त में जाना होता है। अकेली महिला को गश्त में जाने की इजाजत नहीं है। गश्त के दौरान बाकी लोग मस्जिद में रुकते हैं, लेकिन महिलाएं गांव में किसी मुस्लिम परिवार के घर में ठहरती हैं।'

क्या मैं गश्त में शामिल हो सकती हूं?

जवाब मिलता है- नहीं।

तब्लीगी जमात पर कोविड के बाद आई किताब 'इनसाइड द तबलीगी जमात' के लेखक जिया उस सलाम बताते हैं, 'यह ऐसी संस्था है, जो कभी कागजों पर काम नहीं करती। इनकी कोई वेबसाइट नहीं है, कोई रजिस्टर नहीं है, कोई लेखा-जोखा नहीं है।

इनके सदस्यों के नाम की कोई सूची नहीं है, ये कभी मीडिया में नहीं जाते हैं, कभी कोई प्रेस नोट जारी नहीं करते हैं। इसके बाद भी पूरी दुनिया में इनके समागम या सालाना मीटिंग्स होती हैं।

बांग्लादेश के बाद भारत के भोपाल में तबलीगी जमात का सबसे बड़ा समागम (इश्तिमा) होता है। कौन क्या करेगा, कहां जाएगा, क्या नहीं करेगा पूरी दुनिया के तबलीगी जमात में यह बात जुबान से ही फैलाई जाती है। इसका मैनेजमेंट हमें बताता है कि आज के हाईटेक युग में भी 1920 के दशक की तरह काम कैसे किया जा सकता है।

हालांकि इस जमात के ज्यादातर लोग गरीब परिवारों से हैं। वे अशिक्षित हैं। इसके चलते कई लोगों का शोषण भी हो जाता है।' आम मुसलमान कुरआन और हदीस पढ़ते हैं। (हदीस पैगंबर मोहम्मद की उन बातों का संग्रह है, जो उन्होंने सहाबा (पैगंबर के सहयोगी) से उनके किसी सवाल के जवाब में कही थीं।), लेकिन इस जमात के लोग कुरआन के अलावा फजाइल-ए-अमाल को भी तरजीह देते हैं, जबकि बाकी मुसलमानों के लिए जो है वो कुरआन है।

इसकी बड़ी वजह यह है कि कुरआन अरबी लैंग्वेज में है, ज्यादातर लोग इसे समझ नहीं पाते। इसलिए कुरआन की कुछ आयतों को ट्रांसलेट करके फजाइल-ए-अमाल में शामिल किया गया है।

तबलीगी जमात क्यों बनी और कैसे?

इस्लामिक स्कॉलर और जमात ए इस्लामी हिंद के सचिव सैय्यद तनवीर अहमद बताते हैं, 'बीसवीं सदी की शुरुआत में स्वामी दयानंद सरस्वती, हिंदू धर्म में वापसी का अभियान चला रहे थे। दूसरी तरफ कई ऐसे मुसलमान थे, जो हिंदू धर्म से आए थे और इस्लाम को ठीक से फॉलो नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि उन्हें इस्लाम के बारे में जानकारी नहीं थी। ऐसे लोगों को इस्लाम के बारे में शिक्षित करने के लिए मुहम्मद इलियास कांधलवी ने 1927 में तबलीगी जमात की शुरुआत की। तबलीगी का मतलब अल्लाह का संदेश होता है। जबकि जमात का मतलब लोगों का समूह। यानी एक ऐसा समूह जो अल्लाह के संदेशों का प्रचार-प्रसार करे।'

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की टीम में होगा बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फेरबदल का किया इशारा अमरजीत भगत को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ कांग्रेस की टीम में बड़ा बदलाव हो सकता है। संगठन में बड़े बदलावों का इशारा खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया है। शनिवार को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भूपेश बघेल की मुलाकात हुई। जिसमें छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में बदलाव को लेकर चर्चा हुई है। भूपेश बघेल रायपुर लौटते ही एयरपोर्ट पर कहा कि, संगठन में फेरबदल होने जा रहा है। इस पर विस्तार से चर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष से हुई है। प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व से बदलाव होने की संभावना है। अमरजीत भगत को बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। संगठन में बदलाव को लेकर भूपेश बघेल ने अपने इनपुट राष्ट्रीय अध्यक्ष को दे दिए हैं। मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के बीच खींचतान की खबरें भी आती रही है। हालांकि

दोनों नेता हमेशा पार्टी को परिवार बताते हुए किसी भी तरह की गुटबाजी या नाराजगी से इनकार करते रहे हैं।

कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर लॉबिंग भी शुरू हो चुकी है। प्रदेश संगठन में होने वाले बदलाव का सीधा असर टिकटों के बंटवारे पर पड़ेगा। टिकट बंटवारे में जाहिर तौर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की राय अहम होगी। लिहाजा संगठन में ऐसे लोगों को प्रमुख पद दिए जा सकते हैं जो इस मुद्दे पर एक राय होकर काम कर सकें।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस बात की भी चर्चा है कि अमरजीत भगत को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। वह इस समय प्रदेश सरकार में खाद्य मंत्री भी हैं। और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी भी माने जाते हैं।

कांग्रेस के नए संविधान के मुताबिक होंगे बदलाव

कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हाल ही में रायपुर में हुआ था। इसमें तय किया गया कि कांग्रेस अपने संगठन में 50 फीसदी हिस्सेदारी महिलाओं दलितों आदिवासी और युवाओं को देगी। अब प्रदेश संगठन में आगामी होने वाले बदलावों में इन नियमों का ध्यान रखा जाएगा। चर्चा ये भी है कि जिला और प्रदेश स्तर में कुछ नए और पुराने पदाधिकारियों को फिर मौका दिया जाएगा। और यही टीम चुनावी मैदान में उतरेगी।

फूलों की होली के बीच किया गया साहित्यिक अभिनन्दन

हैदराबाद के गीतकार अजय कुमार पाण्डेय का सम्मान समारोह

गाजीपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश अंतर्गत लंका, सिद्धेश्वर नगर में मिशन जामवंत से हनुमान तक के राष्ट्रीय संयोजक एवं जिला पत्रकार समिति के अध्यक्ष सूर्य कुमार सिंह के अध्यक्षता में साहित्य चेतना समाज के संस्थापक कवि अमरनाथ तिवारी अमर मुख्य अतिथि एवं एच. पाण्डेय, फणिंद्र राय विशिष्ट अतिथि द्वय के गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ कवि अनंत देव पाण्डेय के प्रमुख संरक्षण में, प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा के प्रदेश संयोजक कवि इंद्रजीत निर्भीक के प्रमुख संयोजन संचालन में फूलों की होली के उपरांत अवध चेतना मंच सोसाइटी, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य एवं हैदराबाद के प्रख्यात गीतकार अजय कुमार पाण्डेय द्वारा रचित गीत संग्रह कुछ हम चलें, कुछ तुम चलो का जनार्पण एवं साहित्यिक अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन से पूर्व प्रमुख

संरक्षक अनंत देव पाण्डेय ने- होली इस तरह से लगाए रंग, अंग मन रंग जाए, रंग में बिना लगाये रंग, इंद्रजीत निर्भीक ने- महंगाई है तेज ना करिए दिल को छोटा, खर्च ना करिए नोट ना करिए मन को खोटा, गोपाल गौरव ने -इश्क जब हुस्न में उतर जाए, जिंदगी आपकी संवर जाए, दिलीप चौहान बागी ने- मां की ममता का ध्यान रखें हम, उनका हर दम सम्मान करें हम, कृष्णानंद दूबे गोपाल ने - हम सब करें,इक दूजे का सम्मान, आचार - विचार - संस्कार का रखें ध्यान, यशवंत यादव ने - गाजीपुर के कण-कण में दिखता पारस है, यहां के हर जन-जन को संघर्ष में क़ायम करने के लिए तत्पर करना आता महारत है, डा. विजय नारायण तिवारी ने- होली के हर रंग में घुल जाईए, प्रेम से सबको गले लगाईए, मुख्य अतिथि अमरनाथ तिवारी अमर ने - दिल की गहराइयों में उतरते जाईए, दोस्त दुश्मन को भी सद्व्यवहार से बनाईए, अध्यक्षीय संबोधन में सूर्य कुमार सिंह ने कहा कि केमिकलयुकत रंगों और पकवानों को दरकिनार करके अपने स्वास्थ्य के हितार्थ सादा, पौष्टिक आहार को हम सब ग्रहण करें। भेदभाव को छोड़कर इक दूजे प्रति प्रेम परस्पर का भाव रखें।

यही हमारे सभी पर्व सन्देश देते हैं। उसे आत्मसात करते रहने की जरूरत है। धन्यवाद प्रस्ताव प्रोफेसर रणविजय सिंह जी ने प्रस्तुत किया।

उक्त अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक उमेश चन्द्र राय, कुंजबिहारी राय, रामप्रवेश राय, कृष्णा नंद उपाध्याय,अनुज दूबे सहित अनेकों लोगों ने इक दूजे को फूलों को उछालकर,अबीर गुलाल उछालकर बधाई दिया।

घर के लिए खुदाई में प्राचीन प्रतिमाएं मिली

बुद्ध की मूर्ति देख लोग हुए खुश, शिवलिंग और खंडित सिलबट्टे भी मिले

रायपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर जिले में घर बनाने के लिए खुदाई के दौरान सालों पुरानी प्राचीन मूर्तियां मिली हैं। इसमें बुद्ध की मूर्ति, शिवलिंग और खंडित सिलबट्टे शामिल हैं। ये मूर्तियां देखकर लोग भी काफी खुश हुए हैं। उनका कहना है कि इन मूर्तियों के मिलने से हमारे गांव की जमीन धन्य हो गई है। रायपुर-बिलासपुर रोड पर स्थित सोंड्रा गांव में दिलेन्द्र बंछोर के यहां घर के लिए खुदाई की जा रही थी। मजदूरों ने 3 फीट ही जमीन खोदा था। उसी दौरान उन्हें आभास हुआ कि नीचे कुछ बड़ा पत्थर है। जिसके बाद खुदाई और की गई, तब उन्हें सबसे पहले बुद्ध की मूर्ति मिली थी। इस पर उन्होंने पुरातत्व विभाग को इस बात की सूचना दी थी। बताया गया कि बुद्ध की मूर्ति का निर्माण प्राचीन बलुआ पत्थर से हुआ है। जिसमें भगवान बुद्ध आंखें बंद कर ध्यान की अवस्था में दिख रहे हैं। इस मुद्रा को भूमि स्पर्श मुद्रा के रूप में जाना जाता है। एक्सपर्ट का कहना है कि इस तरह की मूर्तियां छत्तीसगढ़ के सिरपुर और राजिम,बिहार के बोधगया में भी मिली हैं। ये तीन स्तरों में बनाई जाती हैं और एक के ऊपर एक लंबवत रखी जाती है। फिलहाल जो मूर्ति मिली है वो इसका ऊपरी भाग है। बुद्ध की प्रतिमा पांडुवंशी काल की बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस जगह के निरीक्षण करने पर यहां अन्य प्राचीन मूर्तियों के होने की भी जानकारी मिली है। जो कि पास के मंदिर में स्थित भी है। यहां से 4 खंडित सिलबट्टे, कुछ और खंडित मूर्तियां, 4 शिविलिंग अब तक मिले हैं।

झारखंड बिरसा हरित ग्राम योजना से बढ़ेगी प्रदेश की हरियाली

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार की तरफ से एक योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के तहत सरकार की तरफ से किसानों को वैकल्पिक खेती के तौर पर भी तैयार करने और इसमें भी आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी है। आपको बता दें कि झारखंड सरकार की तरफ से इस योजना की शुरुआत साल 2020 में की गई थी और इस योजना को झारखंड के लाल और क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर रखा गया है। बिरसा हरित ग्राम योजना का केवल और केवल एक उद्देश्य है कि प्रदेश को पूरी तरह से हरियाली युक्त किया जा सके।

बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत सरकार ने 5 करोड़ से ज्यादा फलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हर जिले में 1400 एकड़ के करीब परती भूमि को रखा गया है। बता दें कि इस योजना को पूरी तरह से निगरानी में रखने का काम जिला उपायुक्त को सौंपा गया है।

इसके साथ ही लक्ष्य यह है कि जब ये फलदार पेंड फल देने लगेंगे तो इन्हें पास के ग्रामीणों को पट्टे पर दिया जा सके ताकि इसकी देखभाल भी हो जाए और साथ ही इससे आमदनी का स्त्रोत भी बने।

इस योजना के तहत पूरे प्रदेश के 2 लाख एकड़ से ज्यादा भूमि पर आम, अमरूद जैसे फलदार पौधों की बागवानी का लक्ष्य रखा गया है। इसमें केवल फलों के पौधे होंगे ऐसा नहीं है नींबू की तरह के फल वाले पौधे भी इसके तहत लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

बता दें कि बिरसा हरित ग्राम योजना को झारखंड सरकार ने मनरेगा से जोड़ दिया है ताकि इससे ग्रामीणों को रोजगार भी मिल जाए, प्रदेश में हरियाली भी बढ़े और सरकार को वित्त का भी फायदा मिले।

योजना में ग्रामीणों और खासकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत प्रदेश के 5 लाख परिवारों को 100-100 पौधों का देने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में पूरे प्रदेश में 5 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य का निर्धारण किया गया है।

बता दें कि इसके तहत पौधों के रोपण का काम शुरू कर दिया गया है। इस योजना के तहत बेकार और बंजर पड़ी भूमि को इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखा गया है। इस काम में पुरुष किसानों के साथ ही स्त्रियों को भी सहभागी बनाया जा रहा है ताकि उनको भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

इंद्रावती नदी बचाने की मुहिम

छत्तीसगढ़-ओडिशा के अफसरों संग जल शक्ति राज्यमंत्री पहुंचे जोरा नाला

जगदलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर की जीवनदायली कही जाने वाले इंद्रावती नदी को बचाने की मुहिम शुरू हो गई है। केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री विश्वेश्वर डूडी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों के अफसरों के साथ जोरा नाला पहुंचकर निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने अफसरों की बैठक ली और समस्या के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया है।

दरअसल, इंद्रावती नदी के गिरते जल स्तर को देखते हुए इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्यों ने जल शक्ति राज्य मंत्री विश्वेश्वर टूडु से मुलाकात की। इस दौरान अभियान के प्रतिनिधि मंडल ने उन्हें प्रतिवेदन और ओडिशा से कम जल मिलने के कारण बस्तर में बढ़ रहे संकट की जानकारी दी। साथ ही उन्हें पिछले

12 जुलाई को बस्तर प्रवास के दौरान दिए गए ज्ञापन के ओर ध्यान आकृष्ट करवाया।

सदस्यों ने केंद्र के हस्तक्षेप से इस मामले को जल्द सुलझाने का निवेदन किया। साथ ही मंत्री स्वयं जोरानाला की स्थिति का मुआयना करने की बात कही। इसके बाद जल शक्ति मंत्री विशेश्वर टुडू दोनों राज्यो के अधिकारियों के साथ जोरानाला स्थल पहुंचे। उनके साथ इंद्रावती बचाओ अभियान से किशोर पारख, दसरथ कश्यप, संपत झा, विनोद सिंह, अनिल सामंत, सुनील पांडे, राजेश भोजवानी, हरिवेणु शामिल थे।

दूसरे लड़के से बात करने पर नाबालिग ने की गर्लफ्रेंड की हत्या, खेत में फेंका शव

रांची, 11 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में निक्की हत्याकांड के बाद अब झारखंड के गोड्डा जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां 17 वर्षीय एक युवक ने गुस्से में आकर अपनी गर्लफ्रेंड को मार डाला। दोनों ऊर्जानगर के प्रतिष्ठित अंग्रेजी मीडियम स्कूल में एक ही कक्षा के विद्यार्थी थे। नाबालिग लड़की बुधवार शाम अपने दोस्त के घर होली मनाने गई थी और फिर वापस नहीं आई। दरअसल, लड़की इंस्टाग्राम पर किसी दूसरे लड़के से चैट कर रही थी। जब यह बात प्रेमी को पता चला तो उसने गुस्से में आकर लोहे की रॉड से मार-मार कर लड़की को मौत के घाट उतार दिया।

हत्या के बाद उसने शव को खेत में फेंक दिया। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने बताया कि जांच के दौरान युवक ने अपना अपराध स्वीकार लिया। अपराध के लिए इस्तेमाल की गई रॉड और लड़की का मोबाइल फोन को शव से कुछ मीटर दूर मिला।

जापान में मुर्गी के अंडों का संकट

रेस्तरां में नहीं मिल रहे एग बर्गर, इस कमी की वजह क्या है?

टोक्यो, 11 मार्च (एजेंसियां)। पिछले दिनों ब्रिटेन, उत्तर कोरिया, फिलीपींस जैसे देशों में खाद्य संकट की खबरें आईं। ब्रिटेन में तो हालात ऐसे हो गए कि वहां के कई बड़े सुपर मार्केट्स ने कुछ फलों और सब्जियों में खरीद की सीमा तय कर दी गई। अब जापान में अंडों की भारी कमी हो गई है। जापान के मैकडॉनल्ड्स, 7-इलेवन और क्यूपाय जैसी कई बड़ी कंपनियों ने रविवार तक अंडे से बनने वाली खाद्य सामग्रियों की बिक्री रोक दी है।

जापान में क्या हुआ है? यहां अंडों की कमी का कारण क्या है?

जापान में लोग इन दिनों अंडों की कमी से जूझ रहे हैं। इस कमी की वजह से खाद्य पदार्थ की कीमत में भारी बढ़ोतरी हुई है। जापान टुडे के अनुसार, कुछ समय पहले जापान में अंडों के एक कार्टन बॉक्स की कीमत ¥200 (120 रुपये) थी। लेकिन फिलहाल मध्यम आकार के अंडों के एक कार्टन की कीमत ¥335 (201 रुपये) तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान में 18 सूचीबद्ध रेस्तरां ने रविवार तक अंडे से संबंधित वस्तुओं को बनाने और बेचने पर रोक लगा दी है। इनमें मैकडॉनल्ड्स, 7-इलेवन और क्यूपाय जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं। वित्तीय अनुसंधान कंपनी टीकोकू डाटाबैंक के मुताबिक, फरवरी में थोक अंडे की कीमत एक साल पहले की तुलना में दोगुनी होकर 327 येन (197 रुपये) हो गई थी।

अंडों की कमी का प्रभाव क्या पड़ रहा है?

अंडों की कमी का सीधा असर आम लोगों के खाने पर पड़ रहा है। जापान में दिग्गज फास्ट फूड कंपनी मैकडॉनल्ड्स के फूड स्टोर्स में बर्गर मेनू में ही नहीं है। अंडे और सॉस से तैयार होने वाला ब्रेकफास्ट सैंडविच भी लोगों के लिए दूभर हो गया है। जबकि यह आमतौर पर बसंत के मौसम में लोगों का प्रिय नास्ता होता है। कंपनी ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर आपूर्ति में रुकावट जारी रहती है तो यह अंडे वाले हैम्बर्गर की बिक्री को अस्थायी रूप से रोक सकती है। 7-इलेवन ने कहा है कि उसने लगभग 15 उत्पादों को निलंबित कर दिया है। उपायों के रूप में अब यह ट्यूना सैंडविच में अंडे की जगह सब्जियों का इस्तेमाल कर रहा है। वहीं, कोनबिनी फूड चेन ने एलान किया है कि वो अंडे से बने उत्पादों में कटौती करेगी।

मसाला बनाने वाली कंपनी केवपी और अजीनोमोटो ने कहा है कि वो अप्रैल से मेयोनीज और टैटार सॉस जैसे उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगे, क्योंकि उनकी एक प्रमुख सामग्री की लागत में वृद्धि हुई है।

अंडों की कमी का कारण क्या है?

जापान ऐसे कई देशों में से एक है जो टोरी-इन्फुरुएंजा के प्रकोप से जूझ रहा है। मुर्गे- मुर्गियों समेत पक्षियों और जीवों में फैलने वाले वायरस को बाकी दुनिया में बर्ड फ्लू कहा जाता है। जापान के कृषि मंत्रालय के अनुसार, अक्तूबर में देश में पहले मामले की पुष्टि हुई थी। मंत्रालय ने कहा कि बाद में यह बीमारी देश के आधे से अधिक प्रान्तों में फैल गई, जिसकी वजह से लगभग 1.5 करोड़ पक्षियों को मारना पड़ा।

अंडों की कमी और बढ़ती कीमतों का दूसरा मुख्य कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है। युद्ध से पहले, यूक्रेन प्रमुख अनाज निर्यातक था। उसी अनाज को किसान मुर्गे के चारे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। संघर्ष के कारण अनाज की कीमतों में तेजी आई है। अब इसका प्रभाव अंडे की बढ़ती कीमतों में दिखाई देने लगा है।

आमतौर पर जापान में अंडे होते हैं सस्ते

अंडे की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बावजूद, अन्य देशों की तुलना में अंडे अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं। जापान अंडे के लिए दुनिया के शीर्ष 40 सबसे सस्ते देशों में है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक माना जाता है। इसके अलावा, अंडे जापानी आहार का एक प्रमुख हिस्सा हैं। कई कंपनियां लोकप्रिय व्यंजनों की अधिक मांग को पूरा करने के लिए अंडे का उत्पादन करती हैं। संकट की सबसे बड़ी वजह बर्ड फ्लू मानी जा रही है, सरकार पूरा ध्यान वायरस के प्रसार को रोकने पर है। किसानों को निर्देश दिया गया है कि वो जंगली जानवरों को अपने मुर्गे-मुर्गियों से दूर रखने के उपाय करें, पक्षियों के संपर्क में आने से पहले जूतों और कपड़ों को कीटाणुरहित करें और अपने पक्षियों में किसी भी तरह की असामान्यता का पता चलने पर जल्द से जल्द रिपोर्ट करें। किसानों को सलाह देने के लिए काउंटरमेशर्स और एक हॉटलाइन तैयार करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जापान पोल्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष ईसाओ सुगिहारा ने संकट से निपटने के लिए पोल्ट्री किसानों को एकजुट होने का आह्वान किया है। सुगिहारा ने कहा, 'एवियन इन्फ्लूएंजा का प्रकोप इस साल अभूतपूर्व रहा है और अंडे देने वाली प्रभावित मुर्गियों की संख्या रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है।' उन्होंने कहा, 'अगर मौजूदा स्थिति लंबे समय तक जारी रहती है, तो इससे अंडों की सुचारू आपूर्ति प्रभावित होगी।'

अंडों की कमी कब तक बनी रहेगी?

रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का असर भी अंडे की आपूर्ति पर पड़ा है। इसके खत्म होने के कोई संकेत नहीं हैं, तो इस स्थिति में अंडे की कीमतें कम होने के आसार कम हैं।

हालांकि, कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण पहले ही लोग कम अंडे खरीद रहे हैं। फिलहाल बेकरी, बाजार और अन्य दुकान मालिक अपनी कीमतें और भी अधिक बढ़ाने को सोच रहे हैं।

ली कियांग बने चीन के नए प्रधानमंत्री

जिनपिंग के करीबी नेताओं में है शुमार

बीजिंग, 11 मार्च (एजेंसियां)। चीन की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। लगातार 10 साल से प्रधानमंत्री पद संभाल रहे 67 वर्षीय ली केकियांग औपराचिक रूप से सेवानिवृत हो रहे हैं। उनकी जगह 63 वर्षीय ली कियांग की चीन के नए प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्ति हुई है। केकिंयांग की अध्यक्षता वाली वर्तमान कैबिनेट की जगह अब कियांग के नेतृत्व वाली नई केंद्रीय कैबिनेट 'स्टेट काउंसिल' चीनी संसद के वार्षिक सत्र (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) का कार्यभार संभालेगी।

केकियांग के सत्र पर लगा विराम

साल 2013 में केकियांग ने प्रधानमंत्री का पदभार संभाला था। प्रधानमंत्री राज्य परिषद और केंद्रीय मंत्रिमंडल की अध्यक्षता करते हैं। हालांकि उनके कार्यकाल के दौरान शी जिनपिंग ने उनकी शक्तियों पर कई सारे अंकुश लगाए थे।

जिनपिंग ने उन्हें दरकिनार कर अपने सहयोगियों को उनके ऊपर महत्वपूर्ण पदों पर बिठा दिया था। कल केकिंयांग के कार्यभार का आखिरी दिन है।

नए कैबिनेट पदभार संभालेंगे कियांग

ली कियांग चीन के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। देश के प्रधानमंत्री के साथ पूरा कैबिनेट का पुन्रनिर्माण होने वाला है। संसद सत्र के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग को छोड़कर सभी शीर्ष अधिकारियों और मंत्रियों को बदला जाएगा। 63 वर्षीय कियांग राष्ट्रपति शी के करीबी सहयोगी हैं, जिन्हें अक्टूबर में आयोजित सीपीसी कांग्रेस में अभूतपूर्व तीसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री चुना गया है।

जिनपिंग के करीबी हैं कियांग

63 वर्षीय ली कियांग को जिनपिंग का करीबी माना जाता है। उन्हें जिनपिंग के इंटरनल सर्कल में एक व्यापार-समर्थक राजनेता कहा जाता है। नई सात सदस्यीय स्थायी समिति में शी के बाद ली कियांग दूसरे स्थान पर हैं। किन पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता थे और बाद में उपमंत्री के पद तक पहुंचे। वह जिनपिंग के साथ विदेश यात्राओं पर भी जाते रहे हैं।

अमेरिका बढ़ते प्रवासियों से परेशान, तो रूस आबादी न बढ़ने से

ट्रम्प का जोर- मांग बढ़ानी है तो अमेरिकी ज्यादा बच्चे पैदा करें

वॉशिंगटन/मॉस्को, 11 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में घटती मांग को लेकर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अजीब तर्क दिया है। उनका कहना है कि मांग घटने की वजह प्रवासियों की बढ़ती आबादी है। इस कारण अमेरिकी मूल के लोगों में खपत कम हो गई है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अगर मांग बढ़ानी है और अमेरिका को फिर से महाशक्ति बनाना है तो अमेरिका के लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। अभी अमेरिका की आबादी करीब 33.19 करोड़ है। इस शताब्दी की शुरुआत में यह 28.22 करोड़ थी। यानी करीब 17 फीसदी का इजाफा। दूसरी ओर, रूस भी आबादी बढ़ाने पर जोर दे रहा है। उसकी आबादी 14.34 करोड़ है और इस सदी की शुरुआत में उसकी आबादी 14.66 करोड़ थी। यानी करीब 2.2% का ही इजाफा हुआ है। आबादी बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने योजनाएं शुरू की है। उन्होंने देश में 2025 तक आधा फीसदी जन्मदर बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए बड़े परिवारों को टैक्स में छूट से लेकर कई अन्य लाभ दे रहे हैं।

लोगों को बंधक बनाने वाला संदिग्ध गिरफ्तार

किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं

बेरलिन, 11 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी की पुलिस की एक विशेष इकाई ने दक्षिण-पश्चिमी शहर कार्लज़ूए के एक फार्मेसी में लोगों को घंटो बंधक बनाकर रखने वाले संदिग्ध को पकड़ लिया है। इसके अलावा उन्होंने एक अन्य व्यक्ति को भी पकड़ा है। इस पूरे घटना के दौरान शहर को बंद कर दिया गया था।

यह घटना गुरूवार को हैमबर्ग के यहोवा में विटनेस हॉल में भगदड़ मचने के बाद हुई। शाम के करीब साढ़े चार बजे फार्मेसी में कर्मचारियों के प्रवेश के बाद ही कई धमाकों की आवाजें आई। जिसके बाद पुलिस को खबर दी गई और रात के साढ़े नौ बजे के करीब पुलिस की एक विशेष इकाई ने फार्मेसी नें घुसकर धमाका करने वाले संदिग्ध को पकड़ लिया।

जर्मन के एक अखबार स्टटगार्टर जाईतुंग के सुचना के अनुसार दो लोगों को बंधक बनाने के साथ एक मिलियन यूरो फिरौती के तौर पर मांगी गई थी। इसपर पुलिस प्रवक्ता ने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। हालांकि, इससे पहले जर्मनी के बिल्ड अखबार ने खबर दी थी कि पुलिस कथित तौर पर बंधक बनाने वाले के संपर्क में है। पुलिस के अनुसार कई लोगों को बंधक बनाया गया था। बता दें कि कार्लज़ूए, फ्रांसीसी सीमा से ज्यादा दूर नहीं है। इस शहर में लगभग 300,000 लोग रहते हैं और जर्मनी की सर्वोच्च अदालत, संघीय न्यायालय भी यहीं स्थित है। इस घटना के बाद फार्मेसी की अच्छे से तलाशी ली गई, जहां किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

नेपाल में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू

चार उम्मीदवार आजमाएंगे अपनी किस्मत, वोटिंग 17 को

काठमांडु, 11 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रक्रियाएं शुरू हो चुकी हैं। यहां तीन प्रमुख राजनीतिक दलों के चार उम्मीदवार शनिवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बता दें, यह चुनाव 17 मार्च को होगा।

सहायक चुनाव अधिकारी अमृता कुमारी शर्मा के मुताबिक, काठमांडू के न्यू बनेश्वर स्थित संसद भवन में सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक नामांकन दाखिल किया जाएगा।

निर्वाचक मंडल करता है उपराष्ट्रपति का चुनाव

राष्ट्रपति की तरह, उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है जिसमें संघीय संसद (प्रतिनिधि सभा और नेशनल असेंबली) और प्रांतीय विधानसभा के सदस्य शामिल होते हैं। मतदाताओं की कुल

संख्या 882 है, जिसमें संसद के 332 संघीय सदस्य और 550 प्रांतीय विधानसभा सदस्य शामिल हैं। संसद के संघीय सदस्य का वोट भार 79 है जबकि प्रांतीय विधानसभा सदस्य का 48 है।

ये होंगे उम्मीदवार

संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को लैंगिक या जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। सीपीएन-यूएमएल ने उपाध्यक्ष पद के लिए अष्ट लक्ष्मी शाक्य को उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह, जनमत पार्टी ने ममता झा को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। जनता समाजवादी पार्टी ने प्रमिला यादव और राम सहया यादव को उम्मीदवार घोषित किया है। नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में मधेसी समुदाय ज्यादातर भारतीय मूल के हैं।

पाकिस्तान यूएन में कश्मीर का मुद्दा नहीं उठा पा रहा

इस्लामाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने माना है कि उनका देश संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन के एजेंडा में कश्मीर के मुद्दे को शामिल नहीं करवा पा रहा है। भुट्टो ने भारत की डिप्लोमेसी को इसकी वजह बताया है।

उन्होंने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के सामने इस बात को कबूला है। भुट्टो ने कहा- कश्मीर के मुद्दे को यूएन के एजेंडा में शामिल करवाना हमारे लिए बड़ी टास्क है। भारत के कड़े विरोध के चलते और कश्मीर पर पहले से ही गढ़ी अपनी कहानियों को वो बहुत पुख्ता तरीकों से रखते हैं।

भारत के बारे में बात करते हुए जुबान लड़खड़ाई

कांफ्रेंस के दौरान बिलावल भुट्टो ने भारत को लेकर पाकिस्तान के रुख पर बात करनी चाही तो उनकी जुबान कई बार लड़खड़ाई। बिलावल ने पहले भारत को दोस्त कहा फिर वो करीब तीन बार भारत को दोस्त कहने पर अटके और फिर अंत में भारत को पड़ोसी देश कहते हुए संबोधित किया।

भुट्टो ने पत्रकारों से कहा - भारत दावा करता है कि कश्मीर यूएन के लिए कोई विवादित मामला नहीं है, भारत के मुताबिक कश्मीर में कोई सीमा विवाद ही नहीं है। वो इसे सही साबित करने में पूरा जोर लगा देते हैं। वो पूरी कोशिश करते हैं कि कश्मीर पर उनकी बात मानी जाए।

दरअसल, पाकिस्तान जब भी यूएन में कश्मीर का मुद्दा उठाता है तो अकेले पड़ जाता है। पिछले साल जब जनरल एसेंबली की मीटिंग में कश्मीर पर वोटिंग हुई तो 193 देशों में पाकिस्तान के प्रस्ताव का केवल तुर्किये ने समर्थन किया था। वहीं पाकिस्तान की तरफ से उठाए गए कश्मीर के मुद्दे पर आखिरी बार 2019 में ही थोड़ा बहुत ध्यान दिया गया था।

रूस का दावा- यूक्रेनी बायो-लैब को फंड दे रहा यूएस

पुतिन के रक्षा मंत्रालय ने कहा- जहरीले हथियार बनाए जा रहे, हमारे पास सबूत

मॉस्को, 11 मार्च (एजेंसियां)। रूस का कहना है कि यूक्रेन में बने बायोकैमिकल लैब को अमेरिका फंडिंग दे रहा है। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से रूस दावा करता रहा है कि यूक्रेन में बायोलॉजिकल और कैमिकल हथियार तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए वहां अमेरिका कई लैब संचालित कर रहा है।

अमेरिकी सरकार ने भी इस बात को माना लेकिन कई आधिकारिक बयानों में कहा गया कि इन लैब को डि-एक्टिवेट कर दिया गया है। इस पर रिपोर्ट जारी करते हुए रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा- डि-एक्टिवेटशन की बात कहने के बावजूद कई अमेरिकी लैब अब भी यूक्रेन में संचालित हो रहे हैं।

यूएस-यूक्रेन मिलिट्री बायोलॉजिकल फील्ड में साथ काम कर रहे

10 मार्च को मॉस्को में वॉशिंगटन के इंटरनेशनल पैथोजिन रिसर्च प्रोग्राम पर रिपोर्ट पेश की गई। रूस के न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और कैमिकल डिफेंस फोर्सेस के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव ने कहा- अमेरिका संचालित इन लैब में खतरनाक पैथोजिन का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमें कुछ डॉक्यूमेंट्स मिले हैं जिनसे साफ होता है कि अमेरिका और यूक्रेन मिलकर बायो-लैब में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- दोनों देश मिलिट्री बायोलॉजिकल फील्ड में काम कर रहे हैं। इसमें पैथोजिनिक बायोमटेरियल्स का

ट्रांस्फर शामिल है। लेफ्टिनेंट जनरल किरिलोव ने चेतावनी दी कि यूएस और यूक्रेन लैब में हो रही रिसर्च को रूस के खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। लैब में यूज हो रहे इन खतरनाक पैथोजेन्स से कॉलरा (हैजा) जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इससे कई तरह के फ्लू होने का खतरा बढ़ सकता है।

रूसी डिप्लोमैट का आरोप- 30 बायो वेपन प्रोग्राम चल रहा यूक्रेन

24 फरवरी 2022 में जंग शुरू होने के एक महीने बाद रूसी डिप्लोमैट वेजली नेबेनजाया ने आरोप लगाया था कि यूक्रेन अमेरिका की मदद से करीब 30 बायो वेपन प्रोग्राम चल रहा है। यूक्रेन चमगादड़ों और अन्य प्रवासी पक्षियों के जरिए रूस में बीमारी फैलाने की साजिश रच रहा है। रूस ने इस मुद्दे पर चर्चा के लए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक भी बुलाई थी।

केमिकल वेपन मतलब टॉक्सिक केमिकल और जहर का इस्तेमाल करना। इन्हें वॉटर सप्लाई, हवा और खाने में देकर लोगों को मारा जाता है। वहीं, बायोलॉजिकल वेपन का मतलब बैक्टीरिया और वायरस जैसे नेचुरल सोर्स की मदद से लोगों को बीमार करके मारना।

इनका असर आने वाली कई पीढ़ियों पर भी रहता है। जिसकी वजह से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से अपंग पैदा होते हैं। दोनों ही हथियार लोगों को तड़पा कर मारते हैं। 1937 में मंगोलियाई सेना ने प्लेग से संक्रमित शवों को ब्लैक-सी के किनारे फेंका था। यह बायोलॉजिकल वेपन के इस्तेमाल का पहला उदाहरण था। अब तक जर्मनी, अमेरिका, रूस और चीन समेत 17 देश बायोलॉजिकल हथियार बना चुके हैं। चीन पर कोरोना को बायोलॉजिकल हथियार की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लग चुका है।

टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ कर्मचारी आंदोलन तेज

15 मार्च से आम हड़ताल

कोलंबो, 11 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका में पिछले दिनों की गई टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। उन्होंने 15 मार्च को आम हड़ताल का एलान किया है। खास बात यह है कि इस आंदोलन की कमान ऊंची तनख्वाह वाले कर्मचारियों के हाथ में है। जिन क्षेत्रों के कर्मचारी आंदोलन में शामिल हुए हैं, उनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और बंदरगाह भी शामिल हैं। श्रीलंका सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की शर्तों को पूरा करने की कोशिश में इनकम टैक्स दरों भारी इजाफा किया है।

फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (एफयूटीए) की प्रवक्ता चारूदत्ता इलांगासिंघे ने गुरुवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अब निर्णायक संघर्ष का समय आ गया है। उन्होंने कहा- 'अब अधिक इंतजार नहीं किया

जा सकता। 15 मार्च के पहले सरकार को फैसला करना होगा, वरना 15 तारीख से देश में पानी, बिजली, जहाजरानी और यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की सेवाएं बंद हो जाएंगी।' इलांगासिंघे ने कहा कि सरकार अगर एक उचित टैक्स सिस्टम का प्रस्ताव सामने रखे, तो ट्रेड यूनियनें उस पर बातचीत करने को तैयार हैं।

ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा है कि टैक्स नीति के खिलाफ हाल में लगातार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। लेकिन अब वक्त पूरा काम रोकने का आ गया है। इलांगासिंघे ने कहा- 'हम रोज एक स्विच ऑफ कर रहे थे। लेकिन 15 मार्च को मेन स्विच को ऑफ कर दिया जाएगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि इससे लोगों को जो दिक्कत होगी, उसके लिए कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे। उन्होंने कहा- 'हमारे डॉक्टरों, बैंककर्मियों और बंदरगाह कर्मचारियों तो दोषी मत ठहराइए। यह जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी।'

सिलोन बैंक एम्पलॉइज यूनियन के अध्यक्ष चन्ना दिसानायके ने एलान किया है कि बैंक कर्मचारी भी 15 मार्च की हड़ताल में शामिल होंगे। सिलोन बैंक एम्पलॉइज यूनियन में 18 अलग-अलग बैंकों की यूनियनें शामिल हैं। साथ ही सेंट्रल बैंक के कर्मचारियों की चार यूनियनें भी इसकी सदस्य हैं। दिसानायके ने कहा- 'कई प्राइवेट बैंकों के कर्मचारी भी हमारे आंदोलन में शामिल हुए हैं। हम बैंकिंग सिस्टम के हिस्से के रूप में एकजुट हुए हैं और ट्रेड यूनियन गतिविधियों को तेज करने का फैसला किया है। इसमें 15 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में हड़ताल का निर्णय भी शामिल है। जब पेशेवरकर्मियों पर अनुचित टैक्स लगाया जाता है, तो उसका असर सिर्फ पेशेवरकर्मियों पर ही नहीं, बल्कि उनके नीचे के हर स्तर पर पड़ता है। इससे देश में आर्थिक मंदी की शुरुआत हो सकती है।'

श्रीलंका में ट्रेड यूनियनें और प्रोफेशनल एसोसिएशंस आम तौर पर ऊंची आय वाले वर्गों की नुमाइंदगी करती हैं। ये सभी यूनियनें हाल में की गई टैक्स बढ़ोतरी का विरोध कर रही हैं। श्रीलंका में लागू नई टैक्स नीति के मुताबिक एक लाख रुपये प्रति महीने से अधिक कमाने वाले हर व्यक्ति को टैक्स दायरे में ले आया गया है।

साथ ही टैक्स की दर 36 फीसदी कर दी गई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ट्रेड यूनियनों को श्रीलंका के हर तबके का समर्थन हासिल नहीं है। उनके आलोचकों का कहना है कि टैक्स बढ़ोतरी से कुल आबादी का 10 से 12 फीसदी हिस्सा ही प्रभावित हुआ है। ये भी वो हिस्सा है, जो आराम की जिंदगी जीता है।

यूरोप जा रहे 1300 प्रवासी समुद्र में फंसे

रोम, 11 मार्च (एजेंसियां)। अपना देश छोड़कर यूरोप पहुंचने के लिए रिफ्यूजी लगातार अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं। पिछले महीने हुए हादसे के बाद एक बार फिर से खबर है कि इटली के कैलेब्रिया रीजन में 1300 रिफ्यूजी फंसे हुए हैं। जिन्हें बचाने के लिए इटली के कोस्ट गाड्र्स ने रेस्क्यू ऑपरेशन लॉन्च किया है। ये रिफ्यूजी अलग-अलग जगहों से यूरोप आने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि अभी तक ये नहीं पता चल पाया है कि ये किन देशों के हैं। इटालियन कोस्ट गार्ड ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ये ऑपरेशन काफी मुश्किल होने वाला है। क्योंकि, बचाए जाने वाले लोगों की तादाद काफी ज्यादा है जो बोट्स में जहां-तहां भटक रहे हैं। पहले 500 लोगों को बचाने के लिए कोस्ट गार्ड ने अपने वेसल्स को भेजा है।

इटली की नेवी से भी मदद मांगी गई ये 500 लोग एक बोट पर इटालियन पेनिनसुला से 1125 किलोमीटर की दूरी पर हैं। वहीं एक दूसरे वेसल से 800 लोगों को बचाया जाएगा जो दो अलग-अलग नावों में सवार हैं। 1300 लोगों को बचाने के लिए कोस्टगाड्र्स ने नेवी से भी मदद मांगी थी। जिसके बाद मिलिट्री शिप भी पूरी तेजी इन लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इसका एक वीडियो भी जारी किया गया है। जिसमें समुद्र में फंसे लोगों तक पहुंच रही बोट्स को दिखाया गया है।

दरअसल पिछले महीने ही इटली पहुंचने के दौरान प्रवासियों की एक बोट चट्टान से टकराकर डूब गई थी। जिसमें 73 लोगों की मौत हो गई थी। जो ज्यादातर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के थे। इस हादसे पर इटली की राइट विंग सरकार की खूब आलोचना हुई थी।

बीकानेर के पूर्व राजपरिवार की राजमाता सुशीला कुमारी का निधन

बीमारी के कारण लोगों से मिलना बंद कर दिया था, 1950 में महारानी का सम्मान मिला

बीकानेर, 11 मार्च (एजेंसियां)। बीकानेर राजपरिवार की अंतिम महारानी और राजमाता सुशीला कुमारी का शुक्रवार देर रात लालगढ़ स्थित अपने आवास पर निधन हो गया। सुशीला कुमारी का अंतिम संस्कार रविवार को सागर गांव में स्थित राजपरिवार के श्मशान घाट पर किया जाएगा।

इससे पहले शनिवार को जूनागढ़ में उनकी पार्थिव देह आम लोगों के दर्शन के लिए रखी गई है। राजपरिवार की रीति नीति के तहत ही उनका अंतिम संस्कार होगा। राजमाता सुशीला कुमारी की पोती और बीकानेर पूर्व सीट से विधायक सिद्धि कुमारी देर रात अस्पताल पहुंच गई थीं।

1950 में महारानी का सम्मान मिला था

देश की आजादी के बाद भी राजतंत्र की परंपराएं निभाई जाती थीं। ऐसे में साल 1950 में महाराजा सार्दुल सिंह के पुत्र राजकुमार करणी सिंह का राज्याभिषेक किया गया था। उसी समय सुशीला कुमारी को महारानी का सम्मान मिला। साल 1971 में जब प्रिवी पर्स जैसी व्यवस्था समाप्त हो गई। तब तक वो महारानी रहीं। महाराजा करणी सिंह के निधन के बाद उन्हें राजमाता के रूप में स्वीकार किया गया। पूर्व राजपरिवार सहित बीकानेर में आम आदमी उन्हें राजमाता के रूप में ही संबोधित करता रहा। छह सितंबर 1988 को महाराजा करणी सिंह के निधन के बाद से राजपरिवार की सारी व्यवस्था सुशीला कुमारी ही संभालती रहीं।

राजशाही और लोकतंत्र दोनों में सक्रिय

सुशीला कुमारी का जन्म 1929 में हुआ था। राजसिंह डूंगरपुर की बहन सुशीला कुमारी का जन्म डूंगरपुर राजपरिवार में हुआ। उनका विवाह बीकानेर राजपरिवार में हुआ। महाराजा करणी सिंह बीकानेर से 1952 से 1977 तक सांसद रहे। ऐसे में सुशीला कुमारी ने लोकतंत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब उनकी पोती सिद्धि कुमारी बीकानेर पूर्व विधानसभा से पिछले तीन चुनावों में लगातार विधायक हैं।

राजस्थानी में करती थीं बात

खास बात ये थी कि सुशीलाकुमारी से मिलने वालों से राजस्थानी में ही बात करती थीं। अगर कोई गलती से भी उनके आगे हिंदी या अंग्रेजी में बात करता तो वो पूछ लेती थीं कि राजस्थानी नहीं आती क्या? खासकर बीकानेर के स्थानीय लोगों से वो राजस्थानी में ही बात करना पसंद करती थीं।

अर्से से बीमार थीं

राजमाता पिछले कई सालों से अस्वस्थ थीं। उन्होंने आम लोगों से मिलना बंद कर दिया था। अस्वस्थता के बीच वो सामाजिक जिम्मेदारियां जरूर पूरी करती थीं। बीकानेर के पुष्करणा समाज के सावे की अनुमति देना हो या फिर कोई अन्य राजपरिवार कार्य हो, सुशीला कुमारी अब तक स्वयं मिलती थीं।

गहलोत सरकार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, पुलिस से हुई झड़प

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा के कार्यकर्ता पुलवामा हमले में जान गंवाने वाले जवानों की वीरांगनाओं की मांगों को लेकर जयपुर में गहलोत सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वहीं प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भाजपा पुलवामा आतंकी हमले में जान गंवाने वाले जवानों की वीरांगनाओं के विरोध के मामले को लेकर विरोध रैली निकाल रही थी। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई । इस मौके पर राजस्थान विधानसभा में उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमने आज आंदोलन का आगाज किया, अब इसे और आगे लेकर जाएंगे।

राजस्थान में 3 दिन बारिश-ओले:जयपुर, जोधपुर

अजमेर संभाग में फिर बदलेगा मौसम ,गरज-चमक के साथ बरसात का अलर्ट

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में फिर से पारा चढ़ने लगा है। बीकानेर सहित कई जिलों में दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक आ गया है। जयपुर, उदयपुर सहित कई अन्य जिलों में पारा 1 से 2 डिग्री तक चढ़ा है। मौसम विभाग ने शनिवार से 13 मार्च तक गर्मी बढ़ने की आशंका जताई है। 14 मार्च से राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश की भी संभावना है। पिछले दिनों राजस्थान में बारिश और ओलावृष्टि के बाद मौसम ने करवट ली थी। दिन में गर्मी से राहत मिली थी। तापमान में गिरावट के कारण सुबह-शाम ठंड महसूस होने लगी थी। शुक्रवार से इसका असर खत्म होने लगा है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, फलौदी, जालोर में शुक्रवार दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक आ गया था। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, शुक्रवार को सबसे ज्यादा 37 डिग्री सेल्सियस तापमान जोधपुर के फलौदी में दर्ज हुआ। बाड़मेर में भी दिन का अधिकतम तापमान 36.5 पर पहुंच गया। उदयपुर, धौलपुर, टोंक, बूंदी, बारां, करौली, अलवर, जयपुर में भी दिन का तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। कल इन जिलों में 30 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर तापमान चला गया था। हालांकि रात का तापमान अभी कम है। इससे लोगों को रात में हल्की ठंड का अहसास रहता है। अलवर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, पिलानी, सीकर, उदयपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मार्च के शुरू में इन शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 16 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच था। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले 3 दिन में कई शहरों में दिन और रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

जयपुर, कोटा, उदयपुर समेत कई शहरों में दिन का तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के तक पहुंच सकता है। वहीं, रेगिस्तानी एरिया बीकानेर, बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर, फलौदी में पारा 38-39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

टोंक में सचिन पायलट ने भाजपा को घेरा

इलेक्ट्रॉल बांड का 95 प्रतिशत चंदा भाजपा के खाते में

टोंक, 11 मार्च (एजेंसियां)। पायलट ने टोंक में 15 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। नया गांव पहुंच कर मंत्री रमेश मीणा की माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात टोंक के वार्ड नं. 59 में आयोजित सभा को संबोधित किया।

टोंक में सभा को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि यह साल चुनावी साल है और चुनावी साल का जनता को स्वतः ही पता चल जाता है कि चुनावी साल में नये-नये दल, नेता अपनी सियासी जमीन तलाशने के लिए क्षेत्र में गतिविधियां चालू कर देते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने हर परिस्थिति में अपना आशीर्वाद देकर मुझे राजनीतिक ताकत देने का काम किया है। जनता के दिए गए राजनीतिक बल से ही नेता जनता के मुद्दे जोर-शोर से उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार पिछले नौ वर्षों से सत्ता में पूर्ण बहुमत से काबिज है। जनता के पूर्ण बहुमत का भाजपा ने दुरुपयोग कर नियमों-कायदों को ताक पर रख दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार राजनीतिक दलों को चन्दा देने के लिए इलेक्ट्रॉल बॉण्ड लेकर आई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इन इलेक्ट्रॉल बॉण्ड के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दिए गए हैं, जिनमें से 90 से 95 प्रतिशत चंदा भाजपा को दिया गया है। इसी प्रकार भाजपा ने सीबीआई, ईडी, इनकमटैक्स जैसी सरकारी जांच एजेन्सियों के माध्यम से राजनेताओं के खिलाफ अनेक मुकदमें दर्ज करवाए गए हैं। इनमें से 90 से 95 प्रतिशत मुकदमें विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ दर्ज हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ये दोनों उदाहरण साफ बताते हैं कि भाजपा बहुमत का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने का काम कर ही है जोकि लोकतंत्र के खिलाफ है। लोकतंत्र में सभी को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है परन्तु भाजपा उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को दबाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। पेट्रोल, डीजल सहित खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं। भाजपा का कोई नेता इसे कम करना तो दूर कम करने की कोशिश करने की भी बात नहीं करता है। दिन-ब-दिन बढ़ती बेरोजगारी से युवा हताश हैं। भाजपा धर्म, जाति, भाषा, लिंग, प्रांत के नाम पर हमें बांटना चाहती है। भेदभाव मिटाकर ही आगे बढ़ा जा सकता है। विकास वहीं होता है जहां आपसी भाईचारा हो। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में कोरोना के चलते विकास कार्यों की गति कुछ धीमी हुई थी लेकिन अब सभी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाएं। नल, पानी, बिजली, सीवरेज, सड़क आदि के सभी कामों को गति देकर पूर्ण करवाएं।

वीरांगना नौकरी विवाद : मानवेंद्र सिंह जसोल बोले

नियमानुसार संभव नहीं, केन्द्र सरकार से संपर्क करें

हाइलाइट्स

- मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है
- राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं जसोल
- जसोल ने कहा कि पूरा मामला केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है ना कि रक्षा मंत्रालय के

जोधपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। पुलवामा शहीदों की 3 वीरांगनाओं की मांगों को लेकर राजस्थान में मचे घमासान के बीच राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने इसको लेकर हो रही राजनीति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मानवेंद्र सिंह जसोल ने कहा की हमारे विभाग के नियमानुसार वीरांगना और उनके पुत्र-पुत्रियों को ही नौकरी देने का प्रावधान है. कुछ वीरांगनाएं अपने देवर के लिए नौकरी की मांग कर रही हैं जोकि विभाग के नियमानुसार संभव नहीं है। मानवेन्द्र सिंह जसोल ने कहा कि यह पूरा मामला केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है ना कि रक्षा मंत्रालय के. ऐसे में सभी सांसद यदि केन्द्र के गृह विभाग से इस बारे में करें तो यह राह आसान हो सकती है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक वीरांगना अपने शहीद पति की तीसरी मूर्ति लगाने की मांग कर रही है. उनकी पूर्व में दो मूर्तियां लगाई जा चुकी हैं. ऐसे में पब्लिक हित को देखते हुए यह भी मांग उचित नहीं है।

वीरांगनाओं के बच्चों के लिए राजस्थान सरकार नौकरी सुरक्षित रखेगी

मानवेन्द्र सिंह जसोल ने कहा कि वीरांगनाएं यदि अपने देवर के लिए नौकरी की मांग कर रही हैं तो उसके लिए उन्हें केन्द्र सरकार से संपर्क करना चाहिए. गृह मंत्रालय किसी भी परिजन को नौकरी दे सकता है. उसके लिए सांसदों के माध्यम से भी केंद्र सरकार से मांग की जा सकती है. उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं के बच्चों के लिए राजस्थान सरकार नौकरी सुरक्षित रखेगी. उन्होंने कहा कि चुनावी वर्ष के दौरान बीजेपी सांसद किरोड़ीलाल मीणा इस मामले को तूल दे रहे हैं वह तर्कसंगत नहीं है।

घटनाक्रम को पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित बताया

मानवेन्द्र सिंह जसोल ने पिछले कई दिनों से चल रहे घटनाक्रम को पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित बताया. वहीं मानवेन्द्र सिंह जसोल ने पूर्व सैनिकों के आरक्षण को लेकर कहा कि हाल ही में पूर्व सैनिक आरक्षण को लेकर रोक लगाई गई है. इस संबंध में वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और पूर्व सैनिकों को पहले की भांति आरक्षण जारी रखने की मांग करेंगे।

17 लाख की ऑनलाइन ठगी का मास्टरमाइंड पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

नागौर, 11 मार्च (एजेंसियां)। नागौर पुलिस ने पश्चिम बंगाल से ऑनलाइन ठगी के मुख्य मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना आरोपी से ऑनलाइन ठगी के कई और मामलों का पता चलेगा। नागौर की साइबर थाना पुलिस चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

अब 17 लाख 63 हजार की ठगी के मुख्य आरोपी मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल नागौर जिले के मेड़ता सिटी निवासी सुशीला बिश्नोई ने रिपोर्ट दी थी। उसमें बताया गया कि उसकी मेड़ता सिटी में चारभुजा ऑटोमोबाइल की फार्म से अज्ञात व्यक्ति ने तीन अलग-अलग खातों से बिना ओटीपी बिना कोर्स के 17 लाख 63 हजार विड्रोल कर लिए।

5 लोगों की आईडी देने पर ही होगा अंतिम संस्कार:एक महिला की हत्या से बदले क्रियाकर्म के नियम

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। एक महिला की हत्या के बाद अब जयपुर नगर निगम हेरिटेज को अपना नियम बदलना पड़ा है। जयपुर में अब श्मशान और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार या सुपुर्द ए खाक करने के लिए पांच लोगों की आईडी देनी पड़ेगी। इसमें मृतक की आईडी भी शामिल होगी।

ये पांच लोग वे होंगे, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने 8 मार्च को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। ये आदेश बीकानेर के चर्चित मोनालिसा हत्याकांड के बाद जारी किए गए हैं। इसके लिए पिछले दिनों बीकानेर के एडिशनल एसपी अमित कुमार ने जयपुर कलेक्टर को लेटर भी लिखा था। नगर निगम जयपुर हेरिटेज के कमिश्नर विश्राम मीणा ने बताया कि जयपुर शहर में संचालित श्मशान और कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार के बाद कई मृतकों का रिकॉर्ड नहीं रखा जाता है। इससे गलत काम और मृतकों की सही जानकारी नहीं मिल पाती है। इसके अलावा यहां लकड़ी बेचने या अन्य क्रियाकर्म का सामान बेचने वालों का भी रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। उन्होंने बताया कि अब अंतिम संस्कार के लिए लाए जाने वाले मृतक व्यक्ति की पहचान के लिए उसकी आईडी के साथ ही अंत्येष्टि में शामिल होने वाले कम से कम 5 लोगों की आईडी देना जरूरी होगा।वर्तमान में जयपुर शहर के श्मशान और कब्रिस्तान में लाए जाने वाले मृतक की आईडी के अलावा उसके किसी एक परिजन की आईडी ली जाती थी।

ताकि उसका डिटेल डेथ सर्टिफिकेट के आवेदन पत्र में भरकर नगर निगम भिजवाया जा सके। अब नगर निगम ने 5 अन्य लोगों की आईडी भी लेने के निर्देश दिए हैं।बीकानेर की रहने वाली महिला मोनालिसा की 5 फरवरी 2021 को ओमेक्स सिटी जयपुर में पति भवानी सिंह ने फ्लैट में हत्या कर दी की थी।

हत्या के सबूतों को नष्ट करने के लिए नेचुरल मौत बताते हुए नगर निगम जयपुर के सोडाला पुरानी चुंगी स्थित मोक्ष धाम में मोनालिसा का अंतिम संस्कार कर दिया था। मोनालिसा के घरवालों को मौत का कारण कोरोना बताया था।

धौलपुर कोर्ट में तैनात बाबू ने किया सुसाइड

धौलपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। धौलपुर डिस्ट्रिक्ट एवं सेशन कोर्ट में तैनात क्लर्क ने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। महिला पिछले 1 साल से धौलपुर में रह रही थी। महिला ने अपनी ननद को काम का बहाना बनाकर ऊपर के कमरे में भेज दिया। थोड़ी देर बाद जब ननद नीचे आई तो महिला फंदे से लटकी मिली। उसके चिल्लाने पर घर में मौजूद दूसरे लोगों ने उसको नीचे उतारा और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

जानकारी के अनुसार नदबई (भरतपुर) निवासी तनु शर्मा (28) पत्नी गौरव शर्मा धौलपुर डीजे कोर्ट में बाबू के पद पर तैनात थी। वह पिछले 1 साल से निहालगंज थाना क्षेत्र के गडरपुरा मोहल्ले में किराए के मकान पर रहती थी। पिछले काफी दिनों से उसकी ननद तनु (24) साथ में रह रही थी। शनिवार को कोर्ट की छुट्टी होने पर उसने नीचे के कमरे की सफाई करने की बात कहते हुए ननद को ऊपर के कमरे में भेज दिया और फंदा लगा लिया। थोड़ी देर बाद जब ननद नीचे के कमरे में आई तो वह फंदे से लटकी मिली।

नए जिलों पर ब्रेक : सीएम नहीं करेंगे घोषणा

कमेटी का कार्यकाल 6 महीने बढ़ा, अब सितंबर में आएगी रिपोर्ट-नाराजगी का डर

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में नए जिलों की घोषणा पर ब्रेक लग गया है। ये मामला सरकार ने एक बार फिर ठंडे बस्ते में डाल दिया है। दरअसल, नए जिलों के गठन को लेकर सरकार को सुझाव देने के लिए रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया की अध्यक्षता वाली हाईपावर कमेटी का कार्यकाल 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार देर रात हाईपावर कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सीएम अशोक गहलोत ने पिछले साल के बजट में नए जिले बनाने के लिए हाईपावर कमेटी बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद 21 मार्च 2022 को रामलुभाया की अध्यक्षता में कमेटी का गठन हुआ। पहले छह माह में रिपोर्ट देनी थी, लेकिन दो बार कार्यकाल बढ़ाया गया। इस बार 13 मार्च को इस कमेटी का कार्यकाल खत्म हो रहा था। दो दिन पहले इसे फिर छह महीने तक के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने रामलुभाया कमेटी का कार्यकाल 13 सितंबर तक के लिए बढ़ाकर यह साफ संकेत दे दिए है कि अभी कमेटी की रिपोर्ट नहीं आएगी। जब तक कमेटी की रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक सरकार नए जिलों की घोषणा नहीं करेगी। सरकार का तर्क है कि नए जिलों के प्रस्तावों पर कलेक्टर्स से सूचना एकत्र कर परीक्षण करने, उसके बाद कमेटी की रिपोर्ट पेश करने में समय लगना संभावित है। इसे देखते हुए कमेटी के कार्यकाल को बढ़ाया गया है।

17 मार्च को अब नए जिलों की घोषणा की संभावना टली

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 17 मार्च को विधानसभा में वित्त विधेयक और विनियोग विधेयक पर बहस का जवाब देंगे। इस दौरान यह अनुमान था कि गहलोत नए जिलों कीर घोषणा कर सकते हैं, लेकिन अब इसकी संभावना खत्म हो गई है। क्योंकि सरकार ने कमेटी की रिपोर्ट में समय लगने का तर्क देकर फिलहाल सभी संभावनाओं पर ब्रेक लगा दिया हैं।

राजस्थान के 24 जिलों से 60 जगह से नए जिलों की डिमांड

राजस्थान में 24 जिलों की 60 जगहों से नए जिलों की डिमांड है। रामलुभाया कमेटी के पास 60 जगहों के नेता अलग-अलग ज्ञापन देकर नए जिलों की डिमांड रख चुके हैं। जिलों की मांग जनता का भावनात्मक मुद्दा है। बताया जाता है कि सीएम ने नए जिलों के सियासी फायदे नुकसान पर फीडबैक लिया था। इस फीडबैक में फायदे से ज्यादा नुकसान की बात सामने आ रही थी। इसलिए फिलहाल के लिए मामला टालना ही उचित समझा गया। प्रदेश में जिलों की डिमांड के साथ विवाद भी बहुत है। कई जिले ऐसे हैं। जहां से तीन से चार जगह से डिमांड है। एक जगह की डिमांड पूरी करते हैं तो तीन क्षेत्रों के लोग नाराज होते हैं।

'कहीं पायलट को न मिल जाए सारा श्रेय इसलिए सीएम ने नहीं सुनी वीरांगनाओं की फरियाद'

जयपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। वीरांगनाओं को लेकर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में राजनीति तेज हो चुकी है। कल के घटनाक्रम में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा का घायल होकर अस्पताल में भर्ती होना भाजपा के लिए एक ठोस मुद्दा है। इसके सहारे भाजपा मुख्यमंत्री गहलोत का घेराव करेगी। वहीं, कांग्रेस बैंक फुट पर नजर आने लगी है। भाजपा ने प्रदेश कार्यालय पर वीरांगनाओं और डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के साथ पुलिस के बर्ताव को लेकर धरने का आह्वान किया है। इसमें बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं का कार्यालय में जमावड़ा लगना शुरू हो चुका है।

नाबालिग बेटी की शादी के लिए 5 लाख में सौदा

बारात देख भागी बड़ी बहन, घरवालों ने छोटी बेटी की 45 साल के व्यक्ति से करवा दिए फेरे

जोधपुर, 11 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर में एक 16 साल की नाबालिग का किडनैप पर 45 साल के उम्रदराज व्यक्ति से शादी कराने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि लड़की के परिजनों ने इसके लिए 5 लाख रुपए भी लिए। इधर, मामला सामने आने के बाद देर रात अधिकारी मौके पर पहुंचे और बच्ची को डिटेन किया।

बताया जा रहा है कि घरवालों ने बड़ी बेटी से रिश्ता तय किया था। लेकिन, जैसे ही उसने लड़के को देखा वो घर से भाग गई। इस पर घरवालों ने छोटी बेटी की शादी करवा दी। मामला जोधपुर के लोहावट (जोधपुर) थाना क्षेत्र का है। इस मामले को लेकर ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि देर रात टीम को नाबालिग के यहां भेजा गया था लेकिन वहां कोई नहीं मिला। इस पर शनिवार सुबह 6 बजे दोबारा लोहावट टीम को भेजा। जहां पिता को पकड़ थाने ले आई। वहीं देर रात दो बजे पुलिस बीकानेर के केलनसर गांव दूल्हे के यहां पहुंचीं। यहां से बच्ची को डिटेन किया गया। इधर, नाबालिग की बड़ी बहन की रिपोर्ट पर पुलिस ने नाबालिग लड़की के पिता समेत दूल्हे और उसके पिता और एक अन्य के खिलाफ जेजे एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बड़ी बहन का तय किया था रिश्ता

शिकायतकर्ता नाबालिग की बड़ी बहन ने बताया कि उसकी मौसी गंगा जो कि उसके घर के पास ही लोहावट थाना क्षेत्र के ही एक गांव में रहती है। उसने उसकी शादी 45 वर्षीय युवक के साथ तय कर दी । शादी के लिए लड़का जब घर आया और उसके उम्र का पता चलने पर वह वहां से भाग आई।

लेकिन, उसकी छोटी बहन जो कि 16 वर्ष की है, उसकी शादी उसके साथ कर दी। दूल्हा किशन सिंह बीकानेर के जांगलू गांव के पांचू थाना के अगूणा वास का रहने वाला है। लड़की के पिता लोहावट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। नाबालिग की बड़ी बहन का कहना है कि उसकी मौसी और मौसा ने 5 लाख रुपए शादी के लिए लिए थे। उसका भी बाल विवाह हुआ था लेकिन पति की मौत के बाद मौसा-मौसी उसे अपने साथ ले आए और किशन सिंह से रिश्ता तय कर दिया था।

बड़ी बहन बोली : मेरे साथ गलत हो रहा था

नाबालिग की बड़ी बहन ने बताया कि जब पहली बार लड़का दिखाया तो फोटो देखने के बाद उसने मना कर दिया।। इसके बाद भी उसका रिश्ता तय किया। जब वह घर से भाग गई तो छोटी बहन को जबरदस्ती अगवा कर लिया और उसकी 45 साल की उम्र के व्यक्ति से शादी करवा दी। उसने बताया कि वह 10वीं तक पढ़ी है और उसे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है तो वह भाग गई। इधर, जब उसे बहन की शादी के बारे में पता चला तो सोशल मीडिया पर पोस्ट भी शेयर की। उसका कहना है कि थाने में लिखित शिकायत देने के बाद भी सुनवाई नहीं हुई।

लॉ स्टूडेंट मृदुला अन्नाबत्तुला का कुचिपुड़ी नृत्य रंग प्रवेशम् आयोजित

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लॉ स्टूडेंट मृदुला अन्नाबत्तुला का कुचिपुड़ी नृत्य रंग प्रवेशम रवींद्र भारती, हैदराबाद में आयोजित हुआ। अभिनेता, पटकथा लेखक, कवि, नाटककार और निर्देशक तनिकेला भरानी समारोह में विशेष अतिथि थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग में डांस और फाइट मास्टर्स को बहुत सम्मान दिया जाता है। मृदुला ने एक अनुभवी नर्तकी की तरह बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि उनका भविष्य काफी उज्जवल होगा। डॉ वेंकट राम कृष्ण बद्रीनाथ नंदुला, न्यायिक सदस्य, एनसीएलटी ने कहा कि मृदुला का प्रदर्शन एक प्रविष्टि (रंगा प्रवेशम) की तरह नहीं था, बल्कि एक अनुभवी नर्तकी के रूप में था। डॉ भगवथुला सेतुराम मुख्य अतिथि थे। डॉ वेंकट राम कृष्ण बद्रीनाथ नंदुला, न्यायिक सदस्य, एनसीएलटी, हैदराबाद विशिष्ट अतिथि थे। मास्टर ऑफ लॉ की 21 वर्षीय छात्रा, 'कुचीपुड़ी नृत्य रंग प्रवेशम' की पूर्व संध्या पर जारी एक बयान में, मृदुला अन्नाबत्तुला ने कहा, 'वह अपनी मास्टर डिग्री के बाद कानून का अभ्यास करना चाहती है और नृत्य भी करना चाहती है। मेरे लिए दोनों महत्वपूर्ण और समान हैं। आगे 'मेरा सपना कुचिपुड़ी में एमए करना है'। उन्होंने कहा कि पेशा और शौक अविभाज्य हैं। उन्होंने तांडव गणपतिम, कुचिपुड़ी वशिष्ठम, मणिनूपुरा धारी, वीक्षेकदा देवम तरंगम का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कुचिपुड़ी, जिसकी जड़ें प्राचीन संस्कृति में हैं, को मंदिरों और आध्यात्मिक स्थानों से जुड़ी एक धार्मिक कला के रूप में विकसित किया गया था। डांस अनुशासन, धैर्य और टाइमिंग सिखाता है, यह आत्मविश्वास देता है और ताकत बनाता है।

पार्षद ने जलापूर्ति की समस्या की जानकारी ली

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जामबाग डिवीजन के भाजपा पार्षद राकेश जायसवाल ने स्वर्ण ट्रांसपोर्ट लाइन, भरदारी, गोशामहल, कॉलोनी के निवासियों की पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली।जामबाग डिवीजन पार्षद राकेश जायसवाल से नागरिकों ने शिकायत की कि उन्हें पीने का पानी साफ नहीं मिल रहा है। पानी की बहुत धीमी गति से आ रहा है। इसके साथ ही दूषित जल आपूर्ति की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सीवरेज की समस्या के साथ ओवरफ्लो की भी समस्या है। आज जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने वाटर वर्क्स के महाप्रबंधक जॉन शेरिफ, प्रबंधक कुला शेखर ने अपने स्टाफ के साथ भरदारी कॉलोनी का दौरा किया। पार्षद और स्थानीय नागरिकों ने समस्या की जानकारी अधिकारियों को दी। वरिष्ठ अधिकारियों व पार्षद ने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने, साफ पेयजल आपूर्ति, कम दबाव की समस्या, जल निकासी की समस्या का तुरंत समाधान करने का आदेश दिया।

गवर्नमेन्ट हाईस्कूल में अणुव्रत प्रेक्षाध्यान कार्यक्रम आयोजित

संस्कार निर्माण अणुव्रत जीवन विज्ञान

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महान तपस्वी अणुव्रत अनुशास्ता परमपूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के आर्शीवाद व शक्ति से श्रद्धा की पूर्णिमा, अणुव्रत सेवी श्रीमती निर्मला बैद ने गवर्नमेन्ट बॉयज हाई स्कूल सिकन्दराबाद में अणुव्रत प्रेक्षाध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ तुलसी अष्टकम् पद्य से शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा पद्धति अधूरी है। बौद्धिक व शरीरिक विकास हो रहा है। भावनात्मक विकास नहीं होने से शिक्षा में समस्याएं पैदा हो रही है। अच्छे डॉक्टर, वकील, इंजीनियर बन रहे हैं। परन्तु चरित्र सम्पन्नता नहीं होने के कारण समस्याएं बढ रही है। भावनात्मक विकास के लिए पूज्यवर द्वारा चलाया गया जीवन-विज्ञान बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। कैसे जीना, समय का मैनेजमेन्ट कैसे करना अन्य अनेकों बातें बतायी गयी है। व्यसन मुक्त जीवन साम्प्रदायिक, सद्भावना, ईमानदारी तीनों के बारे में उदाहरणों द्वारा बताया गया। पूज्यवर के द्वारा गांव-गांव में ये संकल्प करवाये जा रहे हैं। अणुव्रत के नियम बताये गये। प्रेक्षाध्यान के प्रयोग दीर्घ श्वास, ज्योति केन्द्र महाप्राण ध्वनि के प्रयोग करवाये। विभिन्न मुद्राओं के बारे में बताया, उनसे होने वाले लाभ की जानकारी दी गयी। सहनशीलता विनम्रता व अन्य मोरल वेल्युज के बारे में उदाहरणों द्वारा बताया, मेमोरी पॉवर बढने का प्रयोग करवाया गया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के उपलक्ष में पूरे वर्ष अणुव्रत कार्यक्रम पूरे देश में चल रहे हैं। अध्यात्म जगत के महासूर्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की यात्रा का नाम अणुव्रत यात्रा घोषित किया गया है। गणाधिपति गुरुदेव तुलसी के आन्दोलन का ज्यादा से ज्यादा प्रभावना हो तभभ सार्थकता है।

अणुव्रत गीत के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रिंसिपल स्वरूपा, अध्यापक रामोजी, ज्योति, पद्मा, दीपा का पूरा सहयोग रहा। हनुमान जिनैन्द्र बैद की तरफ से किताबों आदि का वितरण किया गया।

व्यापारियों ने बैठक में कई मामलों पर चर्चा की

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दि सिकंदराबाद होलेसल ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन, सिकंदराबाद की कार्यकारिणी की बैठक संघ के कार्यालय में अध्यक्ष गौतम जैन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वप्रथम स्वर्गीय विधायक सायन्ना को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में गौतम जैन कहा कि मार्केटिंग कमेटी एडवाइजरी बोर्ड की बैठक तीसरे सप्ताह में होगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी कोई भी समस्या को मेरे संज्ञान में ला सकते है। हम्माली समस्या आदि को लेकर बैठक होगी। बैठक में उपाध्यक्ष गोपाल बंग, महासचिव हरि किशन, आनंद बंग, मधु बाबू, नरायन लाल चौधरी, रामप्रकश, रामकृष्णा, प्रवीन आदि उपस्थित रहे।

साइबराबाद की सीमा में फार्म हाउस की जांच

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सप्ताहांत में नियमित चेकिंग के मद्देनजर साइबराबाद आयुक्तालय की सीमा में (39) लॉज/ओयो रूम और (09) फार्म हाउस की जांच की गई। (02) लॉज/ओयो रूम्स को नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। आरजीआईए पीएस की सीमा में फैब लॉज ग्राहकों को शराब पीने की अनुमति दे रहा था और आरजीआईए पीएस की सीमा में मेरिडियन होटल उचित दस्तावेज नहीं रख रहा था। इन मामलों में दो लोगों की गिरफ्तारी की गई।

चारोडी गुरूकुल के संतो का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अहमदाबाद से भाग्यनगर पधारे स्वामीनारायण संप्रदाय के संतो का विभिन्न संस्थाओ की ओर स भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आज यहाँ प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरीयल फाउण्डेशन की अध्यक्षा जया जागीरदार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया की श्री स्वामीनारायण गुरूकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठानम चारोडी अहमदाबाद से पधारे पूज्य भक्तवत्सल स्वामी, पू. हरीनंदन स्वामी, पूज्य गुणसागर स्वामी, पूज्य जनमंगल स्वामी, पू. दिव्यसागर स्वामी आदि का भाग्यनगर आगमन पर करमनघाट स्थित पटेल फार्म हाउस पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वामीनारायण गुरूकुल के हरजीभाई पटेल एवं जीवरामभाई पटेल, निलकंठ विद्यापीठ के कोठारी स्वामी, पंडीत स्वामी, धर्मनंदन स्वामी एवं ज्ञान स्वामी, लव फोर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, श्री गुजराती प्रगती समाज के अध्यक्ष महेशभाई पटेल, उमीया पाटीदार समाज के सुरेश पटेल, योगेश पटेल, किशन पटेल, कन्नुभाई पटेल, जागीरदार फाउण्डेशन के संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, फीलखाना जैन संघ के उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, आल इंन्डिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमेन आर.के. जैन, हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्मण समाज के तरूण महेता, बी.जे.पी. किसान मोर्चा के शेखर रेड्डी, गेलवय्या, दर्शन, रमेश तथा बडी संख्या मे पटेल समाजबंधुओ ने भाग्यनगर की धन्य धरा पर पधारे संतो का भव्य अभिनंदन किया गया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में होली महोत्सव के पावन अवसर पर सुकडीबाई-दीपाराम सानपरा के पौत्र यक्षित के ढूंढोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित मंजु-दिनेश सानपरा, चुतराराम, मोहनलाल, अबाराम, बाबुलाल, जयराम, सोहनलाल, धर्मीचन्द सानपरा, अध्यक्ष मांगीलाल काग, भगाराम मुलैवा, कालुराम चिंतल, पुसाराम काग, गणेशराम बर्फा, नैनाराम राठौड व अन्य।

बिहार एसोसिएशन का होली मिलन समारोह आज

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन का होली मिलन समारोह 12 मार्च को हैदराबाद के कुतुबुल्लापुर में आयोजित किया जा रहा है। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया, इस बार होली स्नेह मिलन में रंगारंग कार्यक्रम एवं गुलाल तिलक के साथ प्रीतिभोज का भी कार्यक्रम रखा गया है। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह एवं महासचिव प्रभास कुमार सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने संयुक्त रूप से विशेषकर उत्तर भारतीयों से अनुरोध किया है कि सभी लोग परिवार सहित होली स्नेह मिलन में पधार कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले। इस होली मिलन का मुख्य आकर्षण का केंद्र गायक पवन पांडे, मोना शाह एवं साथी की प्रस्तुति रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विवेक गौड़, विधायक, कुतुबुल्लापुर, पूर्व विधायक श्री शैलम गौड, एंव विशेष अतिथि एम नरसिम्हा यादव, कॉरपोरेटर बोईनपल्ली, सुरेश रेड्डी, कॉरपोरेटर, सुभाष नगर, रहेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया भारी संख्या में सदस्यों का कार्यक्रम में भाग लेने का संभावना है। कार्यक्रम में भोजपुरी, चयिता, मैथिली के संग हिंदी सिनेमा की गायकी से भी समा बधेंगी।

बीआरएस की महिला नेताओं ने राजभवन की दीवार और बेरिकेड्स पर ज्ञापन चिपकाया

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को यहां राजभवन में बीआरएस की महिला नेताओं को प्रवेश नहीं देने पर कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया। एमएलसी कविता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जीएचएमसी महापौर गदवाला विजया लक्ष्मी और सरकारी सचेतक गोंगीदी सुनीता के नेतृत्व में बीआरएस जीएचएमसी की महिला पार्षदों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता राजभवन पहुंचे और राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को ज्ञापन देने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, राज्यपाल कार्यालय से मुलाकात की पुष्टि नहीं होने के बाद से पुलिस ने राजभवन में महिला नेताओं के प्रवेश से इनकार कर दिया।

मुलाकात समय देने से इनकार करने के लिए राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन की कायशैली से नाराज, बीआरएस विधायक गोंगीडी सुनीता ने उन पर भेदभाव के साथ काम करने का आरोप लगाया। गोंगिडी सुनीता ने कहा कि वे शनिवार सुबह से ही राज्यपाल से मिलने का समय मांग रहे थे लेकिन राजभवन कार्यालय से कोई जवाब नहीं मिला। बीआरएस विधायक ने सवाल किया कि जब वाईएसआर टीपी अध्यक्ष शर्मिला को राज्यपाल से मिलने का समय दिया गया है तो बीआरएस नेताओं को मना क्यों किया जा रहा है। पुलिस द्वारा राजभवन में प्रवेश की अनुमति नहीं देने पर बीआरएस की महिला नेताओं ने राजभवन की दीवार और बेरिकेड्स पर ज्ञापन चिपका दिया।

विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर पदों के लिए पीएचडी अनिवार्य नहीं: यूजीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए पीएचडी अनिवार्य नहीं है और यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में योग्यता पर्याप्त होगी। उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) परिसर में नवनिर्मित यूजीसी-एचआरडीसी भवन का उद्घाटन करने वाले यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि एक देश-एक डेटा पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिसमें यूजीसी के सभी दिशानिर्देश और अन्य विवरण होंगे।

प्रोफेसर कुमार ने कहा कि पारंपरिक मोड में शिक्षाविदों के साथ-साथ अगले शैक्षणिक वर्ष से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सीधे राष्ट्रीय डिजिटल विश्वविद्यालय के माध्यम से छात्रों तक पहुंचाई जाएगी। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के चेयरमैन प्रो. आर लिंबाद्री ने कहा कि नया भवन ओयू में मौजूदा बुनियादी ढांचे के लिए एक बढ़िया अतिरिक्त है और यह देश भर में उच्च शिक्षा में शिक्षण बिरादरी में बहुत योगदान देगा। ओयू के कुलपति प्रो. डी रविंदर ने विश्वविद्यालय की पहल और प्रगति के बारे में बताया और कहा कि महिला संकाय सदस्यों के लिए 50 प्रतिशत प्रशासनिक पद निर्धारित किए गए हैं।

श्री श्री श्री मल्लन्ना भ्रामराम्बा गोल्ला केतम्मा कल्याणम आज

शनिवार को आयोजित महाचंडी होम में शामिल हुए भक्त

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कोलुवु तिरिनी श्री श्री श्री मल्लन्ना भ्रामराम्बा गोल्ला केतम्मा कल्याणम रविवार 12 मार्च को कारवान तल्लगड्डा में आयोजित किया जाएगा। इस बीच, पिछले दो दिनों से चल रहे इस वार्षिक उत्सव के हिस्से के रूप में शुक्रवार को श्री महागणपति पूजा, पुण्यहवाचनम और अखंड दीपाराधना सम्पन्न हो गया। शनिवार को श्री महागणपति पूजा, पुण्यहवाचनम, योगिनी, वास्तु, नवग्रह, सर्वतोभद्र मांडव महान्यासका पुरूकाना एकादश रुद्राभिषेकम, ब्रह्म लकड़ी की स्थापना, अग्नि प्रतिष्ठा, स्थाकिका देव मूलमंत्र हवनम, द्वादश कलश नाडी स्नैपाना, कुंभाभिषेकम और चंडीहोम सम्पन्न हो गया। रविवार सुबह 10.05 बजे मल्लन्ना कल्याणम, दोपहर में भोजन कार्यक्रम, शाम 7 बजे स्वामी की पालकी सेवा होगी। वैदिक विद्वान अवधूत शर्मा, वाई. हरिहर शर्मा, जे. चंद्रशेखर स्वामी ने कहा कि मंदिर से मार्कंडेय नगर तक पालकी सेवा जुलूसू निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह तल्लागड्डा, भगवानदास बाग, अन्नपूर्णागुड़ी से स्वामी सन्निधानम तक जाएगा। मुख्य सलाहकार वासुदेव यादव, तल्लागड्डा अध्यक्ष ए. राजगोपाल, सचिव दुर्गादान, कोषाध्यक्ष हनुमंतु सहित शकर यादव, सुशील कुमार यादव, श्रीनिवास यादव ने श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में शामिल होंने का अनुरोध किया है।

सिकंदराबाद छावनी परिषद के पूर्व बोर्ड मेंबर अनीता प्रभाकर द्वारा महिला दिवस पर मडफोड़ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजशेखर, महेश्वर रेड्डी, एमएलए सायन्ना की पुत्री नंदिता साई, मधुकर, श्रीनिवास आदि ने भाग लिया।

सिटी सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन, हैदराबाद द्वारा आयोजित समारोह में अधिवक्ता के रूप में 50 साल सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले मुरलीनारायण बंग को सम्मानित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पी. वी, संजय कुमार साथ में तेलंगाना हाईकोर्ट के न्यायाधीश उज्ज्वल भूइंया, न्यायाधीश राव व अन्य।

बंडलागुडा स्थित ओमप्रकाश, अन्नाराम राठौड द्वारा आयोजित स्वागत समारोह कार्यक्रम में उपस्थित राजस्थानी प्रवासी बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लैंड फॉर जॉब्स ...

छापे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हम जब साथ आते हैं तो रेड शुरू हो जाती है। 2017 में भी ऐसे ही हुआ था और अब 5 साल बाद भी वही हो रहा है।

इधर, बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीतीश और लालू पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लालू परिवार ने नौकरी के बदले जमीन ली है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है तो विक्टिम कार्ड खेल रहे हैं। नीतीश कुमार अवसरवादी नेता हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू यादब के करीबियों और रिश्तेदारों के ठिकानों पर रेड में 53 लाख रुपये, 1,900 अमेरिकी डॉलर, 540 ग्राम सोना और 1.5 किलोग्राम सोने के आभूषण जब्त किए गए हैं। ईडी ने शुक्रवार को लालू यादव के करीबियों के दिल्ली, मुंबई, नोएडा और पटना में 15 जगहों पर छापेमारी की थी। इनमें दिल्ली के तेजस्वी यादव के घर, लालू की तीन बेटियों हेमा, रागिनी और चंदा का घर भी शामिल था। इनके अलावा, लालू के समधी जितेंद्र यादव के गाजियाबाद स्थित आवास पर भी छापा डाला गया था।

लालू के समधी जितेंद्र यादव के गाजियाबाद (यूपी) स्थित आवास पर ईडी की कार्रवाई 16 घंटे तक चली। शुक्रवार सुबह 8 बजे शुरू हुई जांच-पड़ताल रात 12 बजे जाकर पूरी हुई। जांच एजेंसी 3 बड़े बॉक्स में डॉक्यूमेंट्स भरकर अपने साथ ले गई है।

ईडी के 10 से ज्यादा अफसरों ने जांच की। शुक्रवार सुबह घर का मुख्य गेट बंद कर दिया गया। किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर आने या घर के सदस्य को बाहर जाने पर पाबंदी थी। सूत्रों ने बताया, परिवार के सभी सदस्यों के फोन बंद करा दिए गए। जितेंद्र यादव सपा के पूर्व एमएलसी हैं और गाजियाबाद के आरडीसी राजनगर इलाके में रहते हैं।

लालू के करीबी और आरजेडी के पूर्व विधायक अबू दोजाना के घर पर भी ईडी ने रेड डाली थी। इस दौरान ईडी की टीम ने सेप्टिक टैंक की खुदाई भी की है। इसे लेकर लालू की बेटी रोहिणी आचार्या ने ईडी की कार्रवाई का वीडियो शेयर कर ट्वीट कर लिखा है, सेप्टिक टैंक की खुदाई से गैस मिली। चाय बनाने के लिए मोदी साहब के लिए भर-भर ट्रक लेके गए हैं जमाई।

27 फरवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, पूर्व सीएम और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी और राज्यसभा सांसद मीसा भारती को समन जारी किया। जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में सीबीआई की चार्जशीट पर कोर्ट ने समन जारी किया था। जिसमें 15 मार्च को कोर्ट में सभी को पेश होने के आदेश दिए गए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया चौथा टेस्ट: 14 महीने और 15 पारियों के बाद कोहली की हाफ सेंचुरी, गिल ने शतक जमाया

अहमदाबाद, 11 मार्च (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। तीसरे दिन का आखिरी सेशन जारी है।

भारत ने पहली पारी में तीन विकेट पर 283 रन बना लिए हैं। विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की जोड़ी नाबाद है। कोहली करियर का 29वां अर्धशतक पूरा कर चुके हैं। कोहली ने 14 महीने और 15 पारियों के बाद टेस्ट में अर्धशतक जमाया है। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने लारा का रिकॉर्ड तोड़ा है।

शुभमन गिल 128 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन लायन ने एलबीडब्ल्यू किया। इससे पहले, चेतेश्वर पुजारा 42 रन पर आउट हुए। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 हजार रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बने। कप्तान रोहित शर्मा ने 35 रन बनाए।

भारतीय बल्लेबाजों ने 36/0 के स्कोर से दिन की शुरुआत की थी। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 480 पर ऑलआउट हुई।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: 21वें ओवर की आखिरी बॉल पर रोहित शर्मा शॉर्ट एक्सट्रा कवर पर खड़े लाबुशेन को कैच दे बैठे। कुहनेमन को पहला विकेट मिला।

दूसरा : टॉड मर्फी ने चेतेश्वर पुजारा को एलबीडब्ल्यू कर दिया।

तीसरा : गिल को नाथन लायन ने एलबीडब्ल्यू कर दिया।

गिल का 3 महीने में 5वां इंटरनेशनल शतक

ओपनर शुभमन गिल ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने इस साल 5वां इंटरनेशनल शतक जमाया है। यह उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक है।

गिल-पुजारा के बीच 113 रन की साझेदारी

शतकवीर शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने दूसरे विकेट के लिए 248 बॉल पर 113 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को पहले झटके से उबारा। टीम ने 74 रन के स्कोर पर रोहित शर्मा का विकेट गंवाया था, तब रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हुए थे। रोहित ने गिल के साथ 126 बॉल पर 74 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

रोहित शर्मा के 17 हजार इंटरनेशनल रन पूरे

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हुए। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 17 हजार रन पूरे हो गए हैं। रोहित ऐसा करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग ऐसा कर चुके हैं।

सेशन के अनुसार तीसरे दिन का खेल

पहला : भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा सेशन

तीसरे दिन का पहला सेशन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा। इसमें 93 रन बने, जबकि एक विकेट भी गिरा। लंच से पहले भारतीय टीम ने एक विकेट पर 129 रन बना लिए हैं। इस सेशन में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू कुहनेमन ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया।

दूसरा : मिलाजुला रहा, गिल-पुजारा की टिकाऊ बल्लेबाजी

दूसरा सेशन मिलाजुला रहा। टीम इंडिया के ओपनर शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने टिकाऊ बल्लेबाजी की। दोनों ने लंच के बाद 59 रन जोड़े। हालांकि सेशन के अंत में भारत ने पुजारा का विकेट गंवा दिया।

मुकाबले का दूसरा दिन उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन के नाम रहा। ख्वाजा 180 बनाकर आउट हुए, वहीं ग्रीन ने 114 रन बनाए। इनके दम पर ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 480 रन बनाए। भारत से रविचंद्रन अश्विन ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए। स्टंप्स तक भारत ने बगैर नुकसान के 36 रन बना लिए थे। तीसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा 17 और शुभमन गिल 18 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे थे।

पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत शुरुआत मिली। टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 255 रन बना लिए हैं। ओपनर उस्मान ख्वाजा 104 और कैमरून ग्रीन 49 रन पर नाबाद लौटे। कप्तान स्टीव स्मिथ 38, ट्रेविस हेड 32, पीटर हैंड्सकम्ब 17 और मार्नस लाबुशेन 3 रन बनाकर आउट हुए।

भारत के लिए मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन को 1-1 विकेट मिला।

ब्रिटिश फुटबॉल में छा रहे भारतीय खिलाड़ी

घरेलू लीग के मैनचेस्टर यूनाइटेड और टॉटेनहम हॉट्सपर जैसे क्लबों से खेल चुके

लंदन, , 11 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ी ब्रिटेन में फुटबॉल का चेहरा बदल रहे हैं। कड़ी मेहनत और कौशल की वजह से कई फुटबॉल क्लबों ने उन पर भरोसा जताया है। मैनचेस्टर यूनाइटेड, टॉटेनहम हॉट्सपर, बर्मिंघम सिटी जैसे क्लबों ने भारतीय पृष्ठभूमि वाले खिलाड़ियों से करार किया है। माइकल चोपड़ा और यान ढांडा जैसे खिलाड़ी एलीट लीग में खेल चुके हैं।

उभरते सितारों में दिलन कुमार मार्कंडेय हैं, जो स्कॉटलैंड के क्लब एबरडीन की ओर से खेलते हैं। एक अन्य फुटबॉलर अर्जन रायखी हैं, जो प्रीमियर लीग क्लब एस्टन विला में मिडफील्डर हैं। दिलन 2021-में टॉटेनहम हॉट्सपर में शामिल थे। 2022 में वे ब्लैकबर्न रोवर्स से जुड़े। पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने डेब्यू किया। वे इस क्लब की ओर से प्रतिस्पर्धी मैच खेलने वाले पहले साउथ एशियन खिलाड़ी बने थे।

पिछले साल नेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन ने प्रतिभा निखारने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए एशियन इन्क्लूजन मेंटरिंग स्कीम शुरू की, जिसमें कई अनुभवी पेशेवर खिलाड़ी युवाओं को सलाह देते हैं। दिलन कहते हैं, 'कई लोगों को मेरे जरिए उम्मीद नजर आती है। पिता ने मुझे खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जब मैं टॉटेनहम के लिए ट्रायल देने गया था तो कार में सो गया था।

पिता से कहा था कि मैं नहीं जाना चाहता, लेकिन उन्होंने ही मुझे कार से खींचकर बाहर निकाला और ट्रायल के लिए भेजा। कभी-कभी भारत से परिवार के उन लोगों के मैसेज मुझे मिलते हैं, जिनसे मैं कभी मिला नहीं हूं। वे मुझे देखकर खुश होते हैं।' इंग्लिश फुटबॉल के विशेषज्ञ डस्टिन जॉर्ज मिलर कहते हैं कि दिलन टॉटेनहम अंडर-23 टीम के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक हैं। वे अटैकिंग मिडफील्डर हैं। उन्होंने 22 मैच में से 21 खेले, जो किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा हैं। उन्होंने 11 गोल किए थे।

भारतीय मूल की सिमरन लिवरपूल की ओर से खेली

22 साल की सिमरन झामत ब्रिटिश साउथ एशियन महिला फुटबॉलर्स की अगली पीढ़ी के लिए आदर्श हैं। उनके अलावा किरा राय, रूप कौर, मिली चंद्राना भी हैं। कई स्थानीय क्लबों से खेलने के बाद सिमरन 2017 में लिवरपूल से जुड़ीं। वे इंग्लैंड की अंडर-17 टीम के लिए गोल करने वाली पहली भारतीय हैं। 26 साल की चंद्राना मैनचेस्टर यूनाइटेड से खेलती हैं। अभी वे लोन पर लियोनी क्लब की ओर से खेल रही हैं।

इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे एंडी मरे, वावरिंका ने भी हासिल की जीत

खेल डेस्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। मरे ने तीन घंटे 12 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-7 (5), 6-1, 6-4 से हरा दिया। मैच के बाद एंडी मरे ने कहा, "मैं यह मैच जीतकर खुश हूं। मुझे कड़े मुकाबले पसंद हैं। मैं रुकना नहीं चाहता हूं।"

तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। मरे ने तीन घंटे 12 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-7 (5), 6-1, 6-4 से हरा दिया। 35 साल के मरे पहला सेट गंवा बैठे थे और लग रहा था कि वह उलटफेर का शिकार हो जाएंगे। लेकिन 2009 इंडियन वेल्स के उप विजेता मरे दूसरा सेट 6-1 और तीसरा सेट 6-4 से जीतकर अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे।

मैच के बाद एंडी मरे ने कहा, "मैं यह मैच जीतकर खुश हूं। मुझे कड़े मुकाबले पसंद हैं। मैं रुकना नहीं चाहता हूं।" वहीं, अन्य मैचों में स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी स्टेन वावरिंका ने हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अच्छी वापसी करते हुए क्वालिफायर एलेक्जेंडर युकिक को 6-4, 1-6, 6-1 से शिकस्त दी।

37 साल के वावरिंका पैर में चोट के ठीक होने के बाद इस खेल में वापसी कर रहे हैं। वह अपने करिय.र में विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी रह चुके हैं, जबकि अभी उनकी रैंकिंग 100 है। महिला खिलाड़ियों में 2021 की यूएस ओपन की विजेता एम्मा राडूकानू जनवरी के बाद टेनिस कोर्ट पर उतरी हैं और उन्होंने दानका कोवनिक को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हरा दिया।

पीएसएल में पोलार्ड ने बॉउंड्री लाइन पर पकड़ा कैच

एक हाथ से बॉल को हवा में फेंका, फिर कैच लपका

रावलपिंडी, 11 मार्च (एजेंसियां)। इन दिनों खेले जा रहे पाकिस्तान सुपर लीग में कीरोन पोलार्ड ने एक शानदार कैच पकड़ कर सभी को हैरान कर दिया। शुक्रवार को पेशावर जल्मी और मुल्तान सुल्तांस के बीच मुकाबला खेला गया। मुल्तान सुल्तांस ने पेशावर जल्मी को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर पोलार्ड ने एक शानदार कैच लपका।

पहले बॉउंड्री पर एक हाथ से कैच लेने की कोशिश की, फिर अंदर आकर लपका कैच

मैच में पहली पारी के अंतिम ओवर की चौथी गेंद पर छक्का लग जाता लेकिन पोलार्ड ने शानदार फील्डिंग करते हुए हैरतअंगेज कैच बाउंड्री लाइन पर पकड़ा। अनवर अली की गेंद पर टॉम कोहलर कैडमोर ने शॉट खेला, पोलार्ड ने उसी शॉट पर बॉउंड्री लाइन के पास कैच पकड़कर सभी को हैरान कर दिया। पोलार्ड ने पहले बॉउंड्री पर बॉल को एक हाथ से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बॉउंड्री लाइन पर उनका बैलेंस बिगड़ गया। ऐसे में पोलार्ड ने गेंद को हवा में फेंक दिया। फिर बॉउंड्री के अंदर आकर मुश्किल कैच लपका। कैच पकड़ने के बाद पोलार्ड ने गुलाटी भी मारी।

मुल्तान ने पेशावर को चार विकेट से हराया

पीएसएल में शुक्रवार को पेशावर जल्मी और मुल्तान सुल्तांस के बीच रावलपिंडी में हाई वोल्टेज मुकाबला हुआ। पेशावर जल्मी ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खो कर 242 रन बनाए।

जवाब में मुल्तान ने 19.1 ओवर में 5 बॉल शेष रहते ही टारगेट चेज कर लिया। साउथ अफ्रीका के बैटर राइली रूसो ने पीएसएल का सबसे तेज शतक लगाया। रूसो ने 41 गेंद में सेंचुरी पूरी की। 242 रन का पीछा करने उतरी मुल्तान सुल्तांस की शुरुआत खराब रही। ओपनिंग करने उतरे शान मसूद 5 और कप्तान मोहम्मद रिजवान 7 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद राइली रूसो और कीरोन पोलार्ड ने पारी को संभाला। रूसो और पोलार्ड के बीच 43 बॉल में 99 रन की पार्टनरशिप हुई। पोलार्ड ने 25 बॉल में 52 रन बनाए। वहीं, रूसो ने 51 बॉल में 121 रन बनाए। टिम डेविड 2 और कुशदिल शाह 18 रन बना कर आउट हुए। आखिर में अनवर अली ने 8 बॉल में 24 रन और उसामा मीर ने 3 बॉल में 11 रन बना कर मैच को फिनिश किया। टीम ने 19.1 ओवर में 6 विकेट खो कर 244 रन बनाए।मुल्तान की ओर से अजमतल्लाह ओमरजई को 2 विकेट मिले। वहीं, मुजीब उर रहमान, अरशद इकबाल, वहाब रियाज और सैम अयूब को 1-1 विकेट मिला।

मुंबई इंडियंस को लगा दूसरा झटका

बुमराह के बाद आईपीएल से बाहर हुए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन

खेल डेस्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन भी इंडियन प्रीमियर लीग से चोट की वजह से बाहर हो गए हैं। रिचर्डसन को हैमस्ट्रिंग चोट की सर्जरी से उबरने में समय लगेगा, जिसके चलते वह पूरे आईपीएल में नहीं दिखेंगे। साथ ही उनके एशेज सीरीज से भी बाहर होने की पूरी संभावना है। रिचर्डसन को मुंबई ने 1.50 करोड़ रुपए में खरीदा था। मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2023 से पहले ही बाहर हो गए थे। उन्हें भी बैक स्ट्रेस इंजरी की शिकायत थी। इसी वजह से वह आईपीएल का ये सीजन नहीं खेलेंगे।

टेंबा बावुमा के बल्ले से सात साल बाद शतक निकला

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे दिन के अंत तक साउथ अफ्रीका का स्कोर 287/7

जोहान्सबर्ग, 11 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच जोहान्सबर्ग में दूसरा टेस्ट खेला जा रहा है। शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 7 विकेट खो कर 287 रन बना लिए है। साथ ही कप्तान टेंबा बावुमा के बल्ले से 7 साल बाद शतक निकला। उन्हें शतक जमाने के लिए 88 पारियों का इंतजार करना पड़ा। बावुमा से ज्यादा केवल न्यूजीलैंड के एडम परोरे (92 पारियों) को अपने पहले टेस्ट टन के बाद अपना दूसरा शतक बनाने के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ा था।

टेंबा बावुमा का शानदार प्रदर्शन
रन - 171* | गेंद - 275 | 4/6 - 20/0

तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोए

तीसरे दिन के अंत तक साउथ अफ्रीका के पास वेस्टइंडीज के खिलाफ 356 रन की बढ़त है। बावुमा 171 रन पर नाबाद है। इस समय बावुमा दिन की शुरुआत में ही बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। जब काइल मेयर्स ने डीन एल्गर को गली में कैच पकड़ा और फिर टोनी डी जोरजी को आउट किया। टीम के 2 विकेट गिर चुके थे।

एडन मारक्रम 18 रन , रायन रिकेलटन 10, हेनरिक क्लासेन 14, विआन मुल्डर 42, साइमन हरमर 19 रन बना कर पवेलियन लौटे। बावुमा के साथ केशव महाराज 3 रन पर नाबाद है।

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन झटके 7 विकेट

वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी की। काइल मेयर्स और अल्जारी जोसफ को 2-2 विकेट मिले। रेमोन रीफर, जेसन होल्डर और कैमार रोच को 1-1 विकेट मिला।

दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने बनाए थे 251 रन

शुक्रवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 4 रन बनाए थे। वहीं वेस्टइंडीज पहली पारी में 251 रन पर सिमट गई थी। दूसरे दिन साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में 7 विकेट पर 311 रन से आगे खेलते हुए 9 रन जोड़कर 3 विकेट खो कर पहली पारी में 320 रन बनाए थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अफ्रीका ने 73 रन की बढ़त ले ली थी।

पहले दिन का खेल

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में डीन एल्गर और एडेन मार्करम ने 106 गेंदों में 76 रनों की साझेदारी निभाई थी। एल्गर 54 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मार्करम और टोनी डी जॉर्जी के बीद दूसरे विकेट के लिए 164 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान तेम्बा बावुमा 3 चौकों की मदद से 64 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए और टीम ने 320 रन बनाए।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी में अल नरु को मिली पहली हार

कप्तान ने मैदान पर ऐसे उतारा गुस्सा

खेल डेस्क, 11 मार्च (एजेंसियां)। अल नस्त्र के 20 मैचों में 46 अंक हैं और उसे सिर्फ दो मैचों में हार मिली है। वहीं, अल इत्तेहाद 20 मैचों में ही 47 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया है, जबकि उसे एक मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

सुपरस्टार फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी में अल नस्त्र क्लब को सऊदी प्रो लीग में अल इत्तेहाद की टीम से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद क्लब ने अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान भी गंवा दिया। रोनाल्डो पिछले महीने के श्रेष्ठ फुटबॉलर बने थे, लेकिन यह माह उनके लिए अच्छा नहीं जा रहा है। रोनाल्डो अल इत्तेहाद के खिलाफ पूरे मैच में खेले, लेकिन वह गोल नहीं कर पाए और उनकी टीम को 0-1 से हार मिली।

38 साल के रोनाल्डो के इस क्लब के जुड़ने के बाद से टीम को पहली बार हार मिली है। वह हार के बाद काफी गुस्से में थे। ड्रेसिंग रूम में जाने के समय उनका गुस्सा मैदान पर दिखा। रोनाल्डो ने एक बोतल को पैर से मारा। वह काफी हताश थे। इसके अलावा अल इत्तेहाद के प्रशंसक रोनाल्डो के सामने मेसी-मेसी बोलकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

शीर्ष पर पहुंचा अल इत्तेहाद

अल नस्त्र के 20 मैचों में 46 अंक हैं और उसे सिर्फ दो मैचों में हार मिली है। वहीं, अल इत्तेहाद 20 मैचों में ही 47 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गया है, जबकि उसे एक मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इससे पहले हुए अल बातिन के खिलाफ मैच में भी रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर पाए थे और टीम ने मैच के इंजरी टाइम में गोल दागकर जीत दर्ज की थी।

नहीं भुना पाए मौके

पहले हाफ में अल नस्त्र को गोल करने के मौके भी मिले थे, लेकिन वे इसे भुना नहीं पाए। रोनाल्डो ने गोल पोस्ट की तरफ से गेंद पर किक लगाई, लेकिन अल इत्तेहाद के गोलकीपर मार्सेलो ग्रोह ने इस पकड़ लिया। दूसरे हाफ में अल इत्तेहाद गोल करने में सफल रहा। मैच के 80वें मिनट में ब्राजील के स्टार रोमारिंहो ने कोई गलती किए बिना बॉक्स के अंदर से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर अल इत्तेहाद को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। इसके बाद भी रोनाल्डो की टीम बराबरी का कोई गोल नहीं कर पाई।

फ्री किक पर गोल करने से चूके क्रिस्टियानो

कप्तान रोनाल्डो को दूसरे हाफ में फ्री किक के जरिए गोल करने का बेहतरीन मौका मिला था, लेकिन वह इसे गोल में बदल नहीं पाए। उन्होंने गेंद पर किक लगाई, लेकिन अल इत्तेहाद के डिफेंडरों ने उनके गोल करने के प्रयास को विफल कर दिया।

डेरिल मिचेल का पांचवा शतक
रन - 102 | गेंद - 193 | 4/6 - 6/2

क्राइस्टचर्च टेस्ट में कीवियों की वापसी

पहली पारी में 373 रन बनाए, मिचेल ने जड़ा शतक; दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 83/3

क्राइस्टचर्च, 11 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। शनिवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए हैं। वहीं न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए पहली पारी में 373 रन बनाए। इससे पहले तीसरे दिन न्यूजीलैंड अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 165 रन से आगे खेलते हुए 211 रन जोड़कर 5 विकेट खो दिए और पहली पारी में 373 रन का स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने 102 रन की शतकीय पारी खेली। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने 65 रन की बढ़त ले ली है। एंजेलो मैथ्यूज 20 और प्रभात जयसूर्या 2 रन बनाकर नाबाद हैं। श्रीलंका के तीनों विकेट ब्लेयर टिकनर लिए।

न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिचेल ने 102, मैट हेनरी 72 और टॉम लाथम ने 67 रन की शानदार पारी खेली। इनके अलावा डेवोन कॉनवे 30, नील वैगनर 27, माइकल ब्रेसवेल और टिम साउदी 25-25 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने 4 और लाहिरू कुमारा ने 3 विकेट झटके।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया था। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 355 रन बनाए। श्रीलंका के लिए कुशल मेंडिस और दिमुथ करुणारत्ने के बीच शतकीय और एंजेलो मैथ्यूज- दिनेश चांदीमल के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। श्रीलंका के लिए कुशल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए। उनके अलावा दिमुथ करुणारत्ने 50, एंजेलो मैथ्यूज 47 और धनंजय डिसिल्वा ने 46 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

भीड़ पर शाकिब अल हसन का फूटा गुस्सा

इवेंट के दौरान सिक्योरिटी के बीच फैन को पीटा

चटगांव, 11 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन एक बार फिर कॉन्ट्रोवर्सी में फंस गए हैं। बांग्लादेश के चटगांव में एक इवेंट के दौरान सैकड़ों लोगों से घिरे होने के बावजूद कड़ी सुरक्षा के बीच शाकिब अल हसन ने टोपी से एक फैन को पीट दिया। बांग्लादेश की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाकिब जैसे ही कार में बैठने जा रहे थे, उसी समय एक फैन उनकी टोपी छीनने की कोशिश कर रहा था। शाकिब को

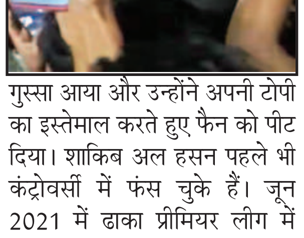

गुस्सा आया और उन्होंने अपनी टोपी का इस्तेमाल करते हुए फैन को पीट दिया। शाकिब अल हसन पहले भी कंट्रोवर्सी में फंस चुके हैं। जून 2021 में ढाका प्रीमियर लीग में शाकिब ने मैच के दौरान अंपायर से अपील की। अंपायर ने बैट्समैन को आउट करार नहीं दिया तो शाकिब ने गुस्से में स्टंप्स पर लात मारी थी। बाद में शाकिब ने लंबी बहस की और स्टंप्स उखाड़कर फेंक दिए थे।

शाकिब इस समय इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में बांग्लादेश टीम की कप्तानी कर रहे हैं। 9 मार्च को हुए पहले टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश ने टी-20 और वनडे वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड को 6 विकेट से हरा दिया।

तेलंगाना सीएम की बेटी से ईडी की 9 घंटे पूछताछ

के. कविता को 16 मार्च को फिर बुलाया, दिल्ली शराब नीति मामला

नई दिल्ली, 11 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के कविता से दिल्ली के ईडी ऑफिस में पूछताछ खत्म हो गई है। उनसे दिल्ली की शराब नीति के मामले में शनिवार को 9 घंटे तक सवाल किए गए। पूछताछ खत्म होने के बाद कविता अपने घर पहुंच गई हैं। एजेंसी ने उन्हें पूछताछ के लिए 16 मार्च को फिर बुलाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के सेक्शन 50 के तहत उनका बयान रिकॉर्ड किया जा रहा है। कविता के ईडी दफ्तर पहुंचने से पहले केसीआर ने कहा था कि उन्हें आशंका है कि ईडी उनकी बेटी को गिरफ्तार कर सकती है, इसलिए उन्होंने अपने बेटे केटीआर और तेलंगाना सरकार में मंत्री टी हरीश राव को दिल्ली भेजा है। कविता ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जहां चुनाव होता है, वहां मोदी से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहुंच जाता है।

मुट्ठी लहराकर समर्थकों से मजबूत रहने को कहा :

कविता दिल्ली में अपने पिता के आधिकारिक निवास पर रुकी हुईं थीं। ईडी ऑफिस जाने से पहले वहां समर्थकों की बड़ी भीड़ जमा हो गई। वे सभी लोगों से मिलती हुईं गाड़ी तक पहुंचीं। सुबह 11 बजे के करीब वे ईडी ऑफिस पहुंचीं जहां पहले से ही बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता इकट्ठे थे।

भीड़ को कंट्रोल करने के लिए ऑफिस के बाहर दिल्ली पुलिस और सेंट्रल फोर्स के जवान तैनात थे। ईडी ऑफिस में घुसने से पहले कविता ने समर्थकों की ओर हवा में बंद मुट्ठी लहराई और उन्हें मजबूत बने रहने के लिए कहा।

ट्रेनी आईएएस टीम ने जीएचएमसी की योजनाओं की सराहना की

कमिश्नर डी.एस. लोकेश कुमार ने दी जानकारी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रशिक्षु आईएएस ने अपनी राय व्यक्त की कि जीएचएमसी द्वारा शहर के लोगों के बुनियादी ढांचे के लिए शुरू की गई कई योजनाएं बहुत अच्छी हैं। केन्द्र सरकार के भारत दर्शन कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन विभिन्न राज्यों में चल रही नवीन योजनाओं का अध्ययन करने के क्रम में तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही अभिनव योजनाओं की प्रशिक्षु अधिकारियों ने जानकारी सी। आयुक्त डीएस लोकेश कुमार ने शनिवार को जीएचएमसी मुख्यालय में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जीएचएमसी में चल रही सभी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में बताया। आयुक्त ने कहा कि राज्य के नगरपालिका एवं शहरी विकास मंत्री के.टी.आर. के प्रोत्साहन से मुख्यमंत्री के कई निर्देशों के साथ शहर के लोगों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने का एक बड़ा प्रयास किया गया है।

आयुक्त ने कहा कि एसआरडीपी और सीआरएमपी के माध्यम से बेहतर परिवहन व्यवस्था होने से वाहन चालक अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे, इसी तरह शहर में लोगों को बिना किसी परेशानी के सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट, फंक्शन हॉल, सीसी रोड, आधुनिक वैकुंठधाम का बड़े पैमाने पर काम किया गया है। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने कहा कि इस कार्यालय की एसआरडीपी, एसएनडीपी और सीआरएमपी की योजनाएं बहुत अच्छी हैं, खासकर परिवहन में सुधार, सौंदर्यीकरण और जंक्शनों के विकास जैसे विकास कार्य। उन्होंने राय व्यक्त की कि उन्होंने खुद उन्हें देखा है कि वे उम्मीद से बेहतर हैं। संबंधित प्रखंडों के विभागाध्यक्षों ने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में बताया। इस अवसर पर आयुक्त ने प्रशिक्षु आईएएस द्वारा उठाये गये कुछ संदेहों का समाधान किया। प्रशिक्षु आईएएस 9, 10 और 11 को तीन दिवसीय दौरे पर तेलंगाना हैदराबाद आए थे। उन्होंने 9 तारीख को वायु सेना अकादमी और 10 तारीख को जिनीमी वैली और टी-हब का दौरा किया। इस अवसपर पर अपर आयुक्त श्रुति ओझा, प्रियंका आला, ईएनसी जियाउद्दीन, हाउसिंग ओएसडी सुरेश कुमार, प्रोजेक्ट सीई देवानंद, यूबीडी, आईटी, खेल प्रशासन के अतिरिक्त आयुक्त वी.कृष्णा, जयराज कैनेडी, विजयलक्ष्मी, सरोजा, टाउन प्लानिंग के अतिरिक्त सीसीपी श्रीनिवास, सीएम एंड एचओ डोकर पद्मजा, पशु चिकित्सा प्रमुख डॉ. अब्दुल वकील, कीट विज्ञान प्रमुख डॉ. रामबाबू आदि ने अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी (ग्रुप-3) परमेंद्र पाल सिंह, संधू जयेंद्र सिंह सिलार, विवेक भारती, डॉ. ब्रह्मजीतसिंह रंगी, गुलप्रीत सिंह औलक, करण सिंह, अनिल अन्ना साहेब पाटिल, डॉ. रश्मि शर्मा सुधाकर, बापू राव तेलंग, लीना मोरेश्वर बंसाद, शैलेश कुमार कन्नूबाई प्रजापति, डॉ. ज्ञान श्याम धनानी, संजय कुमार देवराज भाई, खजाना सिंह, डॉ. मनीषा अरुरा, अब्दुल खान ने भाग लिया।

ओआरआर साइकिल ट्रैक का काम पूरा होने के करीब

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास, (एमए एंड यूडी), विशेष मुख्य सचिव, अरविंद कुमार ने शनिवार को कहा कि हैदराबाद बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के साथ 21

किलोमीटर साइकिलिंग ट्रैक से संबंधित सिविल कार्य पूरा होने के करीब हैं। वर्तमान में एमए एंड यूडी के अधिकारी हरियाली, साइकिलिंग ट्रैक के लैंडस्केपिंग से संबंधित कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 10 दिनों में साइकिल ट्रैक के सोलर रूफटॉप पैनल लगाने का काम शुरू होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि एक बार पूरा हो जाने के बाद, ओआरआर की सर्विस सड़कों के साथ सोलर रूफिंग के साथ साइकिलिंग ट्रैक और अन्य सुविधाएं अपनी तरह की अनूठी सुविधा होंगी। सोलर पैनलिंग को अंतिम रूप दिया गया है और अगले 10 दिनों में इंस्टालेशन का काम शुरू हो जाएगा एक बार पूरा हो जाने के बाद, यह भारत में अपनी तरह का अनूठा होगा। उन्होंने ट्वीट किया और सुविधा की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मोदी सरकार सीएम केसीआर, उनके परिवार को निशाना बना रही है : ओवैसी

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी शनिवार को सीएम केसीआर की बेटी के कविता से प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली शराब नीति मामले में पूछताछ मामले में कविता के समर्थन में सामने आएं। एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने तेलंगाना के समावेशी विकास में उनके नेतृत्व के लिए केसीआर को निशाना बनाने के लिए मोदी सरकार की आलोचना की। भाजपा सांसदों ने मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से घर में हथियार रखने को कहा है। लेकिन मोदी सरकार तेलंगाना के समावेशी विकास में उनके नेतृत्व को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री और उनके परिवार को निशाना बनाने में व्यस्त है। ओवैसी की यह टिप्पणी दिल्ली शराब नीति मामले में केसीआर की बेटी के कविता से आज प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पूछताछ से पहले आई है।

दमरे से यूपी-बिहार के लिए करीब 14 विशेष ट्रेनों का संचालन

73 फेरा ट्रेनों के चलने से करीब 90 हजार यात्रियों को राहत

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना से यूपी-बिहार से नई और विशेष ट्रेनों के संचालन को लेकर कई सालों से मांग चली रही है। इसी बीच विभिन्न संगठनों के लोग लगातार रेल मंत्री, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से ट्रेनों को चलाने की मांग को लेकर लगातार सक्रिय है। दक्षिण मध्य रेलवे अपने कार्यक्षेत्र में बीते फरवरी और मार्च में दमरे करीब 14 विशेष ट्रेनों का संचालन जारी रखे हुए है। इन दौरान करीब 73 फेरा ट्रेनों को चलने से 90 हजार लोगों को राहत मिलने की संभावना है। दमरे ने फरवरी और मार्च माह में महीने में हैदराबाद स्टेशन से गोरखपुर के लिए ट्रेन नंबर 02575 नौ ट्रेनें फरवरी में 3, 10, 17, 24 और मार्च में 3, 10, 17, 24, 31 मार्च, गोरखपुर-सिकंदराबाद ट्रेन नंबर 02576 फरवरी में 5, 12, 19, 26 और मार्च में 5, 12, 19, 26 आठ ट्रेनों, ट्रेन नंबर 07255 फरवरी में 1, 8, 15, 22 और मार्च में 1, 8, 15, 22 और 29 मार्च, हैदराबाद-पटना 9 ट्रेनें, ट्रेन नंबर 07256 सिकंदराबाद-पटना 3, 10, 17, 24 फरवरी में और 3, 10, 17, 24 व 31 मार्च 9 ट्रेनों का संचालन हो रहा है। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 03253 पटना-सिकंदराबाद 1, 6, 8, 13, 15, 20, 22, 27 फरवरी और 1, 6, 8, 13, 15, 20, 22, 27, 29 मार्च को 17 फेरा, ट्रेन नंबर 05304 सिकंदराबाद- छपरा 13, 20, 27 मार्च में तीन फेरा, ट्रेन नंबर 05303 छपरा-सिकंदराबाद 11, 18, 25 मार्च में तीन फेरा, ट्रेन नंबर 07051 सिकंदराबाद-रक्सौल मार्च में 1 फेरा 4 मार्च, ट्रेन नंबर 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद 1 फेरा 9 मार्च, ट्रेन नंबर 07219 सिकंदराबाद-दानापुर 2 फेरा 5 व 12 मार्च, ट्रेन नंबर 07220 दानापुर-सिकंदराबाद 1 फेरा 9 मार्च , ट्रेन नंबर 07651 जालना-छपरा 1, 18, 15, 22 फरवरी में मार्च में 1, 18, 15, 22, 29 पांच फेरा, ट्रेन नंबर 07652 छपरा-जालना 3, 10, 17, 24 फरवरी में और मार्च में 3, 10, 17, 24 और 31 मार्च को 5 फेरा अपनी सेवा दे रही है।

जनता का ध्यान भटकाने के लिए दिल्ली में ड्रामा कर रही बीआरएस : तरुण चुघ

हैदराबाद, 11 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य प्रभारी और राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में नाटकीयता का प्रदर्शन किया है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ सक्रिय मिलीभगत से सनसनीखेज शराब घोटाले में इसकी एमएलसी कविता की संलिप्तता का मुख्य मुद्दा है। एक बयान में, उन्होंने कहा कि ईडी ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करने और निर्णायक साक्ष्य प्राप्त करने के बाद मौजूदा एमएलसी को पूछताछ के लिए बुलाया था। घोटाले के आरोपियों में से एक आरोपी अरुण पिल्लई ने पहले ही यह कहते हुए अपना बयान दे दिया था कि वह वास्तव में सुश्री कविता के इशारे पर काम किया था। सीबीआई और ईडी की चार्जशीट में कविता की भूमिका का विस्तृत वर्णन है कि कैसे दक्षिण समूह ने पूरे घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कैसे हवाला के माध्यम से आप को 100 करोड़ रुपये दिए गए। उन्होंने कहा कि ईडी ने कविता को अवैध लेनदेन की आय का विवरण प्राप्त करने के लिए बुलाया और कहा कि सवालों का जवाब देने के बजाय, बीआरएस पार्टी ने वैधानिक एजेंसियों के नाम बुलाकर डराने का सहारा लिया था। चुघ ने कहा कि कविता ने शुक्रवार को नई दिल्ली में महिला आरक्षण विधेयक पर विरोध कार्यक्रम के रूप में जो नाटक किया, वह तमाशा निकला। यह विडंबना है कि एक पार्टी जो स्वाभाविक रूप से स्त्री विरोधी है, महिला आरक्षण के बारे में बात करती है। तेलंगाना राज्य की पहली कैबिनेट में एक भी महिला मंत्री नहीं थी। अपने दूसरे कार्यकाल में भी टीआरएस के पास केवल दो महिला मंत्री हैं। यदि सुश्री कविता अपनी मांग में सच्ची हैं, तो उन्हें अपने पिता के मंत्रिमंडल में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। सीएम केसीआर पर निशाना साधते हुए उन्होंने सीएम की चुप्पी पर हैरानी जताई। न तो सुश्री कविता और न ही उनके परिवार के पास इस बारे में सरल सवालों के जवाब हैं कि वह साउथ ग्रुप का हिस्सा थीं या नहीं। क्या उन्होंने शराब नीति तय करने के विचार-विमर्श में हिस्सा लिया था? आईटीसी कोहिनूर, हैदराबाद, और होटल ओबराय, नई दिल्ली में उनकी बैठकें हों या न हों, या पूरी योजना में उनकी हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तय की गई थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.